हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 04 अगस्त 2024

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ शासन

विष्णु के सुशासन से
सँवर रहा छत्तीसगढ़

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हरेली तिहार

4 अगस्त 2024

जम्मो छत्तीसगढ़िया मन ला गाड़ा- गाड़ा बधई...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

खेती- किसानी अउ खुशहाली

धान खरीदी
3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़

मिला बकाया धान बोनस
13 लाख किसानों को मिला 2 वर्ष का बकाया धान बोनस, खाते में पहुंचे 3716 करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड
सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को खाद बीज एवं कृषि उपकरणों की खरीदी के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर लोन

किसानों को अतिरिक्त लाभ
धान का समर्थन मूल्य और रकबा बढ़ने से किसानों को प्रति एकड़ करीब 25,500 रूपए का अतिरिक्त लाभ

महावृक्षारोपण अभियान
एक पेड़ माँ के नाम
प्रदेश में रोपे जा रहे करीब 4 करोड़ पौधे

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Agriculture & Industrial Needs

KSC TECHNO PVT. LTD.
Pioneering a Digital Revolution

हरेली तिहार के गाड़ा-गाड़ा बधाई

जब चाहिए फसल सुरक्षा और अधिक पैदावार तो लाईये
KSC TECHNO के भरोसेमंद उत्पाद

URVARA GOLD — पौध वर्धक, धान की फसल उत्पादन में वृद्धि के लिये
Scort — तना छेदक नियंत्रक, धान में तना छेदक रोकथाम के लिये

Sunit Chaturvedi
CEO & MD of
KSC Techno Pvt. Ltd.

-:Corporate Office:-
3rd Floor, Orchid Centre, IILM Institute, Sector 53, Gurugram, Haryana-122022
Mob.:- +91 90391 95222, +91 96916 52114
ksctechno70@gmail.com, chaturvedi.sunit70@gmail.com

aries agro limited
ARIES NPK HD RANGE is honoured with the
National Award Of Excellence as the Most Admired Agriculture Innovation
हरेली तिहार के गाड़ा-गाड़ा बधाई
प्रति एकड़ 25-35% बचत*
aries FertiMAX HD
ARIES NPK RANGE OF HIGH DENSITY FORMULATION
LESS IS MORE
FertiMAX HD NP 11:52:00 | FertiMAX HD NPK 13:00:45 | FertiMAX HD NPK 00:52:34 | FertiMAX HD NPK 00:00:50 | MacroFert HD NPK 20:20:20 | FertiMAX HD NPK 19:19:19
MAKE IN INDIA
Aries 2030
एरीज एनपीके एचडी रेंज, विशिष्ट कृषि संबंधी लाभों के साथ-साथ किसानों को 25-35% लागत बचत
aries agro limited
Office : Ring Road No. 1, Indraprasth Phase-II
2nd Floor, Raipura, Raipur (C.G.)-492013 GST-22AAACA5035G1ZB
Mob. 9137852800, 9137852801

छत्तीसगढ़ के जम्मो भाई बहिनी ला हरेली तिहार के गाड़ा-गाड़ा बधई ...
एक ही छत के नीचे सम्पूर्ण श्रृंखला
आपकी तरक्की में हाथ..'अरुण' के कृषि यंत्रों का साथ
अरुण ट्रेड कम्बाइन्स - कृषि उपकरणों की निर्माण में अग्रणी. हम बनाते हैं कृषि उपकरणों की वृहद श्रृंखला. अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण सर्वाधिक उपयोग में आने वाले उपकरण, जो बनते हैं बेस्ट पार्ट्स व कॉम्पोनेंट्स से.
अशोका सुपर डीलक्स थ्रेशर
शासन द्वारा अनुदान उपलब्ध
एलिवेटर मॉडल भी उपलब्ध
मजबूती का हाथ.. किसानों के साथ
• 5 फैन मॉडल
• 6 फैन मॉडल
• 7 फैन मॉडल
• आसान फाइनेंस की सुविधा
• बिक्री पश्चात सेवा सुविधा
ट्रेक्टर लोडर | ट्रेक्टर कम्प्रेशर | कॉन्क्रीट मिक्सर | ट्रेक्टर ट्रेलर | कुट्टी मशीन
ट्रेक्टर हार्वेस्टर कंबाइन | ट्रेक्टर लोडर | ट्रेक्टर हॉलर मिल | ट्रेक्टर केन
ट्रेक्टर पोल इरेक्टर | मिनी ट्रेक्टर विथ लोडर | ट्रेक्टर कुट्टी मशीन | रीपर
ट्रेक्टर रोटावेटर | वाटर टैंकर | ट्रेक्टर ट्रेंचर | हाइड्रॉलिक डोज़र | लेवलर
अरुण ट्रेड कम्बाईन
माना रोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.) मोबाइल - 95168 55103
बलौदाबाजार - 9826611773 • भाटापारा - 9827122192
नयापारा - 9926148053 • अभनपुर- 8770557440 • गरियाबंद- 9303304816

हरेली तिहार के गाड़ा-गाड़ा बधाई

जहां हरेली (हरियाली) वहां के राज्य में खुशहाली

छत्तीसगढ़ के लोगों के बीच सबसे लोकप्रिय और सबसे पहला त्यौहार हरेली त्यौहार है। पर्यावरण को समर्पित यह त्यौहार छत्तीसगढ़ी लोगों का प्रकृति के प्रति प्रेम और समर्पण दर्शाता है। सावन मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाने वाला यह त्यौहार पूर्णतः हरियाली का पर्व है इसीलिए हिंदी के हरियाली शब्द से हरेली शब्द की उत्पत्ति मानी जाती है।

मूलतः किसानों का पर्व हरेली – किसानों का यह त्यौहार उनकी औज़ार पूजा से शुरू होता है, किसान आज काम पर नहीं जाते घर पर ही खेत के औजार व उपकरण जैसे नांगर, गैंती, कुदाली, रापा इत्यादि की साफ-सफाई कर पूजा करते हैं साथ ही साथ बैलों व गायों की भी इस शुभ दिन पर पूजा की जाती है। छत्तीसगढ़ के गाँव मे तो इस पर्व की बड़ी धूम दिखती है।

Contact for ad
93408 08313

GREEN FIELD AGRICO
ग्रीन फील्ड
हरेली तिहार के गाड़ा-गाड़ा बधाई
नांगर फॉल/रोटावेटर ब्लेड
70•11•13" EMSON AUTO GREEN FIELD
पडलर | रोटावेटर | सोला प्लाउ फाल टाईन (7 टाईन)
रीजर (3 फेरो) | डिस्क हैरो | एम.बी. प्लाउ (2 फेरो)
निर्माता: एमसन ऑटो
9 ब्लॉक-भनपुरी, रायपुर (छत्तीसगढ़) फोन: 0771-2224452, 4030531
098261-64452, 099930-30531

PRIDE OF INDIA
BULL
MONSOON OFFER
Upto 90% Funding
Smaller EMI's Available for 3 Months
1st EMI After 60 Days
1 year insurance Free
Exchange Offer Available
Oil filter service free up to 500 Hours
RESALE GUARANTEE
FINANCE PARTNERS
kotak Kotak Mahindra Bank | Mahindra FINANCE | SUNDARAM FINANCE | HDB FINANCIAL SERVICES
HDFC BANK | IndusInd Bank | YES BANK
*Terms and Conditions Apply
A.N. AUTOMOBILE
Infront of Govt. School, Main Road, Devpuri, Raipur
9752994668, 7089000188

BULL
India's No.1 Tractor Attachments
THE MOST PROVEN ULTIMATE SOLUTION FOR THE BRICK INDUSTRY
BACKHOE LOADER
TPL BACKHOE
BULL EV BARROW
डीलरशिप के लिये इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
Authorized Distributor:
AANDRAYA ENTERPRISES
Infront of Govt. School, Main Road, Devpuri, Raipur
Beside Indian Bank, Dhamtari Road, Abhanpur, Dist-Raipur-493661
98260-29023, 70890-00188

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

एक दर्जन बांध 80 प्रतिशत से अधिक भरे

17 दिन में छलक गए प्यासे बांध

ड्रोन फोटोः भूपेश जांगड़े

सावन ने छत्तीसगढ़ के बांधों को लबालब कर दिया है। केवल 17 दिन में ही बांध छलकने लगे हैं। प्रदेश के कई बांध जिसमें एक पखवाड़े पहले तक केवल निस्तारी का पानी बचा था, वे आज अच्छी बारिश की वजह से लबालब हैं। शुरू में मानसून के लेट होने के कारण बांधों में पानी की स्थिति चिंतनीय थी। जुलाई के अंतिम सप्ताह के बाद बारिश होना शुरू हुई, तो बांधों में पानी का स्टोरेज किया गया। पहले समान रूप से बारिश होने और बांध में पानी ठीक होने पर बारिश के साथ ही पानी भी छोड़ा जाता था, लेकिन इस बार ऐसा न कर पानी स्टोरेज पर ज्यादा ध्यान रहा। परिणाम यह हुआ कि 15 दिन की बारिश में गंगरेल बांध जहां 16 जुलाई को मात्र 4.82 प्रतिशत पानी था, वह 80 प्रतिशत बढ़कर 85 प्रतिशत से अधिक हो गया।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

जलसंसाधन विभाग से जारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 12 बड़े बांधों में 65 प्रतिशत और 35 मध्यम बांधों में 69 प्रतिशत जलभराव की स्थिति है। आने वाले समय में 20 अगस्त को बांधों में जल भराव की स्थिति का आंकलन किया जाएगा। वहीं सितंबर में बांधों में पानी की उपलब्धता के आधार पर आगामी वर्षों के लिए आंकलन किया जाता है। फिलहाल प्रदेश के चार बांध खारंग, खपरी, रूसे और पिपरिया नाला जलाशय में शत प्रतिशत स्टोरेज हो गया है। इसके अलावा प्रदेश के एक दर्जन से अधिक बांधों में 80 प्रतिशत से अधिक जलभराव इस सीजन में हो गया है। आने वाले दिनों में भी मानसून का सिस्टम सक्रिय होने के कारण बारिश की उम्मीद से बांध में जलभराव और बढ़ेगा।

दस साल बाद झूमकर बरसे बादल नदी- नाले हो गए लबालब

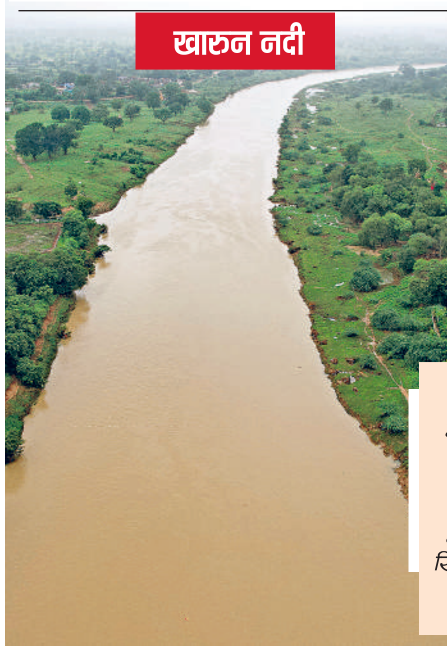

खारुन नदी

सावन की ऐसी झड़ी जो थमने का नाम नहीं ले रही

13 दिन में 249 मिमी. बारिश

राजधानी रायपुर समेत प्रदेश में सावन के महीने में बादल झूमकर बरस रहे हैं। पहले दिन से शुरू हुई बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है और राज्यभर के नदी-नाले लबालब हो गए हैं। सावन के बीते 13 दिन में राज्य में 249 मिमी. वर्षा हुई है। अनुमान है कि जोरदार बारिश कराने वाला सिस्टम अब मध्यप्रदेश से आगे बढ़ रहा है जिसकी वजह से कल के बाद वर्षा की स्थिति कम होने का अनुमान ▸▸| शेष पेज 2 पर

हरिभूमि लाइव

75 प्रतिशत से अधिक भरे बांध

इसके अलावा प्रदेश के अन्य बांधों में सिकासार में 91, सोंदूर में 72, खपरी दुर्ग में 100, खारंग में 100, राजनांदगांव के पिपरिया नाला में 100 प्रतिशत और रूसे बांध में 100 प्रतिशत जल भराव है। वहीं मनियारी में 89, बस्तर के कोसारटेडा में 89, कबीरधाम के सुतियापाट में 95, बिलासपुर के घोंघा में 94, सिकासार में 91, कर्रानाला में 83, सरोदा में 77, छीरपानी में 79, श्याम जलाशय में 83, परलकोट में 86, खरखरा में 79, मुरूमसिल्ली में 72 प्रतिशत जल भराव की स्थिति है।

रूद्री बैराज में छोड़ा जा रहा गंगरेल का पानी

गंगरेल बांध के 84 प्रतिशत कैपिसिटी तक पहुंचने पर ट्रायल किया जा रहा है कि जब 95 प्रतिशत कैपिसिटी पानी डैम में भरेंगे, तो डैम के गेट ठीक से काम कर रहे हैं कि नहीं, ये देखने के लिए डैम के गेट खोले गए। छोड़ा गया पानी महानदी में नहीं जा रहा है, बल्कि रूद्री बैराज में ही रोक लिया जा रहा है। करीब 45 मिनट पानी छोड़ने के बाद सभी गेट वापस बंद कर दिए गए।

70 हजार क्यूसेक पानी की आवक

धमतरी जिले के गंगरेल बांध में 70 हजार क्यूसेक पानी की आवक कैंचमेंट एरिया ये हो रही है। अभी यहां पर 85 प्रतिशत जल भराव है। यहां पर पिछले साल इसी अवधि में 75 प्रतिशत जल भराव था, जो 10 प्रतिशत अधिक है। वहीं तांदुला बांध में अब 77 प्रतिशत पानी है, जो पिछले साल के मुकाबले 10 प्रतिशत कम है। मुरूमसिल्ली में 73 प्रतिशत जल भराव है।

5560 क्यूसेक डिस्चार्ज

10.282 क्यूसेक पानी की आवक

गंगरेल बांध के तीन गेट खुले

धमतरी। शनिवार को गंगरेल बांध के तीन गेट को खोल दिया गया है। शाम 6 बजे की रिपोर्ट में 28.435 टीएमसी पानी का लेवल मापा गया है। कैचमेंट एरिया से पानी की आवक को देखते हुए 7, 8, 9 नंबर के गेट से 3510 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसके अलावा विद्युत पावर वाले पेन स्टाक गेट से 1650 क्यूसेक पानी बिजली उत्पादन के लिए दिया जा रहा है। अगस्त महीने में गंगरेल बांध के गेट अक्सर खोले जाते हैं। बारिश नहीं होने पर बांध के नहीं भरने के बावजूद किसानों को सिंचाई के लिए पानी दिया जाता है, लेकिन इस साल बांध के लबालब होने और भारी बारिश को देखते हुए बांध से महानदी में पानी छोड़ा जा रहा है। बांध में 86.28 फीसदी जलभराव है।

कैचमेंट एरिया पर नजर

सिंचाई विभाग की सहायक इंजीनियर दीक्षा देवांगन ने बताया कि कैचमेंट एरिया से पानी की आवक पर लगातार नजर रखी जा रही है। पानी की आवक बढ़ने पर पानी छोड़ने की मात्रा बढ़ा दी जाएगी।

गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को डीओपीटी ने दी मंजूरी

डीजीपी जुनेजा को 6 माह की सेवावृद्धि

छत्तीसगढ़ के इतिहास में सेवा विस्तार पाने वाले पहले डीजीपी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा को केंद्र सरकार ने छह माह की सेवावृद्धि देने की अनुमति दे दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को कैबिनेट की एपाइंटमेंट कमेटी ने मंजूरी दे दी है। श्री जुनेजा 4 अगस्त के बाद 6 माह तक इस पद पर बने रहेंगे। डीओपीटी ने इसके आदेश जारी कर दिए है। इस आदेश के साथ ही अशोक जुनेजा सेवा विस्तार पाने वाले छत्तीसगढ़ के पहले डीजीपी बन गए हैं।

1989 बैच के आईपीएस अशोक जुनेजा के डीजीपी पद पर ▸▸| शेष पेज 2 पर

खास खबर

जुनेजा बने रहेंगे डीजीपी सरकार ने केंद्र को भेजा प्रस्ताव

जुनेजा के डीजीपी बने रहने के आसार, अब तक यूपीएससी को नहीं भेजा गया पैनल

नक्सल मोर्चे पर सफलता बनी वजह

कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सल मोर्चे पर मिल रही सफलता ही श्री जुनेजा के सेवा विस्तार की वजह बनी है। श्री जुनेजा नक्सल आपरेशन के डीजी रह चुके हैं। बीते कुछ महीने से लगातार छत्तीसगढ़ सरकार नक्सलियों पर भारी पड़ रही है।

प्रदेश सरकार कैबिनेट में प्रस्ताव रखकर देगी मंजूरी

जनता चुनेगी मेयर और अध्यक्ष भाजपा कोर ग्रुप में बनी सहमति

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

प्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव में इस बार नगर निगमों में मेयर और नगर पालिकाओं के अध्यक्ष का चुनाव जनता सीधे कर सकेगी। इस बार प्रत्यक्ष कराने पर भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में सहमति बन गई है।

इसी के साथ मंत्रिमंडल समिति में भी नगरीय निकाय चुनाव पर चर्चा की गई। अब प्रदेश सरकार कैबिनेट में प्रत्यक्ष चुनाव का प्रस्ताव रखकर इसको मंजूरी देगी। इसी के साथ पिछली सरकार का वह फैसला बदल जाएगा जिसमें मेयर और अध्यक्ष का चुनाव अप्रत्यक्ष कराने का फैसला किया गया था। भाजपा कोर ग्रुप की बैठक के बाद मंत्रिमंडल समिति की बैठक में भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा सहित सभी मंत्री, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव और प्रदेश महामंत्री पवन साय की उपस्थिति में नगरीय निकाय चुनाव पर अहम चर्चा गई। भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन के शनिवार की सुबह को यहां आने के बाद कुशाभाऊ ठाकरे ▸▸| शेष पेज 2 पर

प्रदेश सरकार पर चर्चा

कोर ग्रुप के बाद मंत्रिमंडल समिति की बैठक भी हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय, दोनों डिप्टी सीएम के साथ प्रदेश के मंत्री रामविचार नेताम, ओपी चौधरी, श्याम बिहारी जायसवाल, टंकराम वर्मा, लखनलाल देवांगन, दयालदास बघेल, लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हुए। इस बैठक में भी मुख्य रूप से नगरीय निकाय चुनाव को लेकर चर्चा की गई। इसी के साथ प्रदेश सरकार के कामों पर भी चर्चा की गई। आने वाले समय में भाजपा के ▸▸| शेष पेज 2 पर

रायपुर-बिलासपुर और कवर्धा में छापेमारी, दस्तावेज जब्त

डीईओ के निवास और दफ्तर में एसीबी की दबिश, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बिलासपुर

आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत पर शनिवार की सुबह एसीबी की अलग अलग टीमों ने जिला शिक्षा अधिकारी टीआर साहू के नूतन चौक स्थित शासकीय मकान, कंपोजिट बिल्डिंग स्थित दफ्तर व कवर्धा के मकान में एक साथ दबिश दी। तीनों जगहों पर घंटों जांच के बाद भी टीम के हाथ नकद व कीमती गहने नहीं लगे। एसीबी की टीम लाखों रुपए निवेश के दस्तावेज जब्त कर लौट गई है। एसीबी ने केस दर्ज किया है।

एसीबी को जिला शिक्षा अधिकारी टीकाराम साहू के खिलाफ अनुपातहीन संपत्ति होने की शिकायत मिली थी। इसकी जांच एवं संपत्ति के गोपनीय सत्यापन के बाद श्री साहू के खिलाफ अपराध क्रमांक 30/ 24 धारा 13, 1 बी, 13, 2 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधित 2018 के तहत अपराध दर्ज किया गया था। 3 अगस्त को 15 सदस्यीय एसीबी की टीम पुलिस का सहयोग लिए बिना सुबह 6 बजे श्री साहू के नूतन चौक स्थित शासकीय मकान में ▸▸| शेष पेज 2 पर

आय से अधिक संपत्ति का केस

बिलासपुर डीईओ टीआरसाहू के खिलाफ एसीबी ने दर्ज केस दर्ज किया। साहू के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज किया गया है। सूत्रों के अनुसार एसीबी के छापे में डीईओ साहू के पास से अचल संपत्ति के दस्तावेज, नगद, गहने, एफडी और बीमा में निवेश के दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

जांच में यह खुलासा खुलासा

एसीबी ने विज्ञप्ती जारी कर बताया कि डीईओ टीआर साहू के बिलासपुर व कवर्धा स्थित मकान से अचल संपत्तियों के दस्तावेज के अतिरिक्त कैश, गहने, एफडी, एलआईसी में लाखों रुपए निवेश के दस्तावेज मिले हैं। सभी दस्तावेजों को जब्त कर जांच की जा रही है। टीम को नकद रकम व कीमती जेवर नहीं मिले हैं।

कवर्धा के मकान में भी छापा

एसीबी की एक टीम ने श्री साहू के कवर्धा श्याम जी नगर स्थित बंगला में भी दबिश दी। अधिकारियों के द्वारा उनके परिजन को अपना परिचय देने के बाद घण्टों दस्तावेजों की जांच की गई। वहां से भी अधिकारियों के द्वारा जरूरी दस्तावेज जब्त किया है।

11 माह पहले तबादले पर आए साहू

डीईओ श्री साहू इसके पहले कवर्धा जिले में पदस्थ थे। अक्टूबर 2023 में उनका तबादला बिलासपुर हुआ था। उसके बाद से वे यहीं पदस्थ हैं। एसीबी को अलग अलग पदस्थापना के दौरान उनके पास आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिली थी। जिसकी गोपनीय जांच के बाद अपराध कायम किया गया था।

सिस्टम की खाट खड़ी, मरीज को पैदल लेकर चले ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सुकमा

बारिश में बस्तर के सुकमा जिले से भी अलग-अलग तस्वीर निकलकर सामने आई है, जहां एक ग्रामीण 28 वर्षीय मड़कम पोदीया को उल्टी दस्त से तबियत बिगड़ने के बाद अस्पताल पहुंचाना था, लेकिन रास्ते में पड़ने वाला नाला भर जाने की वजह से एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाई। इसके बाद एंबुलेंस के पायलट शेख अकबर ने ग्रामीणों तक खबर भिजवाई, फिर ग्रामीणों ने कई किलोमीटर पैदल चल मरीज को चारपाई के मदद से नाला पार कराया, तब जाकर एम्बुलेंस के जरिए बीमार मरीज को दोरनापाल अस्पताल लाया जा सका।

- उफान पर नाला, पुल नहीं होने से गांव तक नहीं पहुंची एंबुलेंस

दहशत की वजह से नहीं हो पा रहा कार्य

पालामड़गु नक्सल प्रभावित इलाका होने की वजह से आज तक रास्ते में पड़ने वाले नाले में पुल का निर्माण नहीं हो पाया है। हालांकि विभागीय सूत्र बताते हैं कि कई दफा इस पुल का टेंडर भी निकल गया, लेकिन यहां डर की वजह से काम नहीं हो पाया। पुल के अलावा इस रास्ते में सड़क भी नहीं है, जिस वजह से इन इलाकों को पहुंच विहीन माना जाता है। बारिश के दिनों में यहां जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो जाता है, क्योंकि नदी नाले उफान पर होते हैं। इस वजह से रोजमर्रा की जरूरत के लिए जब ग्रामीणों को इस पर आना होता है, तो उन्हें जान भी जोखिम में डालना पड़ता है।

फलों से ज्यादा महंगी हैं सब्जियां, ज्यादातर सौ के पार या आसपास

भाव खा रहीं सब्जियां, फुटू 1200, खेखसी 240, पालक 200 मेथी 210 रुपए, सबसे शरीफ कद्दू-लौकी, बारह मास 20 से 30

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

बाजार में इन दिनों अजीब सा माहौल है। आम, अनार और सेब जैसे फलों को सब्जियां मात दे रही हैं। बाजार में ज्यादातर सब्जियों के दाम सौ के पार हो गए हैं। इस समय सबसे ज्यादा कीमत वाली सब्जी में फुटू पहले नंबर पर है। इसकी कीमत 12 सौ रुपए किलो है। एक दिन पहले इसकी कीमत 16 सौ रुपए और कुछ दिनों पहले तक 24 सौ रुपए ▸▸| शेष पेज 2 पर

अलग खबर

चिल्हर में कीमत का कोई माई-बाप नहीं

सब्जियों के दाम थोक से चिल्हर में बहुत ज्यादा हैं। कई सब्जियों में तो अंतर बहुत ज्यादा रहता है। वैसे 20 से 25 फीसदी तक चिल्हर में कीमत ज्यादा होना आम बात है। इसी के साथ अलग-अलग बाजार में भी कीमत अलग-अलग रहती है। यही नहीं, ▸▸| शेष पेज 2 पर

फसल खराब होने का असर

बारिश के कारण सब्जियों की फसल खराब होने के कारण सब्जियों की कीमत ज्यादा है, इसलिए दाम बढ़ गए हैं।
-टी. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष थोक सब्जी विक्रेता संघ

फुटू पहले 26 सौ किलो में बिका

बारिश के मौसम में आने वाला फुटू प्रारंभ में जब बीते माह आया, तो इसकी कीमत थोक में ही 24 सौ रुपए किलो थी। चिल्हर में 26 सौ रुपए किलो बिका। इसके बाद जैसे- ▸▸| शेष पेज 2 पर

ये सौ के पार

फुटू 1200 रुपए
खेखसी 240 रुपए
प्याज भाजी 250 रुपए
पालक 200 रुपए
मेथी 200 रुपए
ढेस 160 रुपए
ग्वारफली 120 रुपए
मुनगा 120 रुपए
फूलगोभी 100 रुपए
शिमला मिर्च 120 रुपए
हरी मिर्च 100 रुपए
अदरक 160 रुपए

केरल के वायनाड में भयानक भूस्खलन प्रकृति से खिलवाड़ के नतीजे हैं। उत्तराखंड, कश्मीर, हिमाचल, मेघालय आदि राज्यों में पूर्व के वर्षों में आए विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं से हमने कोई सबक नहीं लिया। राज्य सरकारों की लापरवाह नीतियों, सत्ता, प्रशासन व अवैध खनन माफिया की मिलीभगत ने पहाड़ों, जंगलों को सुरक्षित नहीं रहने दिया है। अवैध खनन, अवैध निर्माण के चलते पहाड़ों की बनावट में भारी बदलाव हुआ है, प्रकृति का संतुलन बिगड़ा है, पहाड़ों पर आबादी का बोझ बढ़ा है, जिसका परिणाम है कि भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं, बार-बार विनाशकारी जल प्रलय आ रहा है, प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखा रही है, इसके बावजूद न सरकार चेत रही है, न ही स्थानीय प्रशासन। आज भारत बेशक पर्यावरण संरक्षण के लिए वैश्विक मंचों में प्रमुख भूमिका निभा रहा है और जलवायु संकट से बचाव के लिए तापमान में कटौती के वैश्विक अभियान में शामिल है, लेकिन देश के अंदर ही पहाड़, पठार, नदी, जंगल, झील, भूमि आदि सुरक्षित नहीं हैं। पर्यावरण की रक्षा न सरकार की प्राथमिकता में है, न ही नागरिकों में इसको लेकर व्यापक जागरूकता है। राष्ट्र के रूप में हम अपने नागरिकों को प्रकृति की सुरक्षा की तहजीब सिखा ही नहीं पाए हैं। भूस्खलन से सबक लेते हुए पर्यावरण व प्रकृति संरक्षण के विमर्श को बढ़ाता आजकल का यह अंक...

पर्यावरण की अनदेखी पड़ रही भारी

भूस्खलन
अरविंद कुमार मिश्रा
पर्यावरण विशेषज्ञ

भूस्खलन पहाड़ी क्षेत्रों में सामान्य भूवैज्ञानिक खतरों में से एक है। यह अधिकतर मानसून के दौरान होता है। इसके पीछे प्राकृतिक एवं मानवजनित दोनों ही कारक हैं। केरल के वायनाड में आए भूस्खलन के पीछे दोनों कारण जिम्मेदार हैं। अवैध खनन और अवैध निर्माण वहां लंबे समय से है, इसके लिए सरकार, नेता व अफसर सबकी मिलीभगत जिम्मेदार है। खनन के चलते खोखले हो चुके क्षेत्र में जब अत्यधिक बारिश हुई तो पहाड़ इसे शह नहीं सका और भूस्खलन की आपदा आई। पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशील पारिस्थितिकी को समझे बिना जिस तरह पर्यटन व औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, उससे आपदाएं बढ़ रही हैं। पर्यावरण की अनदेखी भारी पड़ रही है।

प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता के लिए विख्यात केरल के वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन ने एक बार फिर धरती के प्रकोप को उजागर किया है। इस भयंकर भूस्खलन से 300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। कई अब भी लापता हैं। पिछले कुछ वर्षों में भूस्खलन की यह एक और बड़ी घटना है। इस आपदा की चपेट में वायनाड जिले के चूरलमाला, मुंडक्कई, अट्टामाला, नूलपुझा तथा मलप्पुरम जिले का नीलांबुर गांव लगभग तबाह हो चुके हैं। आपदा का दंश झेलने वाले इस क्षेत्र को पहले भी माधव गाडगिल रिपोर्ट में पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड) बताया जा चुका है। यहां तक कि 2019 में चूरलमाला, मुंडक्कई क्षेत्र से लगभग 10 किलोमीटर दूर 17 लोगों की मौत हो गई थी। इस क्षेत्र में 2018 और 2019 में लगभग 51 बार भूस्खलन हुए हैं। केरल वन अनुसंधान संस्थान (केएफ़आरआई) की एक रिपोर्ट में इस इलाके में आने वाले भूस्खलनों के पीछे चट्टानों में खनन को मुख्य वजह करार दिया गया है।

16 जून 2016 को केदारनाथ में आए भीषण भूस्खलन की यादें अभी धुमिल हुई नहीं कि यहां इन दिनों फिर भूस्खलन का मंजर देखने को मिल रहा है। बादल फटने और भूस्खलन से केदारनाथ यात्रा में गए हजारों यात्रों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया जा रहा है। हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग और नैनीताल में पिछले कुछ दिनों 16 लोगों की मौत हो चुकी है। सवाल यह है कि क्या हम पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार बढ़ते भूस्खलन, बादल फटने और बिजली गिरने जैसी प्राकृतिक आपदाओं से सबक लेने को तैयार हैं।

भूस्खलन के अहम कारक

भूस्खलन पहाड़ी क्षेत्रों में सामान्य भूवैज्ञानिक खतरों में से एक है। यह अधिकतर मानसून के दौरान होता है। इसके पीछे प्राकृतिक एवं मानवजनित दोनों ही कारक हैं। प्राकृतिक कारकों में अनुमान से कई गुना अधिक बारिश, वनों की कटाई, फसल चक्र में नकारात्मक बदलाव, मृदा अपरदन प्रमुख हैं। वायनाड के जिस क्षेत्र में भूस्खलन हुआ है, वहां हाल के दिनों में 60-70 फ़ीसदी ज़्यादा बारिश हुई है। असमान्य बारिश सेपानी और मिट्टी के मलबे के रूप में आई इस भयानक त्रासदी के पीछे मानव जनित कारकों में अनियोजित विकास प्रमुख है। भूस्खलन की चपेट में आए चूरलमाला और मुंडक्कई गांव से लगभग पांच किमी दूर व्यापक रूप से खनन गतिविधियां संचालित हैं। इस क्षेत्र में लोगों की आजीविका का मुख्य स्त्रोत चाय बागान हैं। कुछ सालों से चाय बागान क्षेत्र में भूमि उपयोग बदलकर पर्यटन गतिविधियों के नाम पर विशाल सड़क परियोजनाएं तथा कई मंजिला इमारतें खड़ी कर दी गई। केरल सरकार ने इस क्षेत्र में 20 हजार करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाली एक टनल परियोजना को भी मंजूरी दी है।

पर्यावरणविद् अब इस परियोजना पर नये सिरे से विचार करने की मांग कर रहे हैं। कुछ ऐसे ही नैसर्गिक एवं मानव निर्मित कारकों की वजह से 2013 केदारनाथ आपदा आई थी। इसमें 6 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इस प्राकृतिक आपदा में भारी बारिश से चोराबाड़ी ग्लेशियर पिघल गया, जिससे मंदाकनी नदी का भयावह रूप देखने को मिला। 30 जुलाई 2014 में भारी बारिश से हुए भूस्खलन से पुणे के मालिन गांव में 151 लोगों की मौत हो गई थी। अगस्त 2017 में हिमाचल प्रदेश के कोटरोपी (मंडी) गांव में आए भूस्खलन में 46 लोगों की जान गंवानी पड़ी।

पर्वतीय क्षेत्र में खतरा अधिक

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार भारत में अपनी विवर्तनिक स्थिति के कारण भूस्खलन का अत्यधिक खतरा है। प्रतिवर्ष 5 सेमी की दर से भारतीय भूभागके उत्तर की ओर खिसकने से तनाव उत्पन्न होता है, जिसके लिए भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को जिम्मेदार ठहराया जाता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भूस्खलन पर एक एटलस जारी किया है। इसके मुताबिक देश का 12.6 प्रतिशत भू-भाग भूस्खलन के नजरिए से जोखिमग्रस्त है। इसमें 66.5 फीसदी हिस्सा उत्तर-पश्चिमी हिमालयीन तथा 18.8 प्रतिशत भाग उत्तर-पूर्वी जबकि 14.7 प्रतिशत हिस्सा पश्चिमी घाट से जुड़े भूभाग में आता है। भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर : एनआरएससी) के मुताबिक 1998 से 2022 के बीच देश में 80 हजार भूस्खलन हुए हैं। देश में उत्तराखंड का रुद्रप्रयाग भूस्खलन के नजरिए से सर्वाधिक संवेदनशील जिला है। राज्यों में सबसे अधिक संवेदनशील जिलों की संख्या के लिहाज से आंध्रप्रदेश में 16, केरल और जम्मू एवं कश्मीर में 14-14 तथा उत्तराखंड में 13 जिले भूस्खलन के जोखिम में शामिल हैं।सामान्य से कई गुना अधिक बारिश तो कहीं सूखे के हालात बनने की सबसे बड़ी वजह धरती का बढ़ता तापमान है। आईपीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ दशकों में धरती का तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इंटरनेशल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार हिमालय के ग्लेशियर पिछले दस सालों की तुलना में 65 प्रतिशत तेजी से पिघल रहे हैं।

पूर्व चेतावनी प्रणाली को करें मजबूत

ग्लोबल कमीशन ऑन एडॉप्टेशन (जीसीए) के मुताबिक प्राकृतिक आपदाओं से जुड़े खतरे की चेतावनी 24 घंटे पहले मिल जाए तो आपदाओं के असर को 30 प्रतिशत कम किया जा सकता है। देश में पूर्व चेतावनी प्रणाली पर पिछले कुछ सालों में तेजी से काम हुआ है। प्राकृतिक आपदाओं के स्वरुप के आधार पर इनकी क्रियान्वयन एजेंसियां अलग हैं। आपदा प्रबंधन से जुड़ी सूचनाएं मुहैया कराने में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओसियन इन्फॉर्मेशन सर्विस-आईएनसीओआईएस) ,राष्ट्रीय जल आयोग, रक्षा भू-सूचना एवं अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई) अहम हैं। डीजीआरई चक्रवात का पूर्वानुमान देता है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी-एनसीएस) भूकंप की निगरानी करता है। आईएनसीओआईएस सूनामी और केंद्रीय जल आयोग बाढ़ से जुड़ी पूर्व चेतावनी जारी करता है। आयोग द्वारा लगभग 331 सूचना केंद्रों की स्थापना की जा चुकी है। आईएमडी द्वारा केंद्रीय जल आयोग को मौसम की भविष्यवाणियों से जुड़े डेटा मुहैया कराए जाते हैं। काउंसिल ऑफ एनर्जी,एनवायरमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के 72 फीसदी जिले भीषण बाढ़ संभावित क्षेत्र हैं। इनमें 25 फीसदी जिलों में ही बाढ़ से जुड़ी पूर्व चेतावनी प्रणाली (अर्ली वॉर्निंग सिस्टम) है। भीषण बाढ़ की चपेट में आने वाले देश में 33 फीसदी लोगों के पास अर्ली वॉर्निंग सिस्टम की पहुंच है। देश के उन सभी 11 राज्यों में चक्रवात से जुड़ी ईडब्लूएस सक्रिय हैं, जो चक्रवात संभावित माने जाते हैं। कुछ महीने पहले आए बिपर्जय चक्रवात के दौरान जानमाल का अपेक्षित नुकसान नहीं हुआ। इसके पीछे पूर्व चेतावनी प्रणाली कारगर रही। देश में भूस्खलन पर विशिष्ट पूर्व चेतावनी प्रणाली अभी विकास के चरण पर है। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी ने भूस्खलन के अलर्ट देने वाले सेंशर आधारित उपकरण विकसित करने में जुटी है। यह उपकरण मौसम में होने वाले बदलाव, मिट्टी की नमी व गति और बारिश का घनत्व पता लगाकर विश्लेषण आधारित अलर्ट प्रदान करता है। हालांकि यह उपकरण प्रयोग के स्तर पर है। केरल सरकार ने 2020 में तीन पायलट प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है लेकिन यह भी परीक्षण स्तर से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। दिसंबर 2017 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कम लागत पर भूस्खलन से समाधान पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था, लेकिन इसके नतीजे बहुत उत्साहवर्धक नहीं रहे।भूस्खलन से जुड़ी पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने के लिए निवेश और शोध बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।

पूर्व चेतावनी प्रभावितों तक पहुंचे

प्राकृतिक आपदाओं की वैज्ञानिक भविष्यवाणियों को समाज में अंतिम छोर तक आधुनिक व परंपरागत संचार माध्यमों से विस्तारित किया जाता है। मोबाइल,टीवी,रेडियो और समाचार पत्र के अलावा माइक और डुगडुगी असरदार माध्यम हैं। समाज के निचले तबके तक डिजिटल संसाधनों की पहुंच होना ही काफी नहीं है। भारत जैसे विकासशील देश में समुदायों के निम्न शैक्षणिक स्तर को देखते हुए पूर्व चेतावनी प्रणाली की पहुंच तय की जानी चाहिए। साथ ही उनका शैक्षणिक स्तर इन सूचनाओं की पहुंच को सार्थक बनाता है। भारत की पहल पर 2019 में आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) की स्थापना की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं का निर्माण व ज्ञान आधारित वैश्विक साझेदारी है। यह विश्व भर में पर्यावरण अनुकुल आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए तकनीक और वित्तीय साझेदारी पर जोर देता है। सीडीआरआई आपदा प्रबंधन पर संयुक्त राष्ट्र के सेंडाई फ्रेमवर्क-2015 के लक्ष्यों को हासिल करने में सहायक है। इस गठबंधन में 31 सदस्य देशों के साथ ही संयुक्त राष्ट्र संघ की एजेंसियां, बहुपक्षीय बैंक व संस्थान शामिल हैं। भूस्खलन की घटनाओं के पीछे तात्कालिक रूप भले ही भारी बारिश उत्प्रेरक बनती हो, लेकिन पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशील पारिस्थितिकी को समझे बिना जिस तरह पर्यटन व औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, उससे आपदाएं बढ़ रही हैं। कथित विकास के नाम पर पर्यावरण की अनदेखी प्राकृतिक आपदाओं का वाहक बनती है। भारतीय जीवन पद्धति में नदी, वन तथा पर्वतमालाएं सिर्फ भौगोलिक संरचना नहीं जीवंत इकाई हैं। नीति निर्माताओं व विकास के प्रवर्तकों को यह भी समझना होगा कि वन और जैव विविधता हजारों साल में तैयार होती है। सड़क, बिजली, विनिर्माण की विशालकाय परियोजनाओं को स्थापित करते समय वनों की अंधाधुंध कटाई पर रोक लगानी होगी। तरक्की, सामरिक सुरक्षा के लिए आधारभूत संरचनाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है लेकिन यह प्रकृति के अनुकूल होंगी तभी टिकाऊ बनेंगी।

भयानक तबाही से भी नहीं ले रहे सबक

वायनाड आपदा
प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

नयनाभिराम प्राकृतिक संपदा और बहुआयामी जल-संसाधनों के कारण केरल को उत्तराखंड की तरह भगवान का घर माना जाता है। किंतु मूसलाधार बारिश और भूस्खलन हिमालय से लेकर केरल तक तबाही के कारण बन रहे हैं। देश के सुदूर दक्षिण राज्य केरल में प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया और भूस्खलन एवं चेरियाल नदी के जलभराव से क्षेत्र में बसे चाय बागान मजदूरों के चार गांवों ने मिट्टी के मलबे में जल समाधि ले ली। चेरियाल नदी पहाड़ों से निकलती हुई समतल भूमि पर चार दिनों से चल रही बारिश के कारण अत्यंत तेज गति से बही। इसी समय पहाड़ जल के प्रवाह से बह पड़े और पत्थरों व मलबे से चूरलमाला, अट्टामाला, नूलपुझा और मुंडक्कई इस मलबे में पूरी तरह दब गए। जल की रफ्तार में हजारों पेड़, सैंकड़ों वाहन भी जड़ों से उखड़ कर ग्रामों की ओर बहते चले आए। करीब 2200 की आबादी के 400 से ज्यादा घर कुछ पलों में मिट्टी के ढेर में बदल गए। यह पूरा इलाका पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। अतएव ग्रामीणों को पहले से ही अनहोनी की आशंका थी, जो इस बारिश में घट गई।

केरल में केदारनाथ की तरह जो जल तांडव आया, उसने तय कर दिया है कि यह आपदा भगवान की देन न होकर मानव निर्मित है। पर्यावरणविदों ने भी इस बाढ़ को मानव निर्मित आपदा करार दिया है। इसका कारण बड़ी मात्रा में जंगलों की कटाई और पर्यटन में वृद्धि है। चेरियाल बाढ़ क्षेत्र की जीवनदायिनी नदी मानी जाती रही है, लेकिन वही आधुनिक विकास के चलते मौत का सबब बन गई। कृषि प्रधान इस इलाके चाय के अलावा नारियल, केला, मसाले और शुष्क मेवा की फसलें भी खूब होती हैं। इसके अलावा पर्यटन भी राज्य की आमदनी व रोजगार का मुख्य स्त्रोत है। आय के ये सभी संसाधन प्राकृतिक हैं। गोया, प्रकृति का इस तरह से रूठ जाना आर्थिक रूप से खस्ताहाल केरल पर लंबे समय से भारी पड़ रहा है। क्योंकि इसके पहले बरसात में ही केरल के 80 बांधों में से 36 बांधों के दरवाजे एकाएक खोल दिए गए थे। इन बांधों से निकले पानी ने बड़ी तबाही मचाई थी। यह तबाही पूरी तरह मानवीय भूल थी, लेकिन सिंचाई विभाग के किसी नौकरषाह की जबावदेही तय करके दंड दिया गया हो, ऐसा देखने में नहीं आया।

अब आधुनिक विकास, बढ़ते शहरीकरण के साथ तकनीक भी बाढ़ के पानी को मौत के कारणों में बदल रही है। दिल्ली की एक बहुमंजिला इमारत के तलघर में चल रही कोचिंग संस्थान में पानी भर जाने से तीन होनहार बच्चों की मौतें हुई हैं। ये मौतें पानी के कारण नहीं तकनीक के कारण हुईं हैं, जिसे जांच में नजरअंदाज किया जा रहा है। दरअसल तलघर के दरवाजे बायोमेट्रिक दरवाजे लगे थे। इस प्रकार के द्वार में चाबी वाला ताला नहीं होता है। यह द्वार उपयोगकर्ता के अंगूठे की पहचान से खुलता है। अंगूठे के निशान पहले से ही स्कैन कर स्टोर कर लिए जाते हैं। किंतु जब तलघर में पानी भरा तब बिजली बंद कर दी गई। अतएव अंगूठे का स्पर्श कराने के बावजूद दरवाजे नहीं खुले और आईएएस बनने की तैयारी में लगे तीन युवकों की मौत हो गई। लिहाजा आने वाले समय में तकनीक

इस तरह के हादसे का कारण न बने।

आपदा से सबक नहीं लिया

सेना, नौसेना, वायुसेना के लोग केरल के आपदाग्रस्त इलाके में लोगों को बचाने में लगे हैं।

देश में ऐसी आपदाओं का सिलसिला पिछले एक दशक से निरंतर जारी है। बावजूद हम कोई सबक लेने को तैयार नहीं हैं। यही कारण है कि विपदाओं से निपटने के लिए हमारी आंखें तब खुलती है, जब आपदा की गिरफ्त में आ चुके होते हैं। इसीलिए केरल में तबाही का जो मंजर देखने में आ रहा है, उसकी कल्पना हमारे शासन-प्रशासन को कतई नहीं थी। यही वजह है कि केदारनाथ, अमरनाथ, हिमाचल और कश्मीर के जल प्रलय से हमने कोई सीख नहीं ली। गोया वहां रोज बादल फट रहे हैं और पहाड़ के पहाड़ ढह रहे हैं। हिमाचल, असम और उत्तर प्रदेश में भी बारिश आफत बनी हुई है। बावजूद न तो हम शहरीकरण, औद्योगीकरण, तकनीकीकरण और तथाकथित आधुनिक विकास से जुड़ी नीतियां बदलने को तैयार हैं और न ही ऐसे उपाय करने को प्रतिबद्ध हैं, जिससे ग्रामीण आबादी शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर न हो? शहरों में यह बढ़ती आबादी मुसीबत का पर्याय बन गई है। नतीजतन प्राकृतिक आपदाएं भयावह होती जा रही है। सूरत, चेन्नई, बेंगलुरू, गुड़गांव ऐसे उदाहरण हैं, जो स्मार्ट सिटी होने के बावजूद बाढ़ की चपेट में रहे हैं। यहां कई दिनों तक जनजीवन ठप रह गया था।

बारिश का 90 प्रतिशत पानी तबाही मचाकर अपना खेल खेलता हुआ समुद्र में समा जाता है। यह संपत्ति की बरबादी तो करता ही है, खेतों की उपजाऊ मिट्टी भी बहाकर समुद्र में ले जाता है। देश हर तरह की तकनीक में पारंगत होने का दावा करता है, लेकिन जब हम बाढ़ की त्रासदी झेलते हैं तो ज्यादातर लोग अपने बूते ही पानी में जान व सामान बचाते नजर आते हैं। आफत की बारिश के चलते डूब में आने वाले महानगर कुदरती प्रकोप के कठोर संकेत हैं, लेकिन हमारे नीति-नियंता हकीकत से आंखें चुराए हुए हैं। बाढ़ की यही स्थिति असम व बिहार जैसे राज्य भी हर साल झेलते हैं, यहां बाढ़ दशकों से आफत का पानी लाकर हजारों ग्रामों को डूबो देती है। इस लिहाज से शहरों और ग्रामों को कथित रूप से स्मार्ट व आदर्श बनाने से पहले इनमें ढांचागत सुधार के साथ ऐसे उपायों को मूर्त रूप देने की जरूरत है, जिससे ग्रामों से पलायन रुके और शहरों पर आबादी का दबाव न बढ़े?

आफत की यह बारिश इस बात की चेतावनी है कि हमारे नीति-नियंता, देश और समाज के जागरूक प्रतिनिधि के रूप में दूरदृष्टि से काम नहीं ले रहे हैं। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मसलों के परिप्रेक्ष्य में चिंतित नहीं हैं। कृषि एवं आपदा प्रबंधन से जुड़ी संसदीय समिति ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि जलवायु परिवर्तन से कई फसलों की पैदावार में कमी आ सकती है, लेकिन सोयाबीन, चना, मूंगफली, नारियल और आलू की पैदावार में बढ़त हो सकती है। हालांकि कृषि मंत्रालय का मानना है कि जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए खेती की पद्धतियों को बदल दिया जाए तो अनेक फसलों की पैदावार में 10 से 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी संभव है। बढ़ते तापमान के चलते भारत ही नहीं दुनिया में वर्षाचक्र में बदलाव के संकेत 2008 में ही मिल गए थे, बावजूद इस चेतावनी को भारत सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया। ध्यान रहे, 2031 तक भारत की शहरी आबादी 20 करोड़ से बढ़कर 60 करोड़ हो जाएगी। जो देश की कुल आबादी की 40 प्रतिशत होगी। ऐसे में शहरों की क्या नारकीय स्थिति बनेगी, इसकी कल्पना भी असंभव है? बहरहाल देश को हर साल बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का संकट नहीं झेलना पड़े, अतएव अब क्रांतिकारी पहल करना जरूरी हो गया है। वरना देष हर वर्श किसी न किसी राज्य या महानगर में बाढ़ जैसी भीषण त्रासदी झेलते रहने को विवश होता रहेगा?

पहाड़ से पंगा विनाश को न्योता

पर्यावरण
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

केरल की त्रासदी को देश दशकों तक याद रखेगा। वायनाड में हुए भारी भूस्खलन ने न केवल मिट्टी और पत्थरों को हिलाया, बल्कि सैकड़ों परिवारों के सपनों और उम्मीदों को भी मिटा दिया। भूस्खलन से उपजी बड़ी मानवीय त्रासदी इस बात का प्रमाण है कि प्राकृतिक रौद्र को बढ़ाने में मानवीय हस्तक्षेप की भी बड़ी नकारात्मक भूमिका रही है। खैर, इस बीच विकास और विनाश की मौजूदा नीतियों पर एक बार फिर बहस तूल पकड़ लिया है। कहे जा रहे हैं कि भूस्खलन, भूकंप और सुनामी सभी प्रकृति से खिलवाड़ का ही नतीजा है। विकास की दौड़ में सीमाएं लांघने का ही ये परिणाम है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि विकास ने आज पर्यावरण के स्वरूप को एकदम से बदल दिया है। फिर भी इस मुद्दे की गहराई को समझा नहीं जा रहा। क्योंकि हम अपने स्वार्थों और लालच की सीमाएं लांघ चुके हैं। और आज हम विकास के आगे प्रकृति का तेजी से दोहन कर रहे हैं।

आपदाओं के कारण मानवीय, आर्थिक और पर्यावरणीय क्षति होती है और इससे उबरना आसान नहीं होता है। इसलिए सरकार के साथ हम सभी को पहले से ही पूर्ण तैयार, मुस्तैद रहना चाहिए। आपदा को रोकना आसान कभी नहीं होता है, लेकिन इनका प्रबंधन जरूर किया जा सकता है, क्योंकि आपदा से जानमाल के साथ अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ता है। दुनिया में प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान पर संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, कुदरती हादसों की वजह से भारत को हर साल लगभग 9.8 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ता है।

बदल रहा मौसम चक्र

बीते दो दशक में मौसम चक्र में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है जिससे ग्लेशियर पिघलने लगे हैं और नदियों के जल स्तर में कमी दर्ज की जा रही है। इतना ही नहीं प्रकृति से खिलवाड़ के कारण पहाड़ ढहने, बिखरने लगे हैं। बिगड़ते पर्यावरण से जड़ी-बूटियों के लुप्त होने का खतरा बढ़ा है। फसलों और फलों के उत्पादन पर भी इसका प्रभाव पड़ने लगा है। फिर विकास के नाम पर अंधाधुंध निर्माण किए जा रहे हैं। वनों को लगातार नष्ट किया जा रहा है। ऐसे में यदि किसी एक कारण को रेखांकित करने का प्रयास किया जाए, तो वह कारण है- जलवायु परिवर्तन।

गौर करने वाली बात ये है कि पेरिस जलवायु समझौते में जिन बातों पर सहमति बनी थी उन्हें लागू करने से विश्व अभी भी बहुत दूर है। बेशक छोटे देशों पर इसके लिए दबाव भी बढ़ाया जा रहा है और कई विकासशील देश इस दिशा में ठोस कार्य नीति के साथ आगे भी आ रहे हैं, लेकिन बड़े और विकसित देश लगातार अंगूठा दिखा रहे हैं। सवाल ये भी अहम है कि इस दिशा में भारत ने कितना काम किया है। ऐसे में, क्या ये सही समय है कि पेरिस समझौते को लागू करने के लिए वैश्विक दबाव बढ़ाने के साथ ही हम प्रकृति के प्रति अपने व्यवहार की समीक्षा करें।

भारत में बरसात आते ही नदियों में बाढ़ आना आम बात है। इसी के साथ भूकंप, तेज बारिश, ओलावृष्टि, तूफान, चक्रवात, भूस्खलन, हिमस्खलन, बिजली गिरना, वनों में आग लगने

जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाएं हर साल भारत में दस्तक देती रहती हैं। ये आपदाएं हर साल भारी तबाही मचाती हैं। इन आपदों में हजारों की तदाद में लोगों की मौते हो जाती है। ये आपदाएं देश की जीडीपी पर भी बड़ा असर डालती हैं। इसलिए जरूरी है कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में केवल चिंतन तक ही सीमित न रह कर धरातल स्तर पर प्रयास करने होंगे।

आपदाओं भारत तीसरे नंबर पर

गौर करने वाली बात ये भी है कि आपदाओं की संख्या में दुनिया भर में अमेरिका और चीन के बाद भारत तीसरे नंबर पर है। 21वीं सदी की शुरुआत से ही भारत में ऐसी अनेक आपदाएं आई हैं, जिन्होंने पूरे देश के मानस को झकझोर कर रख दिया है। उत्तराखंड के जोशीमठ में कुछ ही माह पहले आई आपदा इसका हालिया उदाहरण है। इसके अलावा उत्तराखंड में ही 2013 में आई भीषण बाढ़, 2004 में हिंद महासागर में आई सुनामी, 2001 में गुजरात के कच्छ में आया भूकंप और 2014 की कश्मीर की बाढ़ इत्यादि आपदाओं के ऐसे उदाहरण हैं, जिनमें केवल हज़ारों लोगों की जानें ही नहीं गईं बल्कि अभी तक इन जगहों का आपदा से पहले का स्वरूप बहाल नहीं हो सका है। अहम सवाल ये है कि हम इन तमाम आपदाओं से अब तक सबक नहीं लिए। जबकि ऐसी आपदाएं हमें सबक देती हैं कि भले ही हम कुदरत का कोहराम न रोक सके लेकिन जन-धन की हानि को कम करने के प्रयास जरूर किए जा सकते हैं।

पर्यावरण हाशिए पर

दुनिया तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रही है। ये कहने की जरूरत नहीं कि शहरीकरण हमारी प्रकृति के साथ कहीं ज्यादा खिलवाड़ कर रहा है। अगर अभी से हम नहीं चेते, तो ये शहरीकरण हमें बर्बाद कर देगा। क्योंकि शहरों के विकसित होने के साथ-साथ दुनियाभर में हरियाली का दायरा सिकुड़ रहा है और कंक्रीट के जंगल बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी अब संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जबकि पर्यावरण का संबंध मानवीय जीवन में महत्वपूर्ण है। यूं कहे दोनों एक-दूसरे के पूरक है। लेकिन विकास के आगे पर्यावरण को हम सभी ने हाशिये पर छोड़ दिए हैं। मानवीय सोच और विचारधारा में इतना ज्यादा बदलाव आ गया है कि भविष्य की जैसे मानव को कोई चिंता ही नहीं है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि अमानवीय कृत्यों के कारण आज मनुष्य प्रकृति को रिक्त करता चला जा रहा है पर्यावरण के प्रति चिंतित नहीं है। अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति का संरक्षण जरूरी

साथ ही, पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें स्वयं सोचना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि अगर सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? हर बात के लिए सरकार से अपेक्षा करना ठीक नहीं। सरकारों का काम है किसी भी चीज के लिए कानून या नियम बनाना और जन-जागरूकता पैदा करना लेकिन ईमानदारी से उनका पालन करने की जिम्मेदारी तो हमारी ही है। प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है। लेकिन ये विडंबना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि प्रकृति का संतुलन ही डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अब अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने आने लगी है।

रायपुर
रविवार, 4 अगस्त 2024
श्रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या
वर्ष : 23, अंक : 18
पृष्ठ : 14+8 = 22, मूल्य : 5.00**
मौसम
अधि. 26.0
न्यून. 23.1
haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

तीन सत्रों में 22 विधायक पूरे दिन रहे मौजूद, बीजेपी से रेणुका, कांग्रेस से देवेंद्र की मौजूदगी सबसे कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के षष्टम सत्र में अब तक तीन सत्र हो चुके हैं। सत्र के दौरान कुल 27 बैठकें हुई, इन बैठकों मे 90 में से 22 विधायक पूरे दिन उपस्थित रहे इनमें अधिकांश नए विधायक हैं, जो पहली बार विधायक चुन कर आए हैं। तीन सत्र के दौरान सबसे कम उपस्थिति भाजपा विधायक रेणुका सिंह की रही, वे 9 दिन उपस्थित रही। वहीं कांग्रेस विधायकों में देवेंद्र यादव सबसे कम 14 दिन सदन की कार्यवाही के दौरान मौजूद रहे।

22 सदस्यों की उपस्थिति शत-प्रतिशत

छत्तीसगढ़ विधानसभा के तीन सत्र के दौरान 22 विधायक ऐसे रहे जो 27 बैठकों में शत प्रतिशत मौजूद रहे। इनमें से 17 विधायक विधानसभा में पहली बार विधायक चुन कर आए हैं। पुन्नूलाल मोहिले, शंकुतला सिंह पोर्ते, उद्धेश्वरी पैकरा, प्रबोध मिंज, राजेश अग्रवाल, गोमती साय, प्रेमचंद पटेल, प्रणव कुमार मरपच्ची, सुशांत शुक्ला, अनुज शर्मा, इंद्रकुमार साहू, रोहित साहू, अंबिका मरकाम, ललित चंद्राकर, रिकेश सेन, लखेश्वर बघेल, नीलकंठ टेकाम, भोलाराम साहू, डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, ईश्वर साहू, दिनेश साहू और भावना बोहरा शामिल हैं।

कांग्रेस के देवेंद्र यादव 14 दिन रहे उपस्थित, नए विधायकों ने सदन में दिखाई रुचि

■ रेणुका सिंह केवल 9 दिन आईं, पहली बार विधायक बने 15 की मौजूदगी शत प्रतिशत

भूपेश-अमर 17 दिन रहे मौजूद

सदन की कार्यवाही में कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति देखें तो यह पता चलता है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अमर अग्रवाल 17 दिन उपस्थित रहे। इसी ▶▶|शेष पेज 2 पर

एक दिन अनुपस्थित रहे ये विधायक

विधानसभा के तीन सत्रों में शपथ ग्रहण के लिए आहूत 3 दिन के सत्र में सभी विधायक मौजूद रहे। उपस्थिति पुस्तिका में सभी ने हस्ताक्षर किए। उसके बाद आहूत बजट और मानसून सत्र में इन 15 विधायकों की एक दिन अनुपस्थित रहे इनमें शामिल विधायकों में धर्मजीत सिंह, भूलन सिंह मरावी, राघवेंद्र कुमार सिंह, चातूरी नंद, सम्पत अग्रवाल, द्वारिकाधीश यादव, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, जनक ध्रुव, संगिता सिन्हा, अनिला भेडिया, गजेंद्र यादव, यशोदा वर्मा, आशाराम नेताम और चैतराम अटामी शामिल है।

विधानसभा सत्र के दौरान विधायकों को प्रतिदिन की बैठकों में शामिल होने से पर उपस्थिति पुस्तिका में हस्ताक्षर करने होते हैं। उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर के आधार पर उनकी सदन में उन दिन की मौजूदगी तय होती है। यहां पर विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्यमंत्री, मंत्री और नेता प्रतिपक्ष के द्वारा हस्ताक्षर नहीं किए जाते। शेष विधायकों को बैठक में शामिल होने के अनुसार ही उनकी उपस्थिति दर्ज होती है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में इस बार 90 में से 50 विधायक ऐसे हैं जो कि पहली बार चुनकर सदन में पहुंचे हैं। वहीं 15 विधायक दूसरी बार और 10 विधायक तीसरी बाद सदन पहुंचे हैं। बाकी अन्य विधायक तीन से अधिक बार चुनाव जीतकर पहुंचे हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सीएम साय हेलीकॉप्टर से कावड़ियों पर करेंगे पुष्प वर्षा

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सोमवार को हेलीकॉप्टर से भोरमदेव में हजारों की संख्या में पैदल यात्रा कर भगवान शिव का अभिषेक करने पहुंचे शिव भक्तों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा करेंगे। इसके बाद श्री साय कवर्धा के प्राचीन प्रसिद्ध बूढ़ा महादेव मंदिर में पंचमुखी बूढ़ा महादेव का दर्शन, पूजन, अभिषेक करेंगे। पूरे कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्यमंत्री के साथ रहेंगे। छत्तीसगढ़ में यह पहली बार होगा जब प्रदेश के मुखिया शिव भक्तों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा करेंगे।

तबाही में सब कुछ गंवा चुके कई परिवार, अब तक 344 की मौत

वायनाड त्रासदी में खोए 24 रिश्तेदार अब लगाई गुहार, शव ही मिल जाता...

नई दिल्ली ▶▶| वायनाड/नई दिल्ली

वायनाड के मुंडक्कई में रहने वाले 51 साल के शौकत को जैसे ही जानकारी हुई वह कतर से भागे-भागे यहां पहुंचे। मलबे के अंदर से लोगों के शव निकाले जाने के बीच शौकत बड़ी बेसब्री से अपने दो भाइयों और 24 अन्य रिश्तेदारों को तलाश रहे हैं। किसी के जिंदा होने की उम्मीद तो बची नहीं है। शौकत चाहते हैं कि अगर उनके शव ही मिल जाते तो संतोष कर लेते।

वायनाड में आई तबाही के चलते हर तरफ मलबा फैला हुआ है। शौकत कहते हैं मेरा सबकुछ खत्म हो गया। मेरे भाई, उनके परिवार सबकुछ चला गया। उन्होंने कहा कि अभी तक मात्र चार शव निकाले जा ▶▶|शेष पेज 2 पर

वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। तबाही से मरने वालों की संख्या 344 पहुंच चुकी है। ड्रोन और स्निफर डॉग की मदद से शवों की तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है। कई परिवार उजड़ गए हैं। इस बीच, यहां से एक ऐसी दुखद कहानी सामने आई है जो दिल दहला देगी। 51 साल के शौकत को अपने दो भाइयों और 24 अन्य रिश्तेदारों को तलाश रहे हैं।

ड्रोन से खोज, लाशों की तलाश में स्निफर डॉग

वायनाड, हिमाचल और उत्तराखंड में सेना का अभियान

भारी बारिश की वजह से तबाही झेल रहे केरल, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना का राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। शनिवार को केरल सरकार की तरफ से सेना को गहराई में खोज के लिए रडार उपकरण को लेकर एक अनुरोध किया गया।

हाईकोर्ट ने पूछा-

डीएमएफ की राशि का किन किन जगहों पर इस्तेमाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने डीएमएफ के एक मामले में राज्य शासन से पूछा है कि खनिज न्यास से मिलने वाली राशि का किन-किन जगहों पर इस्तेमाल किया गया है। कोर्ट ने भिलाई स्टील प्लांट की माइनिंग प्रभावित क्षेत्र पर ज्यादा फोकस करते हुए राज्य शासन से शपथ पत्र के साथ जानकारी मांगी है। दरअसल बीएसपी की माइनिंग से प्रभावित इलाके में विकास कार्य की राशि नहीं देने पर हाईकोर्ट में जनहित याचिका लगाई ▶▶|शेष पेज 2 पर

■ राज्य शासन से मांगा जवाब

बालोद को दे दिया फंड

नियमों के अनुसार जहां माइनिंग होती है, वहां उससे होने वाले लाभ का कुछ अंश प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिए रखा जाता है लेकिन खनन प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिए डीएमएफ से कुछ ही फंड दिया जा रहा है, बाकी फंड बालोद को दे दिया गया है।

हरेली तिहार मनाने सज गया मुख्यमंत्री निवास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरेली आज

हरेली तिहार की तैयारियों के लिए सजा मुख्यमंत्री निवास एक छोटे से गांव के रूप में नजर आ रहा है, जहां हर तरफ हरेली की धूम है। मुख्यमंत्री निवास एक ग्रामीण मड़ई मेला की तरह सुंदर साजसज्जा में नजर आ रहा है। रहचुली झूला, गेड़ी और सुंदर बैलगाड़ियों से पूरा परिसर हरेली की रौनक से दमक रहा ▶▶|शेष पेज 2 पर

■ सीएम हाउस में रहचुली झूला, गेड़ी और बैलगाड़ियों से दिख रही रौनक

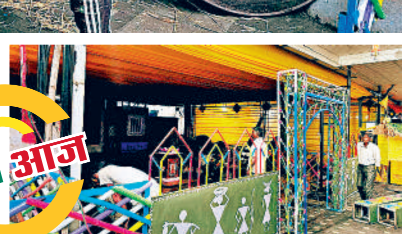

सीएम साय बोले- एक पेड़ लगाएं

हरेली त्योहार प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का त्योहार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान देश की जनता से किया है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हरेली के दिन एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया है ताकि अपनी जननी और जन्मभूमि दोनों के प्रति प्रदेश के सभी नागरिक अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर सकें।

संगीतकार की शिकायत

एआई ने बिजनेस क्लास की जगह इकानॉमी में बैठाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी केज ने शनिवार को शिकायत की कि एयर इंडिया ने मुंबई-बेंगलुरु उड़ान के लिए उनके बिजनेस क्लास के टिकट को निचली श्रेणी में बदल दिया। दूसरी ओर, एयरलाइन ने अपनी सफाई में कहा कि तकनीकी कारणों से विमान को पूरी तरह इकानॉमी क्लास में बदल दिया गया था। एयरलाइन ने आखिरी मिनट की रुकावट के कारण यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया और कहा कि नियमों के अनुसार रिफंड शुरू कर दिए गए हैं।

रिकी केज ने कहा- यह उचित नहीं

संगीतकार ने यह भी कहा, अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण परिचालन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, लेकिन इसके लिए तेजी से और प्रभावी समाधान न देना पूरी तरह से अपराध है। एक प्रतिष्ठित ब्रांड के लिए यह उचित नहीं है।

तकनीकी कारण बनी वजह

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि तकनीकी कारणों से आज सुबह मुंबई से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने वाले विमान को पूरी तरह से इकानॉमी क्लास में बदल दिया गया। प्रवक्ता ने कहा, बिजनेस क्लास में बुक किए गए सभी यात्रियों को बदले गए विमान की पहली पंक्ति में जगह दी गई और बीच में एक सीट खाली रखी गई।

बगैर निरीक्षण और दस्तावेजों की जांच बांट दिया ढाई करोड़

राहुल शर्मा ▶▶| दुर्ग

खास खबर

किसानों के शेयर पर टिके जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में आवास ऋण के नाम पर करोड़ों का घोटाला किया गया है। दुर्ग जिले के नगपुरा ब्रांच में करीब 16 हितग्राहियों के दस्तावेज और स्थल निरीक्षण किए बगैर ढाई करोड़ रुपए ऋण बांट दिया गया, लेकिन नियमित वसूली नहीं होने से खाता डूबत में चला गया है। ऋण स्वीकृति के बाद किस्तों की राशि जमा नहीं होने पर कराए गए जांच में चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार 16 ▶▶|शेष पेज 2 पर

इन्हें दिया ऋण

जांच रिपोर्ट में किशोर कुमार कोरे, कुमार मेहत्तर, तुलसीदास कोसले, अरविंद प्रसाद, राजेन्द्र कुमार, अनिता सपहा, मनीराम कोसरे, नरेन्द्र मोहन साव, के राम मेहत्तर, डी चिट्टैया, कंचन कुमार डे, यद्धुराम सहारे, छन्नूलाल, बी धनलक्ष्मी, कृष्णाराम चरपे और मोहम्मद हसीम को दो करोड़ 51 लाख आवास ऋण दिया गया।

जैकेट के शेष

सावन की ऐसी .....

है। आमतौर पर जुलाई महीने और सावन में बारिश की मात्रा कम रहती है मगर इस बार मानसून सावन की शुरुआत के साथ प्रदेश पर मेहरबान हुई है और पानी बरसने का दौर अभी भी जारी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि सावन के महीने में दस साल बाद इस तरह की बारिश हुई है। लगातार बनने वाले तीन सिस्टम ने पूरे प्रदेश को सराबोर कर दिया है। 22 जुलाई को सावन की शुरुआत के साथ बादलों ने बरसना शुरू किया है जो 13 वें दिन भी सुबह तक जारी रहा। मौसम विभाग के आंकड़ों की बात करें तो 21 जुलाई को प्रदेश में वर्षा का आंकड़ा 423.9 मिमी. था जो सामान्य से 10 प्रतिशत कम था 3 अगस्त की स्थिति में यह 673 मिमी. तक पहुंच चुका है जो सामान्य से 11 प्रतिशत अधिक हो चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार रविवार को राज्य में बारिश की गतिविधि बने रहने की संभावना है इसके बाद राज्य में व्यापक बारिश के लिए बंगाल की खाड़ी में नया सिस्टम तैयार होने का इंतजार करना होगा।

डीजीपी जुनेजा को ....

नियुक्ति को 4 अगस्त 2022 को मंजूरी दी गई थी। उनकी नियुक्ति के दो साल पूरे होने के बाद उनकी सेवावृद्धि का प्रस्ताव राज्य सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा था। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में डीजीपी की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार की ओर से तैयारी की गई थी। एडीजी से डीजी पद पर पदोन्नत तीन अफसरों में हिमांशु गुप्ता, अरुण देव गौतम और पवन देव के नाम शामिल हैं।

डीईओ के निवास ....

दबिश दी। डोरबेल बजाने पर श्री साहू की पत्नी ने दरवाजा खोला। अधिकारियों ने परिचय देते हुए घर के अंदर प्रवेश किया। उस दौरान श्री साहू गहरी नींद में सो रहे थे। एसीबी के छापे की जानकारी मिलते ही वे बेडरूम से बाहर निकले। अधिकारियों ने शिकायत की जानकारी देते हुए घण्टों घर के अंदर दस्तावेजों की जांच की। उसके बाद श्री साहू को कंपोजिट बिल्डिंग स्थित डीईओ कार्यालय ले जाया गया। यहां उनके बंद चेम्बर में अधिकारियों ने उनकी उपस्थिति में दस्तोवजों की जांच की। उसके बाद दस्तावेज जब्त कर श्री साहू को छोड़कर अधिकारी टीम के साथ लौट गए।

जनता चुनेगी मेयर ....

परिसर में सुबह से लेकर शाम तक बैठकों का दौर चला। कोर ग्रुप की बैठक में सबसे अहम नगरीय निकाय चुनाव को लेकर चर्चा की गई। इसमें कांग्रेस सरकार के उस फैसले को बदलने का निर्णय किया गया है जिसमें कांग्रेस सरकार ने प्रत्यक्ष चुनाव को अप्रत्यक्ष कर दिया था। सभी ने एक स्वर में इस बात पर सहमति जताई कि जनता को ही मेयर और अध्यक्ष का चुनाव करने का अधिकार पहले की तरह देना चाहिए। इसी साथ नगरीय निकाय चुनाव के साथ पंचायत चुनाव को कराने पर चर्चा की गई है। इसी के साथ संगठन के कार्यक्रमों को लेकर भी कोर ग्रुप में चर्चा की गई।

प्रदेश सरकार पर ....

वादे के मुताबिक मोदी की गारंटी को लेकर चर्चा हुई। आने वाले समय में कौन-कौन की गारंटी का वादा पूरा करना है इसको लेकर भी रणनीति बनाई गई है।

भाव खा रहीं ....

किलो थी। इसके बाद खेखसी 240 रुपए, पालक 200 और मेथी 210 रुपए किलो तक बिक रही हैं। प्याज भाजी 250 रुपए किलो बिक रही है। टमाटर की जहां तक बात है, तो टमाटर ने भाव खाना छोड़ दिया है। इस समय टमाटर थोक में 20 से 22 और चिल्हर में अच्छा टमाटर 30 रुपए किलो में बिक रहा है। रायपुर के डूमरतराई बाजार में लोकल सब्जियों के साथ कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और मप्र से सब्जियां आ रही हैं।

सौ रुपए से कम वाली सब्जियां : सौ रुपए से कम वाली सब्जियां बहुत कम रह गई है। परवल 60 रुपए, भिंडी 80 रुपए, लौकी 40 रुपए, सेमी 60 रुपए, करेला 60 रुपए, कोचई 80 रुपए, भट्टा 40 रुपए, कुंदरू 50 रुपए, पत्ता गोभी 60 रुपए, कद्दू 30 रुपए किलो है। इनमें से किसी भी सब्जी की कीमत कभी भी सौ के पार हो जाएगी।

भाजियां खा रही हैं भाव : बारिश में आमतौर पर भाजियां नहीं आती हैं, लेकिन इस समय जो भाजी आ रही है, उसकी कीमत आसमान पर है। पालक खाने वाले शौकीनों की कमी नहीं है। पालक की कीमत इस समय थोक में जहां 150 रुपए किलो है, वहीं चिल्हर में यह 200 रुपए किलो है। मेथी की कीमत भी 200 रुपए किलो है। प्याज भाजी की कीमत 250 रुपए किलो है।

चिल्हर में कीमत ....

एक ही बाजार में अलग-अलग दुकानों में कीमत अलग-अलग रहती है। अब धनिया का ही उदाहरण ले लें। थोक सब्जी मंडी में इसकी कीमत 40 से 50 रुपए किलो है, लेकिन चिल्हर में यह डबल कीमत से भी ज्यादा में बिक रहा है। 30 रुपए पाव के हिसाब से इसकी कीमत 120 रुपए होती है। इसी तरह से शिमला मिर्च थोक में 50 से 60 रुपए है, जबकि चिल्हर में 30 से 40 रुपए पाव है।

फुटू पहले 26 सौ ....

जैसे इसकी आवक बढ़ती गई, तो कीमत कम होती चली गई। एक दिन पहले ही यह थोक में 16 सौ रुपए किलो बिका। शनिवार को अब इसकी कीमत थोक में 1000 रुपए हुई तो चिल्हर में यह 300 रुपए पाव यानी 12 सौ रुपए किलो में बिका है

पेज एक के शेष

भूपेश-अमर 17 दिन...

प्रकार पूर्व मंत्री राजेश मूणत 19, फूलसिंह राठिया 19, कविता प्राण लहरे 18, देवेंद्र यादव 14 दिन सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने मौजूद रहे।

वायनाड त्रासदी में...

चुके हैं। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक शौकत ने बताया कि उनकी पत्नी और बच्चे तो बच गए, क्योंकि पहली लैंडस्लाइड के बाद ही वह सब पहाड़ पर भाग गए। उन्होंने कहा कि मैंने खून-पसीने की कमाई से दो-मंजिला घर बनाया था। वह भी अब मलबे में तब्दील हो चुका है। मेरे पास रहने का कोई ठिकाना तक नहीं है।

डीएमएफ की राशि का...

गई है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविन्द्र अग्रवाल की डीविजन बेंच में हुई। मामले की अगली सुनवाई सितंबर में होगी। दरअसल दल्ली-राजहरा में भिलाई स्टील प्लांट द्वारा किए जा रहे माइनिंग और डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड ट्रस्ट की पर्याप्त राशि प्रभावित क्षेत्र में नहीं दी जा रही है। जिसे लेकर कृष्णा सिंह ने अधिवक्ता अतुल केशरवानी के जरिए से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता के मुताबिक बालोद जिले के दल्लीराजहरा में भिलाई स्टील प्लांट माइनिंग करा रहा है। जिससे पर्यावरण, गांव की कृषि भूमि और जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

हरेली तिहार मनाने...

है। रविवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय हरेली के अवसर पर परंपरागत तरीके से पूजा करेंगे। हरेली के मौके पर पशुधन की पूजा की जाती है। खेती किसानी की शुरुआत में मनाया जाने वाला यह पर्व धरती के प्रति हमारी कृतज्ञता को व्यक्त करता है और इस भावना के अनुरूप मुख्यमंत्री पूजा के पश्चात किसान भाइयों को आधुनिक कृषि उपकरणों का वितरण भी करेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन : इस मौके पर सबसे खास लोक संस्कृति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन है। राऊत नाचा, करमा नृत्य आदि छत्तीसगढ़ के परंपरागत नृत्यों का आयोजन होगा।

बगैर निरीक्षण और...

लोगों को 2 करोड़ 51 लाख ऋण दिया गया। जांच में 62 लाख 92 हजार का ही मूल्यांकन किया गया। इसमें दुर्ग के नगपुरा स्थित तत्कालीन शाखा प्रबंधक गजाधर साहू द्वारा फर्जी एनओसी, वैल्यूवेशन में गड़बड़ी की गई थी। यही नहीं, कर्ज बांटने के पहले और बाद में स्थल निरीक्षण भी नहीं किया गया था। जांच टीम ने यह भी पता लगाया कि बंधन व प्रतिभूति भी अपूर्ण पाई गई। साथ ही जिस आवास के लिए ऋण दिया गया है, वह कागज ही अवैध पाया गया। इसमें निर्मित भवन की फोटोग्राफी, उपयोगिता प्रमाण पत्र और बड़ी बात यह है कि जमानतदार का विवरण भी सभी सोलह प्रकरण में उल्लेख ही नहीं किया गया। इस तरह दस्तावेज का निर्माण ही कूटनीति के आधार पर तैयार कर 16 लोगों को आवास ऋण जारी कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि इसमें एक भी किस्त जमा नहीं हुई हैं।

अफसरों से सांठगांठ का मामला : शाखा प्रबंधक पर लगे आरोप की जांच अतिरिक्त मुख्य पर्यवेक्षक कुसुम ठाकुर, विपणन अधिकारी हृदेश शर्मा, शाखा प्रबंधक कमलनारायण शर्मा एवं टीएल चंद्राकर ने की थई। जांच में जिन 16 लोगों को आवास ऋण दिया गया है। उसमें लगभग सभी नौकरीपेशा हितग्राही शामिल है, जबकि ऋण के लिए तैयार किए गए दस्तावेज में हितग्राहियों का सेवा का उल्लेख नहीं किया गया था। जांच में पता चला कि, लोन लेने के बाद सभी सेवानिवृत्त हो गए थे। इसमें इस बात पुष्टि हुई कि, जानकारी बूझकर हितग्राहियों की जानकारी छुपाई गई थी।

आज तक खजाने में रिकवरी नहीं : जांच टीम द्वारा सौंपे गए रिपोर्ट के अनुसार शाखा प्रबंधक पर पहले 16 दिसंबर 2020 को निलंबन कार्रवाई की गई थी। रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख था कि, क्यों न ऋण राशि की रिकवरी आपसे की जाए, लेकिन जांच टीम की चतुराई ने आगे कार्रवाई होने नहीं दिया और मामला ही दबा दिया गया। हालात यह रही है कि, किसानों से पाई-पाई वसूलने वाले अफसरों ने बैंक को ही डूबत तक लाकर खड़े कर दिया है। जांच में यह भी कहा है कि, अगर एक हितग्राही की लगातार जांच व स्थल निरीक्षण की जाती तो दो करोड़ 51 लाख का सरकारी खजाना नुकसान में नहीं पहुंचता। रिपोर्ट में शाखा प्रबंधक को दोषी बताया गया था।

बेमेतरा कलेक्टर ने दर्ज कराई एफआईआर : बेमेतरा के नवागढ़ शाखा में भी विगत 11 जुलाई को आवास व अन्य वेयरहाउस बनाने लोन लिया गया था। इसमें करीब 75 लाख का चूना लगाया गया है। इस मामले में कलेक्टर रणबीर शर्मा ने नवागढ थाने में एफआईआर दर्ज कराया है। इसके साथ ही हरिभूमि ने बेमेतरा की ही देवकर शाखा और दुर्ग का मुरमुंदा शाखा में आवास ऋण मामला उजागर किया था, यहां भी 19 लाख का फर्जीवाड़ा किया गया था। फर्जी दस्तावेज और आवास बनाए बगैर ऋण देने का मामला सामने आया था।

दुर्ग जिले से संचालित 59 शाखा संचालित : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग जिले में स्थित है। यहां से ही बेमेतरा का 20 शाखा, बालोद का 21 और दुर्ग में 18 बैंक शाखा का संचालन किया जाता है। बहरहाल यहां प्राधिकृत अधिकारी खुद कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी है। उन्होंने हरिभूमि से कहा है कि जितने भी शाखा में आवास ऋण की गड़बड़ी हुई है। सभी में कड़ी कार्रवाई होगी। सीईओ श्रीकांत चंद्राकर ने कहा है कि, मामले की जांच कराई जा रही है। यहां यह बताना जरूरी है कि, बेमेतरा कलेक्टर ने जिस मामले में एफआईआर दर्ज कराया है। वहीं मामला नगपुरा, देवकर, मुरमुंदा में घटित हुई है। सूत्रों का कहना है कि, अगर तीनों जिले में आवास ऋण मामले में जांच कराए जाए तो बड़ा घोटाला सामने आएगा।

कोलंबो पहुंची भारतीय नौसेना की पनडुब्बी 'शाल्की', मजबूत होंगे द्विपक्षीय रक्षा संबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में बढ़ती चीन की दादागिरी के बीच भारतीय नौसेना की पनडुब्बी आईएनएस शाल्की अपने दो दिवसीय 2 से 4 अगस्त तक दौरे के तहत श्रीलंका पहुंच गई है। यह दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों और समुद्री सहयोग को प्रदर्शित करता है।

नौसेना ने शनिवार को एक बयान में बताया कि आईएनएस शाल्की शिशुमार श्रेणी की एक डीजल-बिजली चालित पनडुब्बी है और 2 अगस्त को श्रीलंका के कोलंबो पहुंची। जहां श्रीलंका की नौसेना ने भारत की पनडुब्बी का परंपरागत रूप से स्वागत किया। अपने मजबूत रक्षा और सामरिक संबंधों वाले दुनिया के कई देशों में भारत अपनी पनडुब्बियां भेजता है। वहीं, भारतीय नौसेना की पनडुब्बी एक ऐसे समय में कोलंबो पहुंची है। जब चीन लगातार इस द्वीपीय देश में अपना सामरिक और सैन्य प्रभाव बढ़ाने में लगा हुआ है।

1992 में नौसेना में हुई थी कमीशन

आईएनएस शाल्की 7 फरवरी 1992 को भारतीय नौसेना में कमीशन हुई थी। यह पहली ऐसी पनडुब्बी है जो भारत में बनी है। कोलंबो यात्रा के दौरान शाल्की के कमांडर श्रीलंका की नौसेना के पश्चिमी भाग के रियर एडमिरल डब्ल्यूडीसीयू कुमारासिंघे से शिष्टाचार मुलाकात करेंगे। इसके अलावा भारतीय उच्चायोग के कर्मी और श्रीलंका के सैन्यबलों के कर्मी भी भारतीय पनडुब्बी की यात्रा करेंगे।

श्रीलंका संग संबंधों को मजबूत बनाता भारत

नौसेना के मुताबिक, क्षेत्र में चीन के प्रभाव बढ़ाने की कोशिशों के बीच भारत श्रीलंका के साथ अपने रक्षा और सामरिक संबंधों को विस्तार देने में लगा हुआ है। वर्ष-2022 में चीन के मिसाइल और सैटेलाइट ट्रैकिंग जहाज यूआन वांग ने हंबनटोटा बंदरगाह पर लंगर डाला था। इससे भारत और श्रीलंका के बीच कूटनीतिक रूप से तनाव बढ़ गया था। इसके बाद पिछले साल अगस्त महीने में भी कोलंबो बंदरगाह पर एक और चीनी जहाज ने लंगर डाला। भारत, श्रीलंका के कई क्षमता विकास से जुड़े कदमों में सहयोग प्रदान कर रहा है। इसमें स्वदेशी अपतटीय गश्ती जहाज का निर्माण शामिल है।

29 घंटे तक ओवर फ्लो होने के बाद टूटा विद्युत परियोजना का बांध

8 ग्राम पंचायतों में बढ़ा खतरा : वेनिका हाइड्रो पावर प्लांट का बांध टूटने से महान नदी उफान पर आ गई है। निचले इलाकों में नदी का बहाव तेज होने के साथ ही 8 ग्राम पंचायतों में बाढ़ आने का खतरा बढ़ गया है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने महान नदी के किनारे बसे ग्राम मयूर धक्की, लांजित, बल्हीपानी, सौहार, कुप्पा, खर्रा एवं चिकनीके लिए अलर्ट जारी किया है तथा ग्रामीणों को सावधानी बरतने एवं मछली पकड़ने के लिए नदी के निकट नहीं जाने का निर्देश दिया है। राजस्व अमले को भी प्रशासन ने अलर्ट पर रखा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

- टला बड़ा खतरा, आसपास के गांवों में नहीं हुई क्षति

विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत चिकनी स्थित वेनिका पावर प्लांट का विशाल बांध लगातार 29 घंटे तक ओवर फ्लो होने के बाद अंततः शनिवार को सुबह 10 बजे बह गया। बांध के बहने से महान नदी उफान पर आ गई है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने तीन गांवों को खाली कराया है वहीं निचले इलाके के आठ ग्राम पंचायतों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। बांध के टूटने से आसपास के गांवों में जन-धन की क्षति नहीं हुई है।

वेनिका हाइड्रोपावर परियोजना द्वारा वर्ष 2018 में दूरस्थ ग्राम पंचायत चिकनी स्थित महान नदी पर विशाल कांक्रीट बांध बनाकर विद्युत उत्पादन किया जा रहा था। विद्युत परियोजना का निर्माण 500 करोड़ की लागत से किया गया था। कंपनी बांध में जमा पानी के दबाव से टरबाइन चलाकर प्रतिदिन 24.7 मेगावाट बिजली उत्पादन कर विद्युत वितरण कंपनी को बेच रही थी। गुरूवार की रात भारी वर्षा होने तथा महान नदी का बहाव तेज होने पर अचानक ट्रिप करने के साथ विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। परियोजना के कर्मचारी तेजी से भर रहे पानी की निकासी के लिए बांध के सभी गेट को खोलने एवं बिजली ट्रिप होने के बाद तकनीकी खराबी आने से सभी गेट स्वतः बंद होकर जाम होने का दावा कर रहे हैं। स्थिति जो भी हो गेट बंद होने के कारण बांध कुछ घंटों में ही लबालब हो गया तथा शुक्रवार को सुबह बांध में आ रहा नदी का पानी तेज रफ्तार से बांध के ऊपर से बहने लगा। सूचना पर पहुंचे परियोजना के अधिकारी-कर्मचारियों ने इकाई में आई तकनीकी खराबी को सुधारने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। विद्युत आपूर्ति बाधित होने के कारण परियोजना की सारी मशीनें पूर्व से ही ठप थीं। इधर लगातार बारिश होने एवं पूरे दिन बांध के ऊपर से पानी बहने के कारण बांध के क्षतिग्रस्त होने की सम्भावना पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने नदी किनारे के 6 गांवों को खाली करा ऊपरी क्षेत्र के गांवों में ग्रामीणों के ठहरने की व्यवस्था की। शनिवार को राजस्व व पुलिस अधिकारी दूरस्थ क्षेत्र के गांवों का जायजा लेने पहुंचे ही थे सुबह 10 बजे बांध का दक्षिणी हिस्सा टूट गया तथा कुछ ही घंटों में बांध का पूरा पानी बह गया।

जारी किया गया है अलर्ट : बांध के टूटने से आसपास के क्षेत्रों में कोई क्षति नहीं हुई है। विद्युत परियोजना को नुकसान हुआ है। निचले इलाके में नदी का बहाव तेज होने एवं बाढ़ आने की संभावना पर आठ गांवों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासनिक अमले को भी सावधानी बरतने का निर्देश दिया गया है। -सागर सिंह

शिक्षा के लिए बच्चे जान जोखिम में डालकर पार कर रहे उफनती नदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

कुसमी विकासखंड में मूसलाधार बारिश के कारण एक तरफ नदी नाले उफान पर है। भारी बारिश का असर लोगों के जनजीवन पर पड़ा है और पुल पुलिया के आभाव में गावों का संपर्क कट गया है। इस बीच कुसमी विकासखंड से एक भावयवह तस्वीर निकलकर सामने आई है जहां छोटे छोटे बच्चे शिक्षा के लिए उफनती बेनगंगा नदी को जान जोखिम में डालकर पार करते नजर आ रहे है। इस तरह बाढ़ के बीच नदी को पार करने से बच्चों की जान खतरे में पड़ गई। हैरानी की बात तो यह है कि बाढ़ के हालत होते हुए भी शासन प्रशासन द्वारा इन बच्चों की सुरक्षा का ख्याल नहीं रखा जा रहा है और बच्चे स्कूल में पढ़ाई करने के लिए उफनती नदी को पार कर रहे है। यह पूरा मामला कुसमी विकासखंड के ग्राम घुटराडीह का है। दरअसल घुटराडीह और नटवरनगर के बीच से बेनगंगा नदी बहती है। नदी पर पुल नहीं होने से वर्षभर बच्चे नदी को पार कर स्कूल आना जाना करते है लेकिन पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण कुसमी विकासखंड की नदियां उफान पर है। बारिश के कारण नदी में बाढ़ आने पर स्कूल में बच्चे नहीं पहुंच पाते है और स्कूलों को बंद करना पड़ता है तो कई बार बच्चे जान जोखिम में डालकर नदी को पार करते है।

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव से प्रभावित होगी अर्थव्यवस्था, जम्मू-कश्मीर पर असर नहीं

कविता जोशी ▶▶| नई दिल्ली

इजरायल द्वारा हमास और हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडरों को मार गिराए जाने के बाद मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव से जम्मू-कश्मीर और उसके मौजूदा सुरक्षा हालातों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बल्कि इससे भारत की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी।

मध्य पूर्व के युद्ध की तरफ आगे बढ़ते ही तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि होगी। जिससे देश में महंगाई बढ़ेगी और यह सब अर्थव्यवस्था की रफ्तार को भी धीमा करेगा। वहीं, जम्मू-कश्मीर में बढ़ती अशांति के बीच पाकिस्तान के होश ठिकाने लगाने और शांति स्थापित करने के लिए भारत को इजरायल जैसे 'कोवर्ट मिलिट्री ऑपरेशन' के विकल्प के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह जानकारी मध्य पूर्व में बन रहे चुनौतीपूर्ण हालातों के बीच रक्षा विशेषज्ञों ने हरिभूमि से बातचीत में दी है।

फिलिस्तीनी आतंकियों के निशाने पर पश्चिमी देश

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) एस.बी.एस अस्थाना ने कहा कि इजरायल और ईरान के बीच बढ़ती तनातनी से जम्मू-कश्मीर पर तत्काल रूप से कोई प्रभाव पड़ता हुआ नजर नहीं आ रहा है। इसके दो प्रमुख कारण है। एक तो इजरायल के साथ तनातनी में उलझे फिलिस्तीन समर्थक आतंकवादी संगठन (हमास, हिजबुल्ला) वर्तमान में अपने ही घर में उलझे हुए हैं। ऐसे में उन्हें भारत की ओर ध्यान देने की फुर्सत नहीं है। दूसरा फिलिस्तीन आतंकियों के मूल निशाने पर पश्चिमी देश हैं ना कि भारत।

राशिफल

मेष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। माता का सानिध्य मिलेगा। कारोबारी कार्यों में रुचि बढ़ सकती है। यात्रा लाभप्रद होगी। कला या संगीत के प्रति रुझान रहेगा।

वृष — भाई-बहनों के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती हैं।

मिथुन — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। अति उत्साही होने से बचें।

कर्क — धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बढ़ेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सिंह — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। किसी पैतृक कारोबार की पुनः शुरुआत हो सकती है। अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी।

कन्या — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमयी रहेगा। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थिति रहेगी। अति उत्साही होने से बचें।

वृश्चिक — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। खर्चों में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा।

धनु — कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि हो सकती है।

मकर — किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ — क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु लंबी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन — परिश्रम अधिक रहेगा। विदेश यात्रा के अवसर मिल सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। बातचीत में सन्तुलित रहें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी।

ईरानी एजेंट्स की मदद से मारा गया हमास चीफ!

बड़ा खुलासा : मोसाद ने ईरानी सेना में लगा दी सेंध

एजेंसी ▶▶| तेहरान

इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान में हमास चीफ इस्माइल हानिया की इतने शातिर तरीके से हत्या कर दी कि पूरी दुनिया हैरान है। रिपोर्ट्स में बताया गया कि गेस्टहाउस में दो महीने पहले ही बम प्लांट कर दिया गया था। इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद को पता था कि राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान हानिया ईरान जरूर आएगा और इसी गेस्ट हाउस में रुकेगा। वहीं, इस पूरे प्लान में मोसाद ने ईरान के ही एजेंट्स का इस्तेमाल किया। ऐसे में ईरान के नेताओं में इजरायल का खौफ भी बढ़ गया है।

तीन कमरों में लगाए गए थे बम : बुधवार की रात हानिया जिस कमरे में सो रहा था, वहां तेज विस्फोट किया गया और हानिया की सुरक्षा गार्ड समेत मौत हो गई। मोसाद के लिए काम करने वाले दो ईरानी एजेंट्स ने खुलासा किया कि तीन अलग-अलग कमरों में बम लगाए गए थे। हानिया पहले भी इस गेस्टहाउस में रुका था इसलिए मोसाद को अंदाजा था कि फिर से वह यहीं रुकेगा। जिन कमरों में वह रुक चुका था और जिनमें रुकने की संभावना थी उसमें रिमोट कंट्रोल से फटने वाला बम लगा दिया गया था।

सुरक्षा में तैनात जवानों को ही बना लिया एजेंट : ईरानी अधिकारियों ने सर्विलांस फुटेज में दिखाया कि किस तरह से एजेंट्स गेस्टहाउस में घुस जाते हैं और मिनट भर में ही अलग-अलग कमरों में चले जाते हैं। तुरंत वे बम प्लांट करके बाहर भी निकल जाते हैं। बम लगाने के बाद वे ईरान से बाहर भी चले गए। इसके बाद बुधवार रात दो बजे के बीच रिमोट का बटन दबाया गया और हानिया की मौत हो गई।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम)

सूचना

विद्युत लाईनों / उपकरणों के रख-रखाव लाईन मरम्मत अंडरग्राउंड केबल वर्क एवं सी.टी.पी.टी बदलवाने के आवश्यक कार्य हेतु निम्नांकित फीडरों / उपकेन्द्र के सम्मुख दर्शाये गये तिथि एवं समय में विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहेगी जिसके समय में आवश्यकतानुसार परिवर्तन संभव है। असुविधा के लिये खेद है।

क्र.	दिनांक एवं दिन	समय	उपकेन्द्र का नाम	फिडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	05.08.2024 सोमवार	प्रातः 10:00 बजे से 01:00 बजे तक प्रातः 09:00 बजे से 12:00 बजे तक	33/11 के. व्ही पुलिस लाईन सबस्टेशन 33/11 के. व्ही नूतन राईस मिल सबस्टेशन 33/11 के. व्ही. खपरा भट्ठी सबस्टेशन	11 के.व्ही. मेघदूत फीडर 11 के.व्ही. एम.जी रोड फीडर	इस सबस्टेशन से जुड़े समस्त उपभोक्तागण । अग्रसेन चौक देशबन्धु प्रेस बढ़ाई पारा, रामसागर पारा, ललिता चौक, मोमिन पारा, रिशभ चैम्बर्स, एम.जी रोड का कुछ भाग सोनी सायकल स्टोर्स एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि । खपरा भट्ठी भीमसेन भवन महाराजा अग्रसेन कॉलेज, अग्रसेन चौक, जवाहर नगर, एम.जी रोड, बढ़ाई पाँरा रामसागर पारा, दत्ता ड्राईक्लिनर्स, मंजु-ममता होटल, रहमानिया चौक, संदीप बार, गुरूनानक चौक, शारदा चौक ट्रैफिक थाना एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि ।
2	06.08.2024 मंगलवार	प्रातः 9:00 बजे से 12:00 बजे तक	33/11 के.व्ही. गुढ़ियारी सबस्टेशन	रिगं -1 फीडर	तेलघानी नाका चौक के आस पास का क्षेत्र, राठौर चौक, गुरूनानक चौक, निवेदिता स्कूल, भारत माता कॉम्पलेक्स, बालाजी टॉवर, होटल शुभम, प्रभात टॉकिज के आस पास का क्षेत्र. देश बन्धु स्कूल, भाजपा कार्यालय रामसागर पारा, मांगड़ा पारा एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि ।
3	07.08.2024 बुधवार	प्रातः 9:00 बजे से 12:00 बजे तक	33/11 के.व्ही. स्पोर्ट कॉम्पलेक्स सबस्टेशन	11 के.व्ही. सदर बाजार फीडर	गणेश मंदिर श्याम टाकिज, डॉ. संदीप दवे ट्रांसफार्मर, गोकुल चंद्रमा मंदिर गली, सद्दानी चौक, हरिभाई जैम्स, मरूधर अपार्टमेन्टस, सदर बाजार, अनोपचन्द्र - त्रिलोकचन्द्र के आस पास का क्षेत्र एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि ।
4	08.08.2024 गुरुवार	प्रातः 10:00 बजे से 01:00 बजे तक प्रातः 9:00 बजे से 12:00 बजे तक प्रातः 9:00 बजे से 12:00 बजे तक	33/11 टैगोर नगर सबस्टेशन 33 / 11 नगर निगम सबस्टेशन 33/11 के.व्ही. स्पोर्ट कॉम्पलेक्स सबस्टेशन	11 के.व्ही. चिकनी मंदिर फीडर 11KV, सप्रे शालाफीडर	इस सबस्टेशन से जुड़े समस्त उपभोक्तागण । कोतवाली चौक, एडवर्ड रोड, सदर बाजार, महाराणा प्रताप स्कूल के आस-पास का क्षेत्र, चुड़ी लाईन, शनि मंदिर के आस-पास का क्षेत्र, हलवाई लाईन, बंजारी चौक, रवि भवन के आस-पास का क्षेत्र, गोल बाजार चिकनी मंदिर के आस-पास का क्षेत्र महावीर अशोक ज्वेलर्स, नहाटा मार्केट, एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि । गणेश मंदिर, धरना स्थल, शीतला मंदिर, बुढ़ापारा, काँग्रेस कार्यालय, सप्रे स्कूल एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि ।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाइये।

उपभोक्तागण विद्युत शिकायत के लिये विद्युत शिकायत केन्द्र बुढ़ापारा - 6269753678 गंज जोन 07712574797 केन्द्रीय कॉल सेन्टर - 1912 में संपर्क कर एवं मोर बिजली एप डाउन लोड कर बिजली संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जनहित में विद्युत आपूर्ती हेतु लगाये गये विद्युत लाईन के नीचे / बगल से भवन / रोड / तालाब का निर्माण करना अवैधानिक है। अतः विद्युत सुरक्षा नियमों का पालन करें।

सं.-

(ए.के. निवडिंग)
Emp. No. 93516424
कार्यपालन यंत्री (न. सं. मध्य) छ.ग.
स्टेट पावर डिस्ट्री.कं.लिमि. रायपुर

शब्द पहेली - 5592

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 5591 का हल

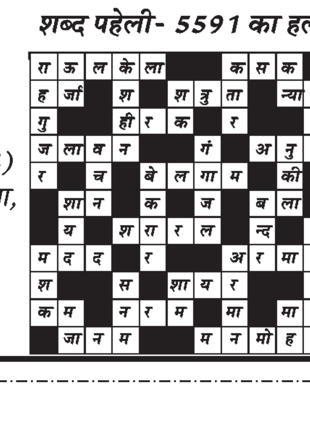

सूडोकु नवताल - 5603

✶✶✶✶✩ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5602 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

सिंगिंग के बेताज बादशाह किशोर कुमार एक्टिंग में भी थे उस्ताद

किशोर दा ने कुछ बेहतरीन फिल्में भी कीं, जिनके आज भी हैं चर्चे

दिग्गज गायक किशोर कुमार एक्टिंग में भी माहिर थे। उनका स्वभाव काफी मस्तमौला था लेकिन गाने वो हर स्थिति के हिसाब से गा लेते थे। किशोर कुमार ने कई सुपरहिट फिल्में भी की हैं। किशोर कुमार ने अपने करियर में लगभग 2700 गाने गाए थे, जिनके संगीतकार वो खुद थे। वहीं, आर.डी.बर्मन के म्यूजिक डायरेक्शन में 563 गाने गाए। लेकिन, उन्होंने कुछ बेहतरीन फिल्में भी कीं जिनके चर्चे आज भी हैं।

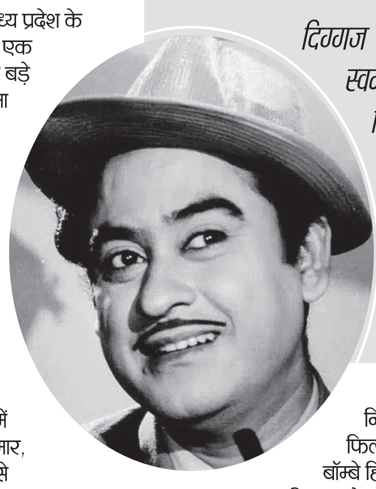

नई दिल्ली। 4 अगस्त 1929 को मध्य प्रदेश के खंडवा में किशोर कुमार का जन्म एक बंगाली परिवार में हुआ था। उनके बड़े भाई अशोक कुमार भारतीय सिनेमा के पहले स्टार माने जाते हैं, वहीं उनके छोटे भाई अनूप कुमार भी एक्टर थे। किशोर कुमार जैसी लोकप्रियता हर सिंगर को नहीं मिलती है, लेकिन महज 58 साल की उम्र में किशोर कुमार का निधन 13 अक्टूबर 1987 को हो गया था। उन्होंने गानों के अलावा कई फिल्में भी कीं जिनमें 6 की लिस्ट आपके लिए लाए हैं।

एच एस रावैल के निर्देशन में बनी फिल्म शरारत में किशोर कुमार, मीना कुमारी और राज कुमार जैसे कलाकार नजर आए थे। ये फिल्म आप यूट्यूब पर देखें, मजा आ जाएगा। शांतिलाल सोनी के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर एक्स बॉम्बे हिट थी। इस फिल्म को यूट्यूब पर देखा जा सकता है। इस फिल्म के लगभग सभी गाने हिट थे लेकिन 'मेरे महबूब कयामत होगी' ने धूम मचा दी थी और आज भी दिल से हारे यूथ इसे खूब सुनते हैं।

एमवी रमन के निर्देशन में बनी फिल्म पायल की झंकार में किशोर कुमार और सुलोचना चटर्जी जैसे कलाकार नजर आए थे। इस फिल्म को भी यूट्यूब पर फ्री में देखा जा सकता है। सत्येन बोस के निर्देशन में बनी फिल्म चलती का नाम गाड़ी 1958 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में किशोर कुमार, अशोक कुमार, अनूप कुमार तीनों भाई नजर आए थे। वहीं, फिल्म में मधुबाला लीड एक्ट्रेस थीं। इस फिल्म को प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। इस फिल्म में 'बाबू समझो इशारे', 'एक लड़की भीगी भागी सी' जैसे गाने सुपरहिट रहे।

ज्योति स्वरूप के निर्देशन में बनी फिल्म पड़ोसन एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है जो 1968 में आई थी। इस फिल्म में सुनील दत्त और सायरा बानो लीड रोल में थे, लेकिन किशोर कुमार और महमूद जैसे कैरेक्टर्स ने फिल्म में जान डाल दी थी। फिल्म में 'एक चतुर नार', 'मेरे सामने वाली खिड़की में', 'मैं चली मैं चली देखो', 'मेरे भोले बालम' जैसे गाने सुपरहिट रहे। साल 1962 में रिलीज हुई फिल्म हाफ टिकट किशोर कुमार और मधुबाला की सुपरहिट फिल्म थी। इस फिल्म को यूट्यूब पर फ्री में देख सकते हैं। फिल्म में 'चील चील चिल्ला के' जैसा गाना हिट रहा।

तंगलान का नया गाना तंगलान वॉर रिलीज

नई दिल्ली। तंगलान का मच अवेटेड टाइटल ट्रैक आखिरकार रिलीज हो गया है। चियान विक्रम और मालविका मोहनन स्टारर पा. रंजीत की फ़िल्म के ट्रेलर ने अपनी भव्यता और रहस्य से एक मजबूत प्रभाव सभी पर डाला है। ऐसे में अब, टाइटल ट्रैक 'तंगलान वॉर' की रिलीज़ के साथ, फैंस इस एपिक यूनिवर्स में और भी गहराई से गोता लगा सकते हैं। गाना अपने नाम की तरह ही जोश से भरा है। साथ ही एक अनोखे म्यूजिकल जर्नी पर ले जाता है। कहना गलत नहीं होगा की फिल्म के लिए इस दमदार गाने ने स्टेज तैयार कर दिया है। तंगलान साउथ की एक और बड़ी फिल्म होगी। यह कोलार गोल्ड फील्ड्स (केजीएफ) की सच्ची कहानी बताती है, जब अंग्रेजों ने इसे खोजा और अपने फायदे के लिए इसका इस्तेमाल किया।

यहीं खत्म नहीं होती है कहानी...

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सामंथा रुथ प्रभु अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रशंसकों के बीच छाई रहती हैं। वह कभी अपनी फिल्मों और करियर पर लिखती हैं। इन दिनों अभिनेत्री अपनी आने वाली सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' को लेकर काफी सुर्खियों में चल रही हैं। इसी बीच अब अभिनेत्री ने जीवन में चुनौतियों से निपटने के बारे में बात की और बताया कि कहानी यहीं खत्म नहीं होती है। एक इंटरव्यू सामंथा रूथ प्रभु से पूछा गया कि वह कैसे अपने जीवन के कई उतार-चढ़ावों से उबरकर मजबूती से उभरती हैं और कभी हार नहीं मानती हैं। इस पर अभिनेत्री ने कहा, 'मैं हार मान लेती हूं। मैं आपको यह नहीं बता सकती कि मैं हार नहीं मानती, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। मैं फिर से ऊपर उठती हूं।' पिछले दिनों सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो साझा किया था, जो उनके फैंस को काफी पसंद भी आई थी, उसी के बारे में बताते हुए अभिनेत्री ने कहा, "मुझे यह साझा करना पड़ा क्योंकि यह बहुत अच्छी सुबह थी और मैंने एक ऐसे व्यक्ति से यह लाइन सुनी थी, जिसका मैं सच में सम्मान करती हूं।

भारत में ही नहीं, दुनिया में भी बनाई पहचान...

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा ने बतौर एक्ट्रेस अपने करियर के 21 साल पूरे कर लिए हैं, जिस पर उन्होंने लिखा, 'उन सभी को धन्यवाद जिन्होंने अनजाने में मेरे सफर में इतने बड़े पैमाने पर योगदान दिया। यह एक लड़की का थ्रोबैक है, जो अपनी ट्वेंटीज में थी, जिसने आज जो मैं हूं उसे स्वरूप दिया। मुझे उस पर गर्व है। आप आज जो है, वह अपने बीते हुए कल की दृढ़ता की वजह से हैं।' इस वीडियो पर निक जोनस ने कमेंट करते हुए लिखा, 'बेबी.. मैं हमेशा से तुम्हारा सबसे बड़ा फैन रहा हूं।' वहीं, फैंस कमेंट देखते ही हार्ट इमोजी शेयर करते हुए नजर आ रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा जोनस उन एक्टर्स में से एक हैं, जिन्होंने अपने दम पर पहचान केवल भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया में भी बनाई है। बॉलीवुड में धमाल मचाने के बाद उन्होंने साल 2017 में हॉलीवुड की ओर रुख किया और 'बेवॉच' से डेब्यू किया। लेकिन यह राह उनके लिए आसान नहीं थी, जिसके लिए उन्हें काफी स्ट्रगल करना पड़ा। इस दौरान उनकी हिम्मत बनकर उनके साथ खड़े रहे उनके पति निक जोनस।

IN THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JABALPUR AT
(H.No.797-II, "Shantikunj" South Civil Lines) JABALPUR
ORIGINAL APPLICATION NO. 174 OF 2022

Exh. No. ....

BANK OF INDIA ... **APPLICANT**
VERSUS
JAI NARAYAN TIWARI ... **DEFENDANTS**

To,

1. Mr. Jay Narayan Tiwari son of Shri Jhumak Lal Tiwari (Borrower), resident of Plot No.634, Near Sai Mandir Chowk, Sunder Nagar, Raipur, District Raipur (C.G.).
2 Mr. Abhishek Tiwari son of Mr. Jay Narayan Tiwari (Guarantor), resident of Plot No.635, Near Sai Mandir Chowk, Sunder Nagar, Raipur, District Raipur (C.G.).

SUMMONS

Whereas, O.A. No.174 of 2022 was listed before the Hon. Presiding Officer on 04.04.2022

Whereas, the Hon. Tribunal is pleased to issue summons/notice on the said application under Section 19(4) of the Act, (OA) filed against you recovery of debts of **Rs.1,27,12,314.41**

In accordance with sub-section (4) of section 19 of the Act, you, the defendants are directed as under:-

(i) To show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted;
(ii) To disclosed particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial No. 3A of the Original Application.
(iii) You are restrained from dealing without disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial No.3A of the original Application pending hearing and disposal of the application for attachment of properties;
(iv) You shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of business any of the assets over which security interest created and/or other assets and properties specified or disclosed under serial No.3A of the original Application without the prior approval of the Tribunal;
(v) You shall be liable to account for the sale proceeds realized by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets.
(Vi) You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before 22/10/2024 at 10:30 a.m. failing which the application shall be heard and decided in your absence.

Given under my hand and the seal of the Tribunal on this 15th day of July 2024.

Seal

Signature of the officer
Authorised to issue summons

अमेरिका ने नहीं माफ किया 9/11 के आतंकियों को, जल्द मिलेगी सजा-ए-मौत

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका ने कहा कि 9/11 के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद, वालिद बिन अताश और मुस्तफा अल-हौसावी को फांसी की सजा होकर रहेगी। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने शुक्रवार को मास्टरमाइंड के साथ एक याचिका समझौते को रद्द कर दिया है।

यह घटना उस समझौते के घोषणा के दो दिन बाद हुई है, जिसके तहत कथित तौर पर खालिद और तीन आतंकियों के मौत की सजा को खत्म कर दिया गया था। बुधवार को मोहम्मद और उनके दो कथित सहयोगियों के साथ हुए इस समझौते से 11 सितम्बर 2001 को मारे गए लोगों के कुछ रिश्तेदारों में गुस्सा भड़क गया। बता दें कि इस समय खालिद को क्यूबा के ग्वांतानामो बे सैन्य अड्डे पर नजरबंद कर रखा है। पाकिस्तान में 2003 को खालिद की गिरफ्तारी हुई थी। अमेरिकी जांच एजेंसी सीआईए ने गोपनीय जेल में रख कर उनसे पूछताछ की गई थी।

माफ करने पर भड़की जनता, रद्द किया याचिका समझौता

दोषी होने की दलील देने पर व्यक्त की थी सहमति

मीडिया ने इस सप्ताह एक रिपोर्ट में जानकारी दी थी कि मोहम्मद, वालिद बिन अताश और मुस्तफा अल-हौसावी ने आजीवन कारावास की सजा के बदले में षडयंत्र के लिए दोषी होने की दलील देने पर सहमति व्यक्त की थी, बजाय इसके कि उन पर मुकदमा चलाया जाए, जिसके कारण उन्हें मृत्युदंड की भी सजा हो सकती थी।

'तीन पूर्व-परीक्षण समझौतों से हटता हूं'

ऑस्टिन ने मामले की देखरेख करने वाली सुसान एस्केलियर को संबोधित एक ज्ञापन में कहा, 'मैंने यह निर्धारित किया है कि अभियुक्तों के साथ पूर्व-परीक्षण समझौते में प्रवेश करने के निर्णय के महत्व के मद्देनजर, ऐसे निर्णय की जिम्मेदारी मुझ पर होनी चाहिए। ज्ञापन में कहा गया है कि 'मैं उपरोक्त संदर्भित मामले में 31 जुलाई, 2024 को आपके द्वारा हस्ताक्षरित तीन पूर्व-परीक्षण समझौतों से हटता हूं।

खबर संक्षेप

कांग्रेस जाति की नकारात्मक राजनीति कर रही : सिंधिया

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस ने मंडल आयोग का विरोध किया था और अब समाज में दरार पैदा करने के लिए वह जाति की नकारात्मक राजनीति कर रही है। सिंधिया ने यह भी कहा कि देश में हो रहे तीव्र विकास पर गर्व करने के बजाय कांग्रेस ईर्ष्या महसूस कर रही है।

दीवार गिरने से चार बच्चों की मौत, दो घायल

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में शनिवार को एक खाली पड़े भवन की दीवार गिर जाने से चार बच्चों की मौत हो गई और एक महिला एवं एक बच्चा घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना गढ़ थाना क्षेत्र के एक निजी स्कूल के पास हुई। रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक महेंद्र सिंह सिकरवार ने संवाददाताओं को बताया कि 'सनराइज पब्लिक' स्कूल के बच्चे घर जा रहे थे, तभी पास में ही एक खाली पड़े भवन की दीवार उनके ऊपर गिर गई।

समझौता केस में आए थे दोनों पक्ष

चंडीगढ़ कोर्ट में पंजाब के पूर्व एआईजी ने आईआरएस दामाद को गोलियों से भूना

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

चंडीगढ़ के जिला न्यायालय में गोलीबारी की वारदात होने के बाद पूरे परिसर में हड़कंप व भगदड़ का माहौल निर्मित हो गया। इसमें पंजाब पुलिस के पूर्व सहायक पुलिस महानिरीक्षक मलविंदर एस सिद्धू ने तलाक के विवाद के चलते अपने दामाद भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी दामाद हरप्रीत सिंह की कई गोलियां मारकर मारकर हत्या कर दी।

घटना के बाद से पूरे शहर में हड़कंप मच गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पुलिस अधिकारी को को हिरासत में ले लिया है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि सस्पेंडेड एआईजी अधिकारी मालविंदर सिंह सिद्धू पंजाब पुलिस के पूर्व एआईजी अधिकारी रह चुके हैं।

वहीं, दामादहरप्रीत सिंह कृषि विभाग में आईआरएस के पोस्ट पर तैनात थे और उनके पारिवारिक मामले की सुनवाई थी। घटना के वक्त कोर्ट में सुनवाई हो रही थी। घटना के बाद पूरे कोर्ट परिसर में अफरातफरी मच गई। मौके से उसके खिलाफ सबूत भी जुटाए जा रहे हैं। क्या है पूरा मामलाजांच में पता चला है कि हरप्रीत सिंह का पत्नी के साथ तलाक का केस चल रहा था। इस मामले में दोनों पक्षों को आखिरी समझाइश के लिए परिवार केंद्र बुलवाया गया था। बताया गया कि सिद्धू की पुत्री विदेश में होने के कारण वह नहीं पहुंच सकी थी जिस कारण सिद्धू सुनवाई के लिए गए थे। कोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही थी। इसी बीच आरोपी ससुर ने वॉशरूम जाने की बात कही और वारदात को अंजाम दिया।

सस्पेंडेड एआईजी अधिकारी मालविंदर सिंह सिद्धू।

हरप्रीत ने अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम

वारदात के बाद वकीलों ने तुरंत घायल हरप्रीत को उठाया और बाहर लेकर आए। इसके बाद एंबुलेंस बुलाकर उन्हें सेक्टर 16 के अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, हरप्रीत ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया था। अस्पताल में चिकित्सकों ने हरप्रीत को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अब आरोपी ससुर से पूछताछ कर वारदात के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है।

कोर्ट में कैसे हुई वारदात?

चंडीगढ़ की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कंवरदीप कौर ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच तलाक का विवाद था। इसको लेकर दोनों पक्ष शनिवार को समझाइश के लिए कोर्ट की ओर से नियुक्त वकील धीरज ठाकुर के पास गए थे। उस दौरान सिद्धू ने वॉशरूम जाने की बात कही। इस पर हरप्रीत उन्हें वॉशरूम का रास्ता बताने के लिए बाहर आ गया। एएसपी ने बताया कि दोनों के बाहर आते ही सिद्धू ने हरप्रीत पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी।

पहले भी विवादों में रहे हैं सिद्धू

बता दें कि पूर्व एआईजी सिद्धू पहले भी विवादों में रह चुके हैं। पिछले साल वे भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार हुए थे। जिसके चलते वे निलंबित चल रहे हैं। गिरफ्तारी के दौरान उन्होंने पुलिस के साथ हाथापाई तक कर दी थी। उस दौरान भी उन्होंने अपने दामाद पर गंभीर आरोप लगाए थे। अपने कार्यकाल में भी कई बार वे अनुशासनात्मक कार्रवाई से गुजर चुके हैं।

कोर्ट में वारदात के बाद में सिक्योरिटी पर सवाल

कोर्ट परिसर मे गोली चलने के बाद में सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां लोग न्याय पाने और सुरक्षा की उम्मीद को लेकर जाते हैं। वहीं पर अगर जान जाने लगे तो सिक्योरिटी पर सवाल खड़े होने तो लाजमी हैं। आखिर इस तरह की लापरवाही कैसे हो सकती है कि कोर्ट में कोई आता है और अंदर ही गोली मारकर मर्डर को अंजाम देता है।

आधी रात को 55 यूक्रेनी ड्रोन ने हिला दिया रूस को

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन जंग को करीब ढाई साल बीत चुके हैं। व्लादिमीर पुतिन की सेना ने पूरे यूक्रेन को खंडहर में बदल दिया है। हालांकि इसके बावजूद भी वोलोडिमिर जेलेंस्की और उनकी आर्मी ने हार नहीं मानी है।

शुक्रवार देर रात को यूक्रेन आर्मी ने रूस पर ऐसा हमला किया, जिसे पुतिन एंड कंपनी इतनी आसानी से भूल नहीं पाएगी। दरअसल, यूक्रेन की आर्मी एक-दो, पांच या 10 नहीं पूरे 55 ड्रोन एक साथ रूस की हवाई सीमा में दाखिल हुई। इन ड्रोन की मदद से यूक्रेन की सेना ने रूस के रोस्तोव शहर में जमकर तबाही मचाई। इन हमलों से शहर के लोगों में दहशत फैल गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए रूस ने पूरे राज्य में इमरजेंसी की घोषणा कर दी।

एक-साथ घुसे और जमकर दागे गोले

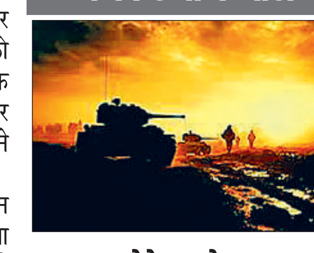

फ्यूल स्टोरेज को पहुंचा नुकसान

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की खबर के मुताबिक रूस के रोस्तोव शहर के फ्यूल स्टोरेज डिपो को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। ईंधन में आग लगने के कारण तबाही का मंजर और भी विक्राल हो गया। शनिवार दोपहर तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका। रोस्तोव के गवर्नर के अनुसार हमले में कोई घायल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि रोस्तोव में मोरोजोव्स्की जिले में भी स्कूल और रेजिडेंशियल बिल्डिंग सहित कई फैक्ट्रियों को नुकसान पहुंचा है।

तीन रूसी क्षेत्रों पर यूक्रेन का अटैक

उधर, यूक्रेन की सेना ने शनिवार को कहा कि उसने रूस के मोरोजोवस्क एयरफ़ील्ड और तीन रूसी क्षेत्रों में कई तेल डिपो और स्टोरेज यूनिट पर रात भर हमला किया था। यूक्रेन ने इस साल रूसी तेल फेसिलिटी पर हमला करने के लिए लंबी दूरी के ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ा दिया है। रीजनल गवर्नर ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन के ड्रोन ने रूस के बेलगोरोड क्षेत्र में एक सैन्य डिपो डिपो पर भी हमला किया। हालांकि वहां कोई भी घायल नहीं हुआ।

अहमद शाह अब्दाली के राजनीतिक वंशज हैं शाह', उद्धव ठाकरे का गृह मंत्री पर हमला

- पुणे में रैली को किया संबोधित

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आगामी विधानसभा चुनावोंसे पहले शनिवार को पुणे में एक रैली में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के नेता उद्धव ठाकरे ने गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला किया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री कहा कि वो अहमद शाह अब्दाली के राजनीतिक वंशज हैं। महाराष्ट्र के पुणे में उन्होंने कहा कि आज से मैं अमित शाह को अब्दाली ही बोलूंगा। अगर आप मुझे नकली संतान बोलोगे तो मैं तुम्हें अब्दाली बोलूंगा।

नीतीश-चंद्रबाबू का हिन्दुत्व कैसा : उद्धव : शिवसेना प्रमुख ने आगे कहा, नीतीश कुमार, चंद्र बाबू नायडू हिंदुत्ववादी व्यक्ति हैं क्या? अमित शाह बताएं उनका हिंदुत्व कैसा है? अब्दाली का वंशज पुणे में आकर बोल के गया। अमित शाह को संघ का हिंदुत्व मान्य है क्या? बीजेपी ने सत्ता जिहाद शुरू किया है। सत्ता जिहाद का मतलब सरकार बनाने के लिए इंसान चुराया जाता है, उसे सत्ता जिहाद कहते हैं।

उद्धव बोले- आप रहेंगे या मैं रहूंगा

ठाकरे ने कहा आपने कहा कि मेरे साथ खिलवाड़ मत करो। आपके पास इतनी क्षमता नहीं है कि हम आपके साथ खिलवाड़ कर सकें। ठाकरे ने कहा, जो लोग विनाश करते हैं, वे सत्ता में नहीं रह सकते। इसलिए मैं कहता हूं कि या तो आप रहेंगे या मैं रहूंगा।

आतंकियों के हिमायती 5 पुलिसकर्मियों सहित 6 अधिकारी किए गए बर्खास्त

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शनिवार को कथित नार्को-आतंकवाद संबंध के लिए पांच पुलिसकर्मियों सहित छह सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उन्हें सेवा से बर्खास्त करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने बताया कि जांच से पता चला है कि ये कर्मचारी पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई और उसकी धरती से सक्रिय आतंकवादी समूहों द्वारा संचालित नार्को-आतंकवादी नेटवर्क का हिस्सा थे। एक अधिकारी ने बताया, "पांच पुलिसकर्मी और एक शिक्षक सहित छह सरकारी अधिकारी मादक पदार्थ की बिक्री के जरिए आतंकवाद के वित्तपोषण में संलिप्त पाए गए।" उनकी पहचान हेड कांस्टेबल फारूक अहमद शेख, कांस्टेबल खालिद हुसैन शाह, कांस्टेबल रहमत शाह, कांस्टेबल इरशाद अहमद चालकू, कांस्टेबल सैफ दीन और सरकारी शिक्षक नजम दीन के रूप में हुई है। पिछले महीने दो पुलिस कांस्टेबलों सहित चार सरकारी कर्मचारियों को नार्को आतंकवाद में कथित संलिप्तता के कारण बर्खास्त कर दिया गया था।

मुख्यमंत्री मान को नहीं मिली पेरिस जाने की अनुमति

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को उनके पेरिस दौरे के लिए पॉलिटिकल क्लीयरेंस नहीं दिया है। सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भगवंत मान को भारतीय हॉकी टीम को सपोर्ट करने के लिए पेरिस जाना था लेकिन केंद्र सरकार द्वारा उन्हें पॉलिटिकल क्लीयरेंस नहीं मिला है। भगवंत मान के पास डिप्लोमेटिक पासपोर्ट है। उन्हें तीन अगस्त से नौ अगस्त के लिए पेरिस जाना था। उनके इस पेरिस दौरे का मकसद चार अगस्त को होने वाले भारतीय हॉकी टीम के क्वार्टर फाइनल मैच में टीम इंडिया का सपोर्ट करना था।

हालांकि मान ने हॉकी कैप्टन हरमनप्रीत सिंह से फोन पर बात कर टीम की हौसला आफजाई की। उनकी तरफ से पेरिस विजिट के लिए पॉलिटिकल क्लीयरेंस मांगी गई थी। सूत्रों के हवाले से दी गई जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा भगवंत मान को इसलिए इजाजत नहीं दी गई क्योंकि उनके पास जेड प्लस सिक्योरिटी है। इस शॉर्ट नोटिस पर यह संभव नहीं है कि उनके लेवल की सिक्योरिटी अरेंज की जा सके।

ट्रांसजेंडर, समलैंगिक को रक्तदान से बाहर रखने पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर, समलैंगिक व्यक्तियों और यौनकर्मियों को रक्तदान से बाहर रखने के केंद्र सरकार के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने केंद्र को नोटिस जारी किया।

साथ ही राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद से भी जवाब मांगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने यह आदेश शरीफ डी रंगनेकर की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया।

याचिका में क्या दी गई है दलील?

अधिवक्ता इबाद मुश्ताक के जरिए दायर याचिका में कहा गया है कि इस तरह का पूर्ण प्रतिबंध भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 17 और 21 के तहत संरक्षित समानता, सम्मान और जीवन के अधिकार का उल्लंघन है।

क्या है मामला?

11 अक्टूबर, 2017 को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों, महिला यौनकर्मियों और पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों को रक्तदाता बनने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया है। प्रतिबंधित इस आधार पर किया गया कि ट्रांसजेंडर, समलैंगिक पुरुष और यौनकर्मी गंभीर यौन संचारित रोगों के जोखिम में हैं।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

टीचर

आवश्यकता है- लेडी इंचार्ज, क्लर्क, स्पोर्ट्स टीचर, अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम में- बायो, साइंस, फिजीक्स, केमिस्ट्री, इंगलिश एवं प्रायमरी में पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं, ड्राईवर, आया की आवश्यकता। साक्षात्कार 05.08.2024, प्रातः 9:30बजे, **रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानी टंकी के पास खमतराई, 9826198065, 07712252855.**(RO-7499)

आवश्यकता है- हिंदी माध्यम 12वीं तक सहायक प्राचार्य 1 पार्ट टाइम/ फुल टाइम टीचर, आया मदर चाहिए वेतन, निवास अन्य सुविधायें योग्यतानुसार, अनुभवी, संस्कारी शाकाहारी शादीशुदा निकटतम निवासी प्रत्याशी ही **संपर्क करें गौकर्ण हा.से. स्कूल सेजबहार धूसेरा रायपुर छत्तीसगढ़ 9977604440 सुबह 10 से 01 बजे तक** (RO-6046)

आवश्यकता है- Computer Teachers for MS-Office,Tally, C++, Photoshop. ICST Computer Education, Nahar Road, Santoshi Nagar, Raipur, Contact- **6266529207** (RO-6045)

ड्रायवर

आवश्यकता है- आशीर्वाद किराया भंडार में पंडाल कार्य हेतु मेहनती ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन 10,000/- समय 9:00 से 8:30 तक **पता- ब्राह्मण पारा, सोहागा मंदिर रायपुर मोबाइल नंबर - 9826182338** (RO-A)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- फैक्टरी में बोलेरो एवं टाटा एस चलाने हेतु अनुभवी ड्राईवर की आवश्यकता है। **पता- कविता पालिमर उरकुरा रेल्वे स्टेशन भनपुरी रायपुर 7828656506.** (RO-1732)

घरेलू कार्य

आवश्यकता है- बच्चा संभालने हेतु एवं घर कार्य हेतु 24 घंटे की बाई चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। **स्थान: तेलीबांधा, रायपुर सम्पर्क करे:- 9575042814.** (RO-2910)

घरेलु/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- घरेलू कार्य, एवं ऑफिस में कॉलिंग कार्य हेतु अलग- अलग लड़की /महिला चाहिए टाइम 9 से 7 खाना रहना फ्री पार्ट/फुल टाइम **पता: गोकुल टावर, गोगांव नियर, अशोकनगर गुढ़ियारी रायपुर 9039321951.**(RO-2912)

अकाउन्टेंट

आवश्यकता है- एग्रो प्रोडक्ट्स के ऑफिस में कार्य हेतु अनुभवी एवं GST के जानकार फुल टाइम एकाउंटेंट की आवश्यकता है वेतन 18000/- से 20,000 के अंदर **सम्पर्क करें मोबाइल नंबर:- 9826188395, 6395581060.** (RO-2914)

आवश्यकता है- कलेक्शन एजेंसी को भिलाई में (1)अकाउंटेंट पद 05, वेतन-(10000-25000) (2) टेलिकॉलर पद 20 ,वेतन (7000-12000) (3) ऑफिस बॉय पद 02 वेतन - 8000 +TA (4) फील्ड एग्जीक्यूटिव पद 10, वेतन 10000 +TA Contact : **7611107560, 9589049626, इ जेनेसिस, 4 /16 दक्षिण गंगोत्री, भिलाई.**(SP/883)

हरिभूमि क्लासीफाईड

दुकान कार्य

आवश्यकता है- न्यू टिम्बर मार्केट, रायपुर स्थित हार्डवेयर दुकान में काम करने हेतु स्टाफ की आवश्यकता। सैलरी 9000 महीना । **संपर्क- 7987974445.** (RO-14)

सेल्समैन

आवश्यकता है- रायपुर व दुर्ग जिले में किर्लोस्कर पंप विक्रय हेतु सेल्समेन की आवश्यकता है, **सम्पर्क: निर्मल सेल्स, मो. 7566578910.** (RO-7498)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु युवक एवं युवतियों की आवश्यकता है। संतोषी नगर रायपुर वेतन 15000/- से 25000/- **संपर्क करें 9343953264, 6232114982.**(RO-6048)

अतिशीघ्र आवश्यकता- ऑफिस एवं टैलीकालिंग कार्य हेतु युवक की, योग्यता 10वी, 12वी, स्नातक, सैलरी- 10,000/- + कमीशन + बोनस + इन्सेंटिव + रहना फ्री + काम के आधार पर प्रमोशन ट्रेनिंग बाद 15,000/- - 20,000/- कमाने का मौक - **9039470547, 8815522974.**(RO-377)

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18-28 वर्ष के 10वी, 12वी, स्नातक अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 10000+ रहना, खाना फ्री ट्रेनिंग पश्चात 20000 से 25000 शीघ्र **सम्पर्क करें- 8871422576, 9981576163.** (RO-35016)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

सिक्योरिटीगार्ड

वश्यकता है- ''होटल'' जेलरोड, तेलीबांधा हेतु सुपरवाइजर 8, सुरक्षा गार्ड 45, लेडी गार्ड 8, ड्राइवर 8, कंप्यूटर ऑपरेटर 10, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर (आवास एक टाइम भोजन फ्री गार्ड हेतु) वेतन 11000/- से 15000/- **संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED 434 चतुर्थतल प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर मोबाइल नंबर:- 7746000016, 7747000019.** (RO-2915)

हेल्पर

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री। **पता- बंजारी मंदिर के पास, रावाभाटा, रायपुर, 7471176423.**(RO-34982)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- शीघ्र एक लिथियम बैटरी कंपनी में इलेक्ट्रिकल सोल्डरिंग और बैटरी वेल्डिंग के कौशल वाले लोगों की, विश्वसनीय, कुशल और विविध कार्यों को करने के लिए तैयार। **संपर्क 9691359470, कंपनी: वैष्णवास एनर्जी, कार्य स्थान: भिलाई-3** (RO-18178)

Property प्रापर्टी

बेचना है- जामुल दुर्गा मंदिर के पास 1600 वर्गफीट डबल स्टोरी 3 दुकान के साथ, कैलाशनगर में 60×40 , इंदिरानगर दुबे पशुआहार के पास 1800 वर्गफीट,तीनों पूर्व फेसिंग प्लाट अतिशीध्र बेचना है। **संपर्क:- 9329011768, 7000340419.**(आरो नं.544)

उपकरण

बेचना है - नए पुराने कृषि उपकरण बेचना है 4 व्हील ट्रैक्टर ट्राली (मीडियम) 80,000=00 पैरा कट्टी डीजल 3 HP 35000=00 ग्रास कटर 5500=00 नया पावर ट्रिलर 3 HP 12000 वाइब्रेटर 10000=00 कृषक हितेषी दरें, कृपया शीघ्र **संपर्क करें:- 9977604440, 8962574128 पता- गौकर्ण परिसर ग्राम सेजबाहर- धुसेरा पुराना धमतरी रोड रायपुर** (RO-6047)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000- 50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट **संपर्क:- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 7477221345, 9977676447, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़- 7869755871.** (RO-2894)

मुस्लिम

वधू चाहिए- जाति मुस्लिम कुंवारा उम्र 51/हाइट5'9'', रंग गेहुआ,शिक्षा BA,तलाकशुदा, विधवा,कुंवारी लड़की चाहिए। **जाति बंधन नहीं है। मो.नं.- 9425253078.** (आरो नं - 261)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी... CLASSIFIED RATE CARD 15 जून 2024 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	450	550	500	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	400	500	480	150/- Sq cm
Bilaspur City	400	450	450	140/- Sq cm
Raipur All Edition	650	750	700	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	550	600	600	195/- Sq cm
All CG	900	1020	1000	310/- Sq cm
All CG + MP	1150	1500	1450	330/- Sq cm
All Edition	1550	1900	1800	380/- Sq cm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4

Colour 20% Extra Charge For Disply

SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. Single day Booking 100Rs. Extra.

ADVT. Booking time 10.30 am to 3.00 pm.

5% GST for All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	2800	2+1
Bhilai + Durg Edition	2600	5+3
Raipur Edition	4000	10+10
Bilaspur City	2200	15+18
Bilaspur Edition	3500	
All CG	5000	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	50000	80000	100000
Bilai + Durg Edition	45000	75000	95000
Bilaspur City	35000	65000	80000
Raipur All Edition	65000	110000	140000
Bilaspur All Edition	50000	90000	110000
All CG	100000	160000	200000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

तरकश
संजय के. दीक्षित

साहूकार मालामाल, और छत्तीसगढ़ियां...?

छत्तीसगढ़ में हायर एजुकेशन का एक शर्मनाक आंकड़ा सामने आया है। भारत सरकार की एजेंसी के अनुसार सूबे में 18 से 23 वर्ष के बीच सिर्फ 19.6 फीसदी युवा ही उच्च शिक्षा की देहरी तक पहुंच पा रहे हैं। इस श्रेणी में देश में नीचे तीसरे नंबर पर है छत्तीसगढ़। सबसे नीचे हैं असम। उसके बाद बिहार और फिर अपना छत्तीसगढ़। जिस राज्य के मानव संसाधन का ये हाल होगा...जहां 80 फीसद से अधिक यूथ उच्च तालिम से वंचित हों... उस राज्य की तरक्की की क्या उम्मीद की जा सकती है। असल में, मध्यप्रदेश के समय छत्तीसगढ़ का बुरा हाल तो रहा ही, राज्य बनने के बाद की सरकारों ने कभी स्किल डेवलपमेंट पर जोर नहीं दिया, सिवाय सरकार बनाने के लिए फ्री की चीजें बांटने के। अलबत्ता, फर्जी डिग्री बांटने वाले प्रायवेट कालेज, यूनिवर्सिटी खुलते गए और युवाओं की जेब काट मानव संसाधन का कबाड़ा करते गए। हद तो यह कि सरकारी शैक्षणिक संस्थानों की स्थिति जुदा नहीं है। 365 सरकारी कॉलेजों में एक भी प्रोफेसर नहीं हैं। लायब्रेरी, लेबोरेटरी ये सब तो दूर की चीजें हैं। ऐसा नहीं है कि राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ का विकास नहीं हुआ। डेवलपमेंट हुआ मगर एक खास सेक्टर में। स्टील, कोल, पावर, राइस और रियल इस्टेट में बूम आया और इससे जुड़े लोगों ने दिन-दुनी और रात चौगुनी टाइप तरक्की की। सूबे के सेठ-साहूकार मालामाल होते गए और आम आदमी नेताओं के मुंह से छत्तीसगढ़ियां...सबले बढ़ियां सुन गदगद होते रहे।

अंधा सिस्टम, ब्लाइंड अफसर,

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में 13 हजार से अधिक टीचर मक्खियं मार रहे हैं क्योंकि उनके पास कोई काम नहीं है...वे जोर-जुगाड़ या फिर धन के बल पर शहरों के उन स्कूलों में ठस गए हैं, जहां पहले से शिक्षक भरे पड़े हैं। दुर्ग शहर इसकी बानगी है, जहां एक मीडिल स्कूल में 90 बच्चों पर 11 शिक्षक तैनात हैं। दरअसल, छत्तीसगढ़ बनने के बाद पैसे और पहुंच के बल पर ये खेला प्रारंभ हुआ। चूकि दूरस्थ इलाकों में कंपीटिशन कम होता है इसलिए वहां अप्लाई करके पहले नौकरी हथिया लो और फिर स्कूल शिक्षा के खटराल अफसरों को भेंट-पूजा देकर शहरों में घर के पास ट्रांसफर करा लो। अब जरा सोचिए! जिस स्टेट में 13 हजार अतिशेष शिक्षक, वहां सालों से यह प्रचारित किया जाता रहा...स्कूलों में शिक्षकों की काफी कमी है। विधानसभा के हर सत्र में सवाल लगते हैं और मंत्री का जवाब आता है...इतने स्कूल शिक्षक विहीन हैं और इतने सिंगल टीचर के भरोसे चल रहे। बात सही भी है...एक तरफ शिक्षक स्कूलों में जबरिया कुर्सी तोड़ रहे और दूसरी तरफ गांवों के 300 स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं हैं तथा 5500 स्कूल सिंगल टीचर के भरोसे संचालित हो रहे। विष्णुदेव साय सरकार ने इसके लिए स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण करने का फैसला किया है। मगर देखना है कि सरकार इसमें कितना कामयाब हो पाती है। क्योंकि, स्कूल शिक्षा और हेल्थ में भ्रष्ट अफसरों और घाघ नेताओं की ऐसी पैठ है कि सरकारें सुधार के कदम वापिस खींच लेती हैं। लिहाजा, छत्तीसगढ़ में अगर स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण 80 परसेंट भी सफल हो गया, तो एक नजीर कायम होगा। क्योंकि, सिर्फ वोट बैंक के लिए नेताओं ने पांच हजार से अधिक ऐसे स्कूल खोलवा डाले हैं, जहां राष्ट्रीय मानक से आधे बच्चे भी नहीं हैं। कई स्कूल ऐसे हैं, जहां बच्चे चार-पांच हैं तो शिक्षक पांच-सात। चूंकि इस समय शिक्षा विभाग खुद मुख्यमंत्री के पास है। उन्होंने युक्तियुक्तकरण के लिए अफसरों को गो कह दिया है। इसलिए उम्मीद तो बनती है।

पुलिस को ट्रेनिंग

देश के कानून में कई अहम बदलाव किए गए हैं। इसके बारे में छत्तीसगढ़ में पुलिस अधिकारियों को अवगत कराने पुलिस मुख्यालय से लेकर जिलों तक ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए गए। मगर कोई काम नहीं आया...ट्रेनिंग पर खर्च किया पैसा बेकार गया। कई जिले के पुलिस अधिकारियों को यह भी नहीं पता कि पास्को में एफआईआर पहले किया जाता है या प्रारंभिक विवेचना। कई जिलों में पास्को जैसे संवेदनशील मामलों में जबदस्त लापरवाही की जा रही। पास्को में स्पष्ट है कि मामला गलत हो या सही, सबसे पहले एफआईआर करना है। अगर बच्ची के मां-बाप मुकदमा दर्ज नहीं करा रहे तो उनके खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज हो सकता है। पुलिस को अगर-मगर करना ही नहीं है। मगर छत्तीसगढ़ में पुलिस अधिकारी खुद ही जांच कर आरोपों को खारिज कर दे रहे। डीजीपी साब को इसे संज्ञान लेकर पास्को की संजीदगी के बारे में अफसरों को ट्रेनिंग की व्यवस्था करानी चाहिए।

छत्तीसगढ़ पुलिस, यूपी स्टाईल

यूपी में लंबे समय से यह परंपरा चली आ रही है...सावन में जब कांवर यात्री निकलते हैं तो स्टेट की पुलिस उनका स्वागत करती है...फूल बरसाती है। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में पिछले दिनों इसी तरह का दृश्य देखने में आया। एसपी के नेतृत्व में पुलिस अधिकारी कांवरियों को आरती उतार उन पर फूल बरसाये। पुलिस की इस नई और अटपटी परंपरा को देख छत्तीसगढ़ के लोगों का चौंकना स्वाभाविक था। वो इसलिए कि यूपी का अनुसरण ठीक नहीं। कम-से-कम फोर्स को जाति, धर्म से अलग रखना चाहिए। हाल ही में बलौदा बाजार में तोड़फोड़ और आगजनी की घटना हुई, उसमें भी पुलिस और जाति को लेकर कुछ बातें हुई थीं। खैर, कवर्धा पुलिस ने जिस तरह से और जैसे भी किया...उसकी फोटो हजम नहीं हुई।

कलेक्टरों की एक लिस्ट और

सरकार ने 20 आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया या फिर उनकी जिम्मेदारियों में बदलाव किया। इनमें कोरिया, महासमुंद और बीजापुर के कलेक्टर भी बदले गए। हालांकि, कलेक्टर बनने वालों की सूची में सर्वेश भूरे, कुंदन कुमार, चंदन कुमार, ऋतुराज रघुवंशी जैसे और आईएएस अफसरों के नाम थे। मगर ऐन वक्त पर सरकार ने तय किया कि फिलहाल तीन ही कलेक्टरों को बदल जाए। इस चक्कर में बाकी का मामला गड़बड़ा गया। महासमुंद कलेक्टर प्रभात मलिक का गुड गर्वनेंस में अत्यधिक दिलचस्पी दिखाना आ बैल मुझे मार...जैसा हाल हो गया। सरकार ने उन्हें कलेक्टरी के ट्रेक से वापिस बुला गुड गर्वनेंस में ज्वाइंट सिकरेट्री बना दिया। हालांकि, उन्हें चिप्स के सीईओ का दायित्व दिया गया है। लेकिन, कलेक्टरी तो चली गई। इसको लेकर ब्यूरोक्रेसी में चुटकी ली जा रही है। दरअसल, अब के आईएएस को कलेक्टर से नीचे कोई पोस्टिंग पसंद नहीं आती। उपर से गुड गवर्नेंस...। अरे भाई जब गवर्नेंस गुड हो जाएगा तो नौकरशाहों को पइसा-कौड़ी कहां से मिलेगा...इसलिए जितने दुखी प्रभात मलिक नहीं होंगे, उनसे अधिक उनकी गुड गवर्नेंस की पोस्टिंग पर दूसरे आईएएस परेशान हैं। बहरहाल, एकाध महीने में फिर एक लिस्ट निकल सकती है। मुंगेली और जगदलपुर कलेक्टर भी बदेलेंगे या फिर इधर-से-उधर किए जाएंगे। लिस्ट में नाम जशपुर कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल का भी था, मगर अब सुनने में आ रहा कि नगरीय निकाय चुनाव तक रवि को जशपुर में ही रखने का फैसला किया गया है।

एक प्लस, एक माइनस

आईएएस अधिकारियों के फेरबदल में एसीएस मनोज पिंगुआ को एक हैंड दिया गया और दूसरे को ले लिया गया। मनोज के पास होम और हेल्थ है। उनके विभाग में किरण कौशल को कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन बनाया गया है। मगर होम से नीलम एक्का माइनस कर दिए गए। नीलम को बिलासपुर संभाग का कमिश्नर बनाया गया है। हालांकि, होम में अरुण गौतम हैं मगर उनके पास और दो-तीन चार्ज हैं। और फिर डीजी रैंक के आईपीएस। 92 बैच के सीनियर आईपीएस। बहरहाल, लगता है सरकार भी समझ गई है कि मनोज पिंगुआ का कंधा मजबूत है।

बस्तर आईजी डेपुटेशन पर

बस्तर के आईजी सुंदरराज लंबे समय बाद माओवादग्रस्त इलाके से लौट रहे हैं। वे करीब एक दशक से बस्तर में पोस्टेड हैं। इस दौरान थोड़े दिनो के लिए जरूर रायपुर लौटे थे मगर यहां भी उन्हें नक्सल विभाग ही मिला था। वे बस्तर में डीआईजी रहे और अब आईजी हैं। उन्होंने पिछली सरकार में भी डेपुटेशन के लिए अनुमति मांगी थी मगर बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान को देखते उन्हें एनओसी नहीं दिया गया। बहरहाल, पता चला है कि सुंदरराज को नई सरकार से एनओसी मिल गया है। उनकी एनआईए में पोस्टिंग हो रही है। सुंदरराज के प्रतिनियुक्ति पर जाने के बाद जाहिर है आईजी की एक लिस्ट जल्द ही निकलेगी। इसमें पांच में से तीन-से-चार पुलिस रेंज के आईजी बदल सकते हैं। पुलिस मुख्यालय में खाली बैठे एकाध आईजी का भी किसी रेंज में नंबर लग सकता है।

राप्रसे अधिकारियों को झटका

आईएएस अवार्ड के लिए पिछले दो बरस से संघर्ष कर रहे छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक अधिकारियों को अभी आईएएस अवार्ड के लिए और वेट करना होगा। उनके लिए 5 अगस्त को यूपीएससी में डीपीसी रखी गई थी। मुख्य सचिव समेत सभी अधिकारियों ने जाने की तैयारी कर ली थी। मगर मामला गड़बड़ा गया।

अंत में दो सवाल आपसे

1. कौन बनेगा बस्तर का नया पुलिस महानिरीक्षक?
2. सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए दक्ष कलेक्टरों का होना क्यों जरूरी होता है?

प्रदेश के छात्रावासों में दो हजार सीटों की होगी वृद्धि: मुख्यमंत्री साय

सीएम ने आरंग में किया 8 करोड़ से अधिक की लागत से बने पांच कन्या छात्रावासों का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को आरंग में 5 कन्या छात्रावासों का शुभारंभ किया। पांचों छात्रवासों के शुरू हो जाने से अनुसूचित जाति की 300 कन्याओं को पढ़ाई के लिए आवासीय सुविधा मिलेगी। इन छात्रावासों की लागत 8 करोड़ 6 लाख रुपए से ज्यादा है। मुख्यमंत्री ने पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रवास आरंग 100 सीटर लागत 174.67 लाख, प्री–मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रवास मंदिर हसौद 50 सीटर लागत 174.67 लाख, अनुसूचित जाति कन्या आश्रम आरंग 50 सीटर लागत 162.76 लाख, अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास आश्रम 50 सीटर लागत 162.76 लाख, नवीन प्री–मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास आरंग 50 सीटर लागत 152.97 लाख रुपए का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कन्या छात्रावास परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रामफल के पौधे का रोपण किया।

■ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने कन्या आश्रम में रोपा रामफल का पौधा

2 हजार सीटों की वृद्धि करने की घोषणा की : इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के सभी हॉस्टल, छात्रावासों में 2 हजार सीटों की वृद्धि करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने माइनर नगर वितरक शाखा क्र.–1 पोढ़ापार रसौटा तुलसी केशला के जीर्णोद्धार, आरंग एसडीएम और तहसील कार्यालय के कर्मचारियों के लिए आवास के निर्माण, आरंग रेस्ट हाउस का विस्तार और जीर्णोद्धार करने की घोषणा की। इस मौके पर विधायक गुरू खुशवंत साहेब की मांग पर भण्डारपुरी गुरुद्वारा परिसर के निर्माण के लिए 17 करोड़ की मंजूरी भी दी गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छात्रावास के लोकार्पण कर छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि इन भवनों के माध्यम से अनुसूचित जाति वर्ग की हमारी बेटियां सुविधापूर्ण तरीके से अपनी शिक्षा को जारी रख सकेंगी और अच्छी तरह पढ़–लिखकर अपने माता–पिता और हमारे प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। हमारी सरकार को कुछ ही माह हुए हैं, इतने कम समय में हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश की जनता को दी गई गारंटियों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। इस क्रम में आरंग विधानसभा के विकास के लिए भी हमने कम समय में 17 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमारी सरकार लगातार कार्य कर रही है।

छात्राओं को बड़ी सुविधा मिलेगी

मंत्री रामविचार नेताम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार समाज के बेहतरी, उत्थान और विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि इन कन्या छात्रावासों के शुभारंभ से छात्राओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भवन विहीन 180 छात्रावासों के बिल्डिंग निर्माण की स्वीकृति मिली है। वर्तमान में 180 में से 121 भवन के निर्माण के लिए 210 करोड़ रुपए का टेंडर भी लगा दिया गया है। 69 छात्रावास बिल्डिंग निर्माण के लिए निविदा भी अपलोड की जा रही है। प्रदेश के 295 भवनविहीन छात्रावास और आश्रम के भवन निर्माण के लिए भी हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

जारपल्ली के जंगल से दो नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत 2 अगस्त को थाना पामेड़ एवं कोबरा 204 की टीम ग्राम जारपल्ली एमपुर की ओर नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान पुलिस पार्टी ने जारपल्ली से 2 माओवादी को पकड़ा। पकड़े गये माओवादियों के कब्जे से टिफिन बम, माओवादी पर्चे, इलेट्रिक वायर बरामद किया गया। गट्टूपल्ली हुरैया 34 वर्ष निवासी जारपल्ली थाना पामेढ़, मड़कम हिड़मा 25 वर्ष निवासी जारपल्ली थाना पामेड़ के विरूद्ध पामेड़ में वैधानिक कार्यवाही उपरान्त न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय में पेश किया गया।

किसान के घर को क्षतिग्रस्त कर धान चट कर गया हाथी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

गरियाबंद के जंगलों से वापस लौटकर बीती रात एमई 31 दंतैल ग्राम कोना की बस्ती में घुसकर एक किसान के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया और वहां रखे धान को चट कर गया। हाथी के आबादी क्षेत्र में घुसने एवं घर में रखे खाद्य पदार्थो को निवाला बनाए जाने से ग्रामीणों में दहशत देखा जा रहा है।

फिलहाल हाथी का लोकेशन जीवतरा जंगल के कक्ष क्रमांक 78,79 में बताया जा रहा है। सूचना पर वन अमला मौके पर पहुंचकर हाथी के मूवमेंट पर नजर बनाए हुए है। बता दें कि तीन हाथियों का दल 14 जुलाई को वन विकास निगम के कक्ष क्रमांक-131, 132, 133 में देखे गए थे। जिसमें एक छोटा हाथी एमई-2 (बबलू) और दो दंतैल थे। उक्त हाथी बलौदाबाजार से विचरण कर इधर आए थे, जो पखवाड़ेभर तक सिरपुर क्षेत्र में विचरण कर रहे थे। बाद वे सभी गरियाबंद जंगल में चले गए। इधर, गरियाबंद से एक हाथी एमई 31 गुरूवार रात महासमुंद जिले में प्रवेश किया। उक्त दंतैल शुक्रवार रात ग्राम कोना की बस्ती में घुस गया और किसान दशरथ खड़िया के घर की दीवार गिरा दी और वहां रखे दो बोरी धान को चट कर गया। किसान के घर की दीवार गिरने से वहां रखे दो साइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। दंतैल के आवक के बाद से ग्राम जीवतरा, धनसुली, कोना, बकमा, केशवा, बोरियाझर और कोसरंगी के आसपास के ग्रामीणों को सतर्क करने वन विभाग ने अलर्ट जारी किया है।

SWACHH SURVEKSHAN #Mera Shahar, Meri Pehchan 2024 | TULIP

नगर पालिक निगम जगदलपुर, जिला बस्तर (छ.ग.)
स्वच्छ भारत मिशन- शहरी 2.0

क्रमांक/1970/ न.पा.नि./स्वा.शाखा/2024 दिनांक 26/07/2024

// आवश्यकता//

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जारी दिशानिर्देशों के अनुक्रम में राज्य के समस्त नगरीय निकायों में बी.टेक. / बी.ई. स्नातक आवेदकों से Swachh TULIP कार्यक्रम अन्तर्गत TULIP INTERN TRAINEE हेतु निम्नानुसार आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं :-

ईंटर्नशिप की अवधि	आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	एकमुश्त देय राशि	आवश्यक INTERN TRAINEE की संख्या	संपर्क (मो. नं.)
12 सप्ताह	05/08/2024	4500.00	05	9171352548,9770577800

इच्छुक अभ्यर्थी अपना ऑनलाईन आवेदन https://internship.aicte-india.org/ में जमा कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी / पात्रता इत्यादि हेतु उपरोक्त मोबाईल नंबर से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
केवल ऑनलाईन आवेदन ही स्वीकृत किये जावेंगे।

आयुक्त
नगर पालिक निगम जगदलपुर

नेशनल दिव्यांगजन फाइनैंस एंड डिवैल्पमेंट कारपोरेशन
(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार) यूनिट नंबर 11 और 12, ग्राउंड फ्लोर, डीएलएफ प्राइम टॉवर, ओखला फेज– I, नई दिल्ली –110020

रायपुर में ''दिव्य कला शक्ति–दिव्यांगजन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम'' के लिए कोरियोग्राफर और दिव्यांग प्रतिभागियों के चयन के लिए विज्ञापन

22.08.2024 को रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले 'दिव्य कला शक्ति–दिव्यांगजन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम' में भाग लेने के लिए अनुभवी कोरियोग्राफरों और दिव्यांग प्रतिभागियों से व्यक्तिगत या समूह के रूप में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन हमें **09.08.2024** तक मिल जाने चाहिए। अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.ndfdc.nic.in** पर जाएँ या +91 9355726880 पर संपर्क करें।
'दिव्य कला शक्ति–दिव्यांगजन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम' का आयोजन भारत के 10 अन्य स्थानों पर भी किया जाएगा।

हस्ताक्षर
दिनांक : 02.08.2024 महाप्रबन्धक (प्रशासन), एनडीएफडीसी

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।

HMS घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और ...
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/एस.ई.सी. रेलवे, नागपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए नीचे उल्लिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित करता है।
ई-निविदा सूचना : एसटी-टीटीआर टीडब्लूएस - 14नं-दुर्ग-एन-24 दिनांक: 30.07.2024
कार्य का नाम: एस.ई.सी.आर. के दुर्ग-नागपुर खंड में थ्रू ट्रैक नवीनीकरण (टी.डब्लू.एस. स्थापना के साथ) के संबंध में एस.एंड.टी. कार्य - 14 नं. (पीडब्ल्यूपी आयटम संख्या 379/31 वर्ष 2016-17)। **निविदा मूल्य (रु.):** 79,18,295.00/- **बिड सुरक्षा** : रु. 1,58,400.00/- **समापन अवधि** : 18 (अठारह महीने)। **निविदा प्रस्तुत करना:** बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ 23/08/2024 को 15.00 बजे तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। विस्तृत जानकारी हमारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल सिंग्नल एवं दूरसंचार इंजी.
AAA/07/73 द.पू.म. रेलवे, नागपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सिगनलिंग कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या: 732-जीबी-सम्मेलन/01, दिनांक: 29.07.2024.
कार्य: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ग्रीन भवन में ऑडियो और वीडियो समाधान (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण) की आपूर्ति एवं निष्पादन और बिलासपुर मंडल के बिलासपुर एलएचबी रैक परीक्षा और रखरखाव भवन में नेटवर्क और टेलीफोन प्रावधान का कार्य करना है। **निविदा मूल्य:** ₹ 4,03,78,370.03. (₹ चार करोड तीन लाख अठ्हत्तर हजार तीन सौ सत्तर एवं तीन पैसे मात्र)। **अमानत राशि:** ₹ 3,51,900/-. (₹ तीन लाख एकावन हजार नौ सौ मात्र)।
निविदा बंद होने की तिथि: 19.08.2024 को 11:00 बजे तक।
उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु, मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, निर्माण, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।

उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार/इंजी./
सीपीआर/10/174(निर्माण)/II/बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल
एनेक्जर–A

कार्य विवरण:– कोचों की साइड की दीवार की पूरी बाहरी सतह पर विज्ञापन और 23 वर्ग मीटर प्रति कोच अनुबंध में आंतरिक विज्ञापन के निविदा आबंटन हेतु ई–नीलामी

कोचों की साईड की दीवार की पूरी बाहरी सतह पर विज्ञापन और 23 वर्ग मीटर प्रति कोच अनुबंध में आंतरिक विज्ञापन के ठेके लिये ई–नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटेलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार है:–

कैटेलॉग क्र.	श्रेणी	नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
MA-MISC1	[Advertising -Train Interior and Exterior)	07-08-24 15:00:00	ADVT. IntExt-131162-22-1 ADVT. IntExt-131166-22-1	कोचों की साईड की दीवार की पूरी बाहरी सतह पर विज्ञापन की अनुमति है और 23 वर्ग मीटर प्रति कोच अनुबंध में आंतरिक विज्ञापन की अनुमति है।	1826 दिनों

सहायक वाणिज्य प्रबंधक (गुड्स)
सीपीआर/10/PR/178 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर — 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania11@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre — मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल — छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल — डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified) — सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) — फोन: 0771-4044551 — समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ — प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मो. 9977247553

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)

डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Diabetes & Thyroid care centre — Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। — डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) — आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर — राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर — मो. 9039050422

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ — मो. 7999450384, 7042974029

वात रोग, स्त्री रोग, किडनी रोग — श्रीधर औषधालय एवं पंचकर्म केन्द्र — 76470-97309, 98279-66617

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

दस साल में सब पर भारी पड़े ये पांच म्यूचुअल फंड

मयूचुअल फंड में कई स्कीमों ने 10 साल में 24 से 29% रिटर्न दिया

- सभी ने 20,000 रुपये की एसआईपी को 10 साल में बनाया 1 करोड़
- म्यूचुअल फंड मार्केट में निवेशकों की लगातार बढ़ रही भागीदारी
- मिल रहा बढ़िया रिटर्न, एसआईपी सबसे ज्यादा पॉपुलर

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

अमीर बनना हर किसी का सपना है। हर कोई चाहता है कि वह कम से कम करोड़पति जरूर हो। इसके लिए हर आदमी तरह तरह के जतन कर रहा है। कोई बिजनेस तो कोई निवेश। हाल के वर्षों में देखने में आ रहा है कि म्यूचुअल फंड मार्केट में निवेशकों की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह हैं यहां मिलने वाला हाई रिटर्न है। म्यूचुअल फंड में भी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट (एसआईपी) प्लान ज्यादा पॉपुलर हो रहा है, जहां निवेशक एक साथ रकम लगाने की बजाए मंथली बेसिस पर अलग-अलग इंस्टालमेंट में निवेश कर सकते हैं। मयूचुअल फंड मार्केट में ऐसी कई स्कीम हैं, जिन्होंने बीते 10 साल में 24 फीसदी से 29 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। इसका मतलब यह हुआ कि इन योजनाओं में 20 हजार मंथली एसआईपी करने वाला हा व्यक्ति करोड़पति बन गया है। जबकि उनका कुल निवेश 25 लाख रुपये ही हुआ। हमने यहां ऐसी ही 5 इक्विटी स्कीम की जानकारी दी है। जिन्होंने लोगों को दस साल में करोड़पित बनाने का काम किया है। यानी इन स्कीमों ने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है।

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 24 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद करीब 94 लाख रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।

- मंथली एसआईपी : 20,000 रुपये
- ड्यूरेशन : 10 साल
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24%
- 10 साल में कुल निवेश : 25 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 94,04,779 रुपये (करीब 94 लाख रुपये)
- कम से कम एकमुश्त निवेश : 500 रुपये
- कम से कम एसआईपी : 500 रुपये
- कुल एसेट्स : 12,628 करोड़ रुपये (30 जून, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.69% (30 जून, 2024)

क्या है एसआईपी

सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूच्यूअल फंड्स द्वारा प्रस्तावित एक ऐसा निवेश का जरिया है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति एक निर्धारित रकम, नियमित अंतराल में म्यूच्यूअल फंड्स के किसी स्कीम में जैसे मासिक या त्रैमासिक, बजाय एक मुश्त रकम की अदायगी के, निवेश कर सकता है। यह किश्त 500 रुपये प्रति माह की मामूली रकम भी हो सकती है जो बहुत कुछ रेकरिंग डिपाजिट (आवर्ती जमा) से मिलती-जुलती है। ये इसलिए भी आसान है क्योंकि आप अपने बैंक को ये स्थाई अनुदेश दे सकते हैं कि आपके खाते से ये रकम हर माह डेबिट (निकासी) होता रहे। एसआईपी भारतीय म्यूच्यूअल फंड्स निवेशकों के बीच काफी लोकप्रिय हो चला है, इसलिए कि ये निवेशक को बाजारों के उथल-पुथल और समय गणना की चिंता से अलग रख एक अनुशाशित तरीके से निवेश में सहायता करता है। लम्बी अवधि के निवेश के लिए म्यूच्यूअल फंड्स द्वारा प्रस्तावित एसआईपी निवेश की दुनिया में क़दम रखने का यकीनन सबसे बढ़िया रास्ता हैं। निवेश से सर्वाधिक और श्रेष्ठ प्राप्ति के लिए, बेहद ज़रूरी है लम्बी अवधि के लिए निवेश हो, जिसका सीधा अर्थ यह कि आप जल्द से जल्द निवेश आरम्भ करें ताकि आपके लक्ष्य लाभ अधिकतम हों।

इन योजनाओं ने दिया बेहतर रिटर्न

क्वांट स्मॉल कैप फंड

क्वांट स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 29 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। यानी 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद 1.25 करोड़ रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।

- मंथली एसआईपी : 20,000 रुपये
- ड्यूरेशन : 10 साल
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 29.06%
- 10 साल में कुल निवेश : 25 लाख रुपये
- 10 वर्ष बाद एसआईपी की वैल्यू : 1,25,08,301
- कम से कम एकमुश्त निवेश : 5000 रुपये
- कम से कम उसआईपी : 1000 रुपये
- कुल एसेट्स : 22,967 करोड़ रुपये (30 जून, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (30 जून, 2024)

निप्पोन इंडिया स्मॉल कैप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 28.4 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद 1.20 करोड़ रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।

- मंथली एसआईपी : 20,000 रुपये
- ड्यूरेशन : 10 साल
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 28.4%
- 10 साल में कुल निवेश : 25 लाख रुपये
- 10 वर्ष बाद एसआईपी की वैल्यू : 1,20,57,370
- कम से कम एकमुश्त निवेश : 5000 रुपये
- कम से कम एसआईपी : 100 रुपये
- कुल एसेट्स : 56,469 करोड़ रुपये (30 जून, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (30 जून, 2024)

एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड

एचएसबीसी स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 24.30 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20,000 रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद करीब 1 करोड़ रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।

- मंथली एसआईपी : 20,000 रुपये
- ड्यूरेशन : 10 साल
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24.40%
- 10 साल में कुल निवेश : 25 लाख रुपये
- 10 वर्ष बाद एसआईपी की वैल्यू : 95,56,573
- कम से कम एकमुश्त निवेश : 5000 रुपये
- कम से कम एसआईपी : 500 रुपये
- कुल एसेट्स : 16,397 करोड़ रुपये (30 जून, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.65% (30 जून, 2024)

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

एसबीआई स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 24 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद करीब 94 लाख रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।

- मंथली एसआईपी : 20,000 रुपये
- ड्यूरेशन : 10 साल
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24%
- 10 साल में कुल निवेश : 25 लाख रुपये
- 10 वर्ष बाद एसआईपी की वैल्यू : 93,97,430
- कम से कम एकमुश्त निवेश : 5000 रुपये
- कम से कम एसआईपी : 500 रुपये
- कुल एसेट्स : 30,836 करोड़ रुपये (30 जून, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.59% (30 जून, 2024)

इंक्रीमेंट के पैसे एसआईपी में करते जाएं टॉप अप

अगर हाल फिलहाल में आपकी सैलरी में भी एनुअल इंक्रीमेंट हुआ है तो आप उन पैसों को रोजमर्रा के खर्च में लगाने की बजाए निवेश करें। इसके बाद 10,15 और 20 साल में आप देखेंगे की यह अमाउंट आपको मालामाल की देगा। हमेशा अपने पैसे का इसका इस्तेमाल आप अपने लिए फाइनेंशियल प्लानिंग में करें। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर मालामाल होना चाहते हैं तो टॉप अप एसआईपी आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। इसमें धीरे-धीरे निवेश करना शुरू करें और हर साल इसे बढ़ाते जाएं। आप देखेंगे कि कुछ ही समय में यह आपको मालामाल कर देगी। क्या हाल फिलहाल में आपकी सैलरी में भी एनुअल इंक्रीमेंट हुआ है। यह सालाना इंक्रीमेंट आमतौर पर सैलरी का 5 से 10 फीसदी या और अधिक भी हो सकता है। इसका मतलब है कि इंक्रीमेंट पाने वालों की सैलरी अब बढ़कर आ रही होगी या आएगी। आप इस इंक्रीमेंट के पैसों को किस तरह से देखते हैं। क्या इसे आप अपनी रोज की जरूरतों पर ही खर्च करना चाहते हैं, या इसका इस्तेमाल आप अपने लिए फाइनेंशियल प्लानिंग में करना चाहेंगे। अगर आप इन अतिरिक्त पैसों का सही इस्तेमाल करें तो लंबी अवधि में इसी 5 से 10 फीसदी इंक्रीमेंट से बड़ा कॉर्पस बना सकते हैं। इसके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी और हर साल उसमें टॉप अप बेहतर विकल्प है।

क्या है टॉप-अप एसआईपी

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश की ऐसी व्यवस्था है, जहां आप किसी स्कीम में अपना पैसा एक साथ लगाने की बजाए, मंथली बेसिस पर लगाते हैं। मंथली निवेश के लिए उस स्कीम के तहत मिनिमम या कितना भी अमाउंट फिक्स किया जा सकता है. वहीं हर साल बाद इस अमाउंट में इसके एक तय फीसदी रकम के साथ बढ़ोतरी करना टॉप-अप एसआईपी होता है।

एसआईपी टॉप अप क्यों करें

आमतौर पर समय के साथ साथ इनकम भी बढ़ती जाती है। अगर आप बढ़ी इनकम का एक छोटा हिस्सा निवेश के लिए निकालते रहें तो एक उम्र के बाद आप अपने कई फाइनेंशियल टारगेट पूरे कर सकते हैं। टॉप अप एसआईपी उनके लिए बेहतर विकल्प है जो धीरे धीरे निवेश करना शुरू करते हैं और आमदनी बढ़ाने के साथ ही निवेश में भी इजाफा करना चाहते हैं। पहली बार के और अनुभवी निवेशक दोनों ही स्टेप-अप एसआईपी का विकल्प चुन सकते हैं।

इसे ऐसे समझें

उदाहरण के लिए अगर आपने 5,000 रुपये मंथली एसआईपी से निवेश शुरू किया और 1 साल तक हर महीने 5,000 रुपये स्कीम में जमा होता रहा। वहीं, 13वें महीने इस पूरे साल के लिए (13 से 24 महीने के लिए) आपने इस अमाउंट में 10 फीसदी बढ़ोतरी का विकल्प चुन लिया। ऐसे में 13वें महीने से 5,000 रुपये की जगह 5,500 रुपये मंथली जमा होगा। फिर 25वें महीने यानी 2 साल पूरे होने पर आपने 5,500 रुपये का 10 फीसदी फिर निवेश के लिए बढ़ा दिया। टॉप अप एसआईपी में ऐसी बढ़ोतरी हर साल बाद की जाती है।

केस-1 : 10 साल के लिए एसआईपी टॉप-अप

- शुरुआती मंथली एसआईपी : 5,000 रुपये
- ड्यूरेशन : 10 साल
- अनुमानित रिटर्न : 12 फीसदी
- हर 1 साल पर 10% टॉप अप
- 10 साल में कुल निवेश : 9,56,245 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी वैल्यू: 16,87,163 (करीब 17 लाख रुपये)
- कुल फायदाः 7,30,918 रुपये (7.30 लाख रुपये)

केस-2 : 15 साल के लिए एसआईपी टॉप-अप

- शुरुआती मंथली एसआईपी : 5,000 रुपये
- ड्यूरेशन : 15 साल
- अनुमानित रिटर्नः 12 फीसदी
- हर 1 साल पर 10% टॉप अप
- 15 साल में कुल निवेशः 19,06,349 रुपये
- 15 साल बाद एसआईपी वैल्यू: 43,41,925 (करीब 43.50 लाख रुपये)
- कुल फायदाः 24,35,576 रुपये (24.35 लाख रुपये)

कई सपने पूरे कर सकती है एसआई

एसआईपी को आमतौर पर मार्गदर्शक सितारे की तरह माना जाता है, जो कुछ निवेशकों को घर के मालिक होने के सपने को पूरा करने में मदद करता है, जबकि अन्य इसे शादी, बच्चों की शिक्षा या सेवानिवृत्ति जैसे मील के पत्थर हासिल करने में मदद करने के लिए एक साधन के रूप में उपयोग करते हैं। एसआईपी की खूबसूरती यह है कि यह आपके निवेश की यात्रा में संरचना और अनुशासन लाने की उनकी क्षमता के साथ-साथ कुछ अन्य लाभ भी प्रदान करता है।

बजट से म्यूचुअल फंड के टैक्सेशन पर कैसा असर

आम बजट में फाइनेंशल असेट्स में कैपिटल गेन पर टैक्स में बदलाव

जानकारी
प्रतीक ओसवाल

म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने वालों के लिए बदलेंगे कुछ नियम

बजट में लोगों को कई सौगातें मिली, कुछ के लिए परेशानी भी

अगर आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं या करने जा रहे हैं तो यह खबर आपके लिए काफी जानकारी परक हो सकती है। दरअसल, हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट पेश किया है। इस बजट में लोगों को जहां कई सौगातें दी गई हैं, वहीं कुछ लोगों को इससे परेशानी भी हो सकती है। 60 लाख करोड़ रुपये से अधिक की असेट अंडर मैनेजमेंट के साथ रिटेल इंवेस्टर्स के लिए कैपिटल मार्केट में हिस्सा लेने के लिए म्यूचुअल फंड एक लोकप्रिय तरीका बन रहा है। नए बजट में फाइनेंशल असेट्स में कैपिटल गेंस पर लगने वाले टैक्सेस में बदलाव किया गया है। इससे म्यूचुअल फंड निवेशकों पर कुछ असर पड़ने वाला है। इस रिपोर्ट में हम कुछ ऐसी बातों की चर्चा करेंगे कि आम बजट का म्यूचुअल फंड निवेशकों पर क्या असर पड़ेगा। निवेश में क्या बदलाव आ सकता है।

आयकर नियमों के अनुसार, इक्विटी-ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड स्कीम्स में यूनिट्स की बिक्री से होने वाले लाभ पर अगर फंड का कम से कम 65% घरेलू शेयरों में निवेश करते हैं, तो डोमेस्टिक स्टॉक्स में खरीद के एक साल के भीतर सेल करने पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी) के रूप में और खरीद के एक साल के बाद बेचे जाने पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) के रूप में टैक्स लगाया जाएगा।

डेट स्कीम के लिए क्या बदलाव

बजट में डेट ओरिएंटेड स्कीम के लिए कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं है। निवेशकों को होल्डिंग अवधि के बावजूद इन स्कीम पर अपने इनकम स्लैब के अनुसार कैपिटल गेन टैक्स का भुगतान करना होगा। क्या किसी भी स्कीम के लिए इंडेक्सेशन सुविधा उपलब्ध है? बजट प्रस्तावों के अनुसार किसी भी म्यूचुअल फंड स्कीम के लिए इंडेक्सेशन सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। इससे पहले मल्टी-असेट और हाइब्रिड जैसी कैटिगरी में 35-65% इक्विटी रखने वाली कुछ स्कीम को इंडेक्सेशन का लाभ मिल सकता था। जो निवेशक इन स्कीम को कम से कम 24 महीने तक होल्ड करते हैं, उन्हें 12.5% की दर से एलटीसीजी टैक्स देना होगा। अगर वे 2 साल से पहले बेचते हैं, तो उन्हें अपने स्लैब रेट्स के अनुसार एसटीसीजी टैक्स देना होगा।

गोल्ड स्कीम के बारे में क्या

फंड ऑफ फंड्स (एमएफ जो अन्य फंड्स में निवेश करते हैं), इंटरनेशनल फंड्स (विदेशी इक्विटी में 35% से अधिक एक्सपोजर) और गोल्ड/सिल्वर फंड को डेट इंस्ट्रूमेंट के रूप में माना जाता था। अब, कम से कम 24 महीनों के लिए रखे गए नए निवेशों पर 12.5% का एलटीसीजी टैक्स लगेगा, जबकि 2 साल से कम की होल्डिंग अवधि पर स्लैब दर के अनुरूप एसटीसीजी टैक्स लगेगा।

बजट में क्या बदलाव

नए प्रस्तावों के अनुसार इक्विटी इंवेस्टर्स को एक फाइनेंशल ईयर में टैक्स-फ्री इनकम के रूप में अतिरिक्त 25,000 रुपये का लाभ मिलेगा, क्योंकि 1.25 लाख रुपये तक के एलटीसीजी पर 1 लाख रुपये से छूट मिलेगी। इक्विटी-ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड से एक फाइनेंशल ईयर में 1.25 लाख रुपये से अधिक के लाभ के लिए निवेशकों को पहले के 10% से 12.5% की दर से एलटीसीजी टैक्स का भुगतान करना होगा। एक साल के भीतर बिक्री के लिए एसटीसीजी टैक्स पहले के 15% के मुकाबले 20% है।

बजट में यह प्रावधान

केंद्रीय बजट 2024 में ऐसे बदलाव किए गए हैं जो म्यूचुअल फंड के लिए कर ढांचे को सरल बनाते हुए दीर्घकालिक निवेश पर जोर देते हैं। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए, बढ़ी हुई छूट सीमा कुछ राहत प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छोटे निवेशकों को लाभ मिलना जारी रहे। हालांकि, अल्पकालिक निवेशकों को अपनी कर देनदारियों को अनुकूलित करने के लिए अपनी रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। एलटीसीजी में 10 प्रतिशत से 12.5 प्रतिशत की वृद्धि के कारण निवेशकों को थोड़ा अधिक कर का भुगतान करना पड़ सकता है। एसटीसीजी को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने से अल्पावधि इक्विटी निवेशक प्रभावित होंगे, जिससे करों में वृद्धि होगी।

कौन से इक्विटी फंड कवर होंगे

जिन फंड में इक्विटी होल्डिंग कुल पोर्टफोलियो के 65% से अधिक है, उन्हें टैक्सेशन के लिए इक्विटी फंड के रूप में क्लासिफाइड किया जाता है। सभी इक्विटी स्कीम, आर्बिट्रेज फंड, बैलेंस्ड फंड (जिनमें आमतौर पर 65-75% इक्विटी और 25-35% डेट होता है) और इक्विटी सेविंग फंड (इक्विटी, डेट और आर्बिट्रेज) को टैक्सेशन के नजरिए से इक्विटी-ओरिएंटेड फंड के रूप में क्लासिफाइड किया जाता है।

घर खरीदना हर किसी के जीवन की बड़ी उपलब्धि

- सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक समेत कई कारक कर रहे प्रभावित
- खुद का घर खरीदने से पहले परिस्थितियों का मूल्यांकन करना जरूरी

सुझाव
बिजनेस डेस्क

घर खरीदना हर किसी के जीवन की बड़ी उपलब्धियों में एक होता है। घर खरीदने के फैसले को सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक सहित कई कारक प्रभावित करते हैं। ये कारक लोग, उनकी पृष्ठभूमि और परिस्थितियों के आधार पर काफी भिन्न होते हैं। पहले ज्यादातर लोग 40 से 50 साल की उम्र में अपने घर का सपना पूरा कर लेते थे। हालांकि बदल रहे आर्थिक परिवेश, शहरीकरण और बदलती लाइफस्टाइल में बदलाव के साथ घर खरीदने का यह पड़ाव भी बदल रहा है। होम लोन हासिल करने और खुद के सपनों का घर खरीदने पर आने वाले खर्चों को संभालने के लिए अच्छी और स्थिर कमाई का जरिया होना जरूरी है। बहुत से लोग अब 20 या 30 साल की उम्र में यह स्थिरता हासिल कर लेते हैं। अगर आप अपने सपनों के घर का मालिक बनने चाह रखते हैं, तो यहां समझ लीजिए कि आज की पीढ़ी लिए सही उम्र क्या है? डाउन पेमेंट घर खरीदते समय किया जाने वाला एक शुरुआती भुगतान है, जो आमतौर पर संपत्ति की कीमत का 20 फीसदी हिस्सा हो सकता है। डाउन पेमेंट के रूप में जमा की गई शुरूआती रकम जरूरी लोन अमाउंट को कम कर देती है और इस तरह से खुद का घर खरीदने के लिये गए लोन अमाउंट की शेष राशि चुकाने के लिए मंथली किस्त और लोन पर लागू कुल ब्याज लागत कम हो जाती है। जब डाउन पेमेंट के रूप में जमा की जाने वाली शुरूआती राशि अधिक हो तो, उसके लिए फंड का इंतजाम यानी बचत करने में ज्यादा वक्त लग सकता है, लेकिन ये कई फायदे देता है, जिनमें बेहतर लोन शर्तें, कम ब्याज दरें और कम रिस्क शामिल हैं। जो लोग अपने सपनों का घर खरीदने की सोच रहे हैं उन्हें डाउन पेमेंट के लिए बचत करनी चाहिए। यह अक्सर घर खरीदने की उम्र को 30 वर्ष से लेकर मध्य तक धकेल देता है।

स्थिर करियर : एक बार फैसला कर लिया कि आपको घर खरीदना है, तो यह समझ लीजिए कि घर खरीदना एक लंबी अवधि का निवेश होता है और कमाई का स्थिर जरिए जैसे बेहतर करियार लंबी अवधि के निवेश के साथ प्रतिबद्ध होने के लिए वित्तीय सुरक्षा और जरूरी पूर्वानुमान प्रदान करता है। कई लोगों के पास 30 साल की उम्र में स्थिर करियर होता है। उम्र के इस पड़ाव पर वे खुद को पेशेवर रूप से स्थापित करते हैं।

क्रेडिट स्कोर : एक अच्छा क्रेडिट स्कोर, जो आमतौर पर समय के साथ बनता है। बेहतर क्रेडिट स्कोर लोन की शर्तें पूरी करने के लिए जरूरी होता है। घर खरीदते की राह में क्रेडिट स्कोर काफी अहम भमिका अदा कर सकता है। क्रेडट स्कोर होम लोन को सुरक्षित करने की आपकी क्षमता और उसकी शर्तों के लिए प्रमुख रूप से प्रभावित करता है। क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच होता है। 750 से अधिक स्कोर अच्छा माना जाता है। किसी शख्स को कर्ज देने से पहले बैंक या वित्तीय संस्थान रिस्क का आकलन करने के लिए क्रेडिट स्कोर का इस्तेमाल करते हैं। अच्छा क्रेडिट स्कोर बताता है कि कर्ज के लिए अप्लाई किए शख्स ने जिम्मेदारी से वित्त को मैनेज किया है। उसने लिये गए लोन को वक्त पर चुकाया है। अच्छा क्रेडिट स्कोर लोन चुकाने की क्षमता के बारे में आश्वस्त करता है।

यह भी चाह : शादी और परिवार अक्सर घर खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं। बहुत से लोग उम्र के उस पड़ाव पर पहुंचने के बाद घर खरीदना पसंद करते हैं जब वे पैरेंट्स बनने की प्लानिंग करते हैं, आमतौर पर शुरुआती 30 साल की उम्र में। पर्सनल स्पेस की चाह युवा लोगों को घर खरीदने के लिए निवेश करने में प्रेरित कर सकती है। इस तरह की स्थिति ज्यादातर 20-30 साल की उम्र में महसूस हो सकती है।

प्रापर्टी की वैल्यू ध्यान रखें : रियल एस्टेट बाजार के रुख घर खरीदने के फैसलों को मुख्य रूप से प्रभावित करते हैं। तेजी से बढ़ते बाजारों में लोग तब तक खरीदारी में देरी कर सकते हैं जब तक कि उन्हें अनुकूल परिस्थितियां न मिल जाएं, अक्सर घर खरीदने की चाह मिड 30 साल की उम्र हो सकती है। हालांकि, भारत में प्रापर्टी की वैल्यू जगह और टाइप के आधार पर तय होती है। ऐसे में घर खरीदने की योजना करते समय जगह और प्रापर्टी टाइप को ध्यान में रखना चाहिए और घर खरीदने का फैसला लेते समय अपने बजट पर गौर करना चाहिए।

ब्याज दर

कम ब्याज दर होम लोन को अधिक सस्ती बना सकती हैं। सस्ते होम लोन युवाओं को करियर के शुरूआती स्टेज में घर खरीदने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। कम ब्याज दर वाले लोन चुकाने पर मंथली किस्त कम आती हैं। इसके उलट अधिक ब्याज दर वाले लोन चुकाने के लिए अधिक पैसे खर्च करने पड़ते हैं। घर खरीदारों को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई की नीतियों और बाजार के रुख पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि ये ब्याज दरों को प्रभावित करते हैं। कम ब्याज दर और कम टन्योर वाले लोन पैसे बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि कम टेन्योर वाले लोन की मंथली किस्त अधिक आ सकती है। होम के लिए अप्लाई करते समय टेन्योर और इंटरेस्ट रेट को ध्यान में रखना चाहिए।

ज्यादातर लोग इस उम्र में खरीदते हैं घर

इन तमाम पहलुओं पर विचार करने के बाद एक नसीहत दी जा सकती है कि भारत में ज्यादातर लोग 30 से 40 साल की उम्र में अपने सपनों का घर खरीदने का मन बना पाते हैं। दरअसल उम्र के इस दहलीज पर लोगों के पास वित्तीय स्थिरता, वेल सेटल करियर और फैसला करने को लेकर बैलेंस बनाने खुद को सक्षम पाते हैं। साथ ही 20 से 30 साल के स्थिर करियर को रखकर सही फैसले पर आगे बढ़ पाते हैं।

मित्रता दिवस आज

आवरण कथा
डॉ.मोनिका शर्मा

दोस्ती बहुत प्यारा रिश्ता होता है। यही रिश्ता है, जो हमें पारिवारिक रूप से नहीं मिलता, हम स्वयं अर्जित करते हैं। लेकिन दोस्त हम सभी के जीवन में बहुत मायने रखते हैं। इसलिए दोस्ती के रिश्ते को बनाने, इसे निभाने और संजोने में समझदारी के साथ भावनाओं का शामिल होना जरूरी होता है। तभी तो सच्चे दोस्त, ताउम्र साथ रहते हैं।

दोस्ती मन से जुड़ा प्यारा रिश्ता

भावनाओं से भरे दिलों के तार जोड़कर ही हम मित्रता के रिश्ते का ताना-बाना बुनते हैं। अहसासों से गुंथे इस साझे साथ में सच्चे जुड़ाव की भूमिका सबसे अहम है। एक-दूजे के लिए वह ईमानदार भाव-चाव, जो आपसी समझ का पुख्ता धरातल बनाए। मन से चुने इस संबंध को स्नेह से सींचने की जरूरत होती है। देखने में आता है कि अब दोस्त तो बहुत हैं पर दोस्ती कम हुई है। मित्रता से जुड़ी संवेदनाएं फीकी पड़ रही हैं। जरूरी है कि बनावटी-दिखावटी बर्ताव से परे इस रिश्ते में साझे सुख वाली सच्ची संवेदनाओं की जगह बनी रहे।

सच्चे मन से हो जुड़ाव

दोस्ती, भरोसे भरे स्नेह और शेयरिंग पर टिकी होती है। इस रिश्ते में लेने से ज्यादा देने का भाव जरूरी है। परवाह और प्रेम से भरा दुनिया का सबसे प्यारा लेन-देन इस रिश्ते में ही होता है। खुद से ज्यादा अपने मित्र का मन समझने की कोशिश की जाती है। आज के दौर में इन भावनाओं से दूरी बढ़ी है। बगैर किसी स्वार्थ के मित्र बनाने और दोस्ती निभाने की सोच गुम होती जा रही है। ऐसे में दोस्ती के सच्चे भाव से जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए। मित्रता में फील गुड फैक्टर होना बेहद जरूरी है। सच्चा मित्र हर हाल में हिम्मत बढ़ाकर प्रोत्साहन देता है। परिस्थितियों के मुताबिक खरी-खरी कहकर सचेत भी करता है। दिल से जुड़ने वाले फ्रेंड्स हर आपा-धापी के बीच भी एक-दूजे के लिए समय निकालते हैं। बेवजह की आलोचना या प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि साथ-साथ आगे बढ़ने के मनोभाव रखते हैं। हंसने-खिलखिलाने से लेकर दुख-दर्द साझा करने तक अपनेपन का एहसास, यही दिलों को जोड़कर रखता है। सच्चे मन से अपने मित्र से जुड़े बिना यह सुख और सहजता नहीं आती।

स्नेह ही नहीं निष्ठा भी जरूरी

दोस्ती में प्यार-मनुहार ही नहीं वफादारी भी जरूरी होती है। भावनात्मक सहारा देने के नाम पर व्यक्तिगत जीवन की भावनाओं को कुरेदने वाले मित्र नहीं होते हैं। दोस्तों को सच्चा हमदर्द बनना चाहिए। उलझन या पीड़ा के दौर में तो भरोसेमंद दोस्ती और जरूरी हो जाती है। दिल खोलकर बात करने वाले दोस्त की बातें खुद तक ही रखने वाले दोस्त केवल प्यार जताने वालों से बेहतर होते हैं। दूसरे संबंधों की तरह इस रिश्ते में भी प्रतिबद्धता जरूरी है। पीठ-पीछे बुराई करने, अफवाह फैलाने वाले लोगों के साथ किसी की दोस्ती ज्यादा दिन नहीं चल सकती। अपने मित्र के व्यक्तिगत जीवन में झांकने के लिए भी कुछ नैतिक मूल्यों का पालन आवश्यक है। मित्रता के रिश्ते में दुराव-छिपाव नहीं होता पर मर्यादित व्यवहार बेहद आवश्यक है। इसीलिए अच्छे इरादों के साथ जुड़ने की सोच लिए 'फेयर वेदर फ्रेंड्स' बनने के बजाय भरोसेमंद मित्र बनाइए। दरअसल, दोस्ती की धोखेबाजी हमेशा के लिए मन-मस्तिष्क और आत्मा में घाव कर देती है। इस जज्बाती जुड़ाव में मिले जख्म जीवन भर नहीं भरते। निष्ठा का भाव मित्रता को टॉक्सिक होने से बचाता है।

कम हों लेकिन सच्चे हों दोस्त

यह सही है कि सोशल मीडिया के दौर में वर्चुअल दोस्ती ने फ्रेंड्स की संख्या बढ़ाने वाली सोच पैदा कर दी है, जबकि सच्चाई यह है कि जीवन के सफर में मिलने वाला हर इंसान हमारा दोस्त नहीं बन सकता। मशहूर लेखक बेंजामिन फ्रैंकलिन के मुताबिक, 'मित्र चुनने में धीमे रहो, बदलने में और भी धीमे।' उनके कहने का मतलब यही है कि मित्र बनाने में सावधानी और समझदारी बहुत जरूरी है। इसीलिए आभासी दोस्तों की बढ़ती संख्या के फेर में ना पड़ें। अपनेपन के अहसासों के बिना दोस्ती के कोई मायने नहीं। अमेरिकी लेखिका साराह डसेन ने कहा है, 'अगर आपके जीवनकाल में दो दोस्त हैं, तो आप भाग्यशाली हैं। यदि आपके पास एक अच्छा दोस्त है, तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।' यानी दोस्त भले कम हों लेकिन मन का जुड़ाव रखने वाले हों। यह भी कहा जाता है, 'मित्रता में कभी यह नहीं मायने रखता कि आप किसी को कितने लंबे समय से जानते हैं, बल्कि यह मायने रखता है कि कौन आपकी जिंदगी में आकर दुबारा कभी नहीं गया।' स्पष्ट है कि वर्चुअल दुनिया की दोस्ती में ऐसी समझ और टिकाऊपन नहीं होता है।

जरूर सीखें दोस्ती करना

मित्रता का जुड़ाव, अपने मित्र के दुनिया छोड़ देने के बाद भी नहीं छूटता। इसीलिए मित्र बनने-बनाने से पहले दोस्ती के सार्थक भाव से परिचय जरूरी है। चर्चित लेखक ओ. हेनरी के मुताबिक, 'दुनिया में दोस्ती को समझाना सबसे मुश्किल काम है। यह कोई ऐसी चीज नहीं है, जो आप स्कूल में सीखते हैं। लेकिन अगर आपने दोस्ती का मतलब नहीं सीखा है, तो आपने वाकई कुछ नहीं सीखा है।' इसीलिए मन से दोस्ती करना सीखिए। सच्ची दोस्ती रखना सीखिए। *

हमारी पर्सनालिटी गढ़ते

निखारते हैं हमारे दोस्त

जीवन के हर मोड़ पर दोस्त हमारा साथ देते हैं। हमारी खुशियों और तकलीफों में हमें दोस्तों का संबल मिलता है। लेकिन यही नहीं दोस्त हमारी पर्सनालिटी को भी गढ़ते और उसे संवारने में भी इंपॉर्टेंट रोल निभाते हैं।

महत्ता
मधु सिंह

हमारे जीवन में दोस्तों की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वे हमारे निर्णयों, हमारी सोच, हमारे खान-पान से लेकर पहनावे तक में हर जगह अपनी प्रभावशाली छाप छोड़ते हैं। जिसे कोई नहीं प्रभावित कर सकता, ऐसे जटिल लोगों को भी उनके दोस्त बहुत गहरे तक प्रभावित करते हैं। इसलिए माना जाता है कि दोस्त सिर्फ दोस्त नहीं होते, वो हमारे व्यक्तित्व का भी एक हिस्सा होते हैं। महान विचारक मार्क्स के बारे में एंगेल्स ने लिखा है कि उन्हें दो ही लोग विचलित कर सकते थे या तो उनकी पत्नी जेनी, जो पत्नी से ज्यादा उनकी दोस्त थीं या खुद मैं यानी एंगेल्स। गौरतलब है कि महान विचारक मार्क्स और एंगेल्स के बीच बहुत गहरी दोस्ती थी।

हम बन जाते हैं दोस्त जैसे: वास्तव में हमारे सच्चे दोस्त हमारी प्रेरणा तो होते ही हैं, वे हर बार हमें अपना महत्वपूर्ण समर्थन बिना किसी लालच और उम्मीद के देते हैं। हम जब भी कठिनाइयों में होते हैं, सबसे पहले हमें हमारे दोस्त ही सहारा देते हैं या हम सबसे पहले सहारे के लिए अपने दोस्त का ही कंधा तलाशते हैं। हमारी शख्सियत में हमारे दोस्त इसलिए महत्वपूर्ण हो जाते हैं कि हमें पता ही नहीं चलता कि हममें कब उनकी कौन-कौन सी आदतें, बिना कुछ कहे, बिना कुछ सोचे आ जाती हैं। जी हां, दुनिया में दो अच्छे दोस्तों के बीच 70 से 80 फीसदी आदतें और व्यवहार एक जैसे होते हैं। ऐसा उनकी दोस्ती गहराने के बाद हो जाता है। लेकिन यह बात उन दोनों को बरसों तक नहीं पता चलती। क्योंकि वे दोनों एक-दूसरे के व्यक्तित्व में दोस्ती के रसायन से घुल-मिल जाते हैं।

व्यक्तित्व करते हैं प्रभावित: दोस्तों के साथ बातचीत और चर्चा में हम अकसर अपने मूल्य गढ़ते हैं या उन्हें मजबूत बनाते हैं। दोस्त इसलिए हमारी शख्सियत का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। दो दोस्त हमेशा एक-दूसरे के दृष्टिकोण और विचारों को प्रभावित करते हैं और यह कहने की जरूरत नहीं कि जो विचार ज्यादा प्रभावशाली होता है, वही दोनों के व्यक्तित्व का हिस्सा हो जाता है, तब लोग मजाक में ही नहीं गंभीरता से कहते हैं कि ये दोनों तो बिल्कुल एक जैसे सोचते हैं और एक जैसे समझते हैं। हमारे दोस्त हमारी आत्म छवि को बहुत गहरे तक प्रभावित करते हैं, जो आत्म छवि अंततः हमारे व्यक्तित्व का प्रमुख हिस्सा होती है।

सीखते-सिखाते हैं दोस्त: सच्चे और अच्छे दोस्त हमेशा आपस में सीखते हैं और सिखाते भी हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि वे सीखने-सिखाने का माहौल पैदा करते हैं, जिससे वे हमारे व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाते हैं और हम भी उनके व्यक्तित्व में रच-बस जाते हैं, जिससे दोस्त ना सिर्फ हमारे व्यक्तित्व को प्रभावित करते हैं बल्कि हम भी उनके व्यक्तित्व को उसी तरह से प्रभावित करते हैं। समय बदलता है, सोच बदल जाती है और जरूरतें भी, लेकिन सामाजिक इतिहास इस बात की तस्दीक करता है कि समय बदलने के साथ ना तो दोस्ती की जरूरत बदलती है और ना ही दोस्ती का भाव। इसलिए दोस्ती एक अजर-अमर रिश्ता है।

प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक बार कहा था, 'अगर ईश्वर है (...और मैं समझता हूं भले ईश्वर वैसे ही ना हो जैसे कि माना जा रहा है, लेकिन कुछ ना कुछ तो है) तो इंसान की जैविक संरचना में दोस्ती का एक स्थायी भाव भी है।'

भगत सिंह ने कहा है, 'दोस्ती दिलों में तूफान पैदा करती है। दोस्ती में पहाड़ों से कूद जाने का दिल करता है और हंसते-हंसते जान देने में जरा भी असहजता नहीं महसूस होती। इसलिए यह कुछ ना कुछ तो है।' अस्सी के दशक में समाजशास्त्री आल्विन टोएफलर ने कहा था, 'जैसे-जैसे तकनीक का विकास होगा दोस्ती का खात्मा हो जाएगा। दोस्ती की जरूरतें खत्म हो जाएंगी।' हालांकि ऐसा नहीं हुआ और ना ही कभी होगा। दोस्ती कल भी थी, दोस्ती आज भी है और दोस्ती कल भी रहेगी। *

ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

समय के साथ जिस तरह जीवनशैली में कई परिवर्तन हो गए हैं, उसी तरह दोस्ती के अंदाज में भी काफी चेंज आ गया है। ईजी और सुविधाजनक होने की वजह से अब लोगों के बीच रियल से ज्यादा वर्चुअल फ्रेंडशिप बढ़ रही है।

रियल से ज्यादा बढ़ती वर्चुअल फ्रेंडशिप

चाहे महाभारत के दुर्योधन-कर्ण का दौर रहा हो या आज के 'जूम मीटिंग्स' का दौर हो, दोस्ती हमेशा से इंसान के लिए बहुत महत्वपूर्ण रही है। वास्तव में इंसान के लिए जिस तरह से भोजन जरूरी है, सोना जरूरी है, उसी तरह से उसे अपनी भावनाओं और विचारों को किसी के साथ साझा करना भी जरूरी होता है। ...और ये दोस्त ही होते हैं, जिनके साथ हर कोई अपनी भावनाएं, विचार और चाहतें साझा करता है। अलग-अलग दौर की अलग-अलग जरूरतें होती हैं, इसलिए हर दौर की दोस्ती के अलग मायने होते हैं। दोस्ती के जो मायने रामायण और महाभारत काल में थे, भले वो अब ना रहे हों, लेकिन दोस्ती आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी उस दौर में थी।

बदल गए दोस्ती के तरीके: आज के दौर में दोस्ती के मायने, उसके संदर्भ और उसके रुझान बदल गए हैं। आज दोस्ती फिजिकल हेल्प से कहीं ज्यादा मेंटल सपोर्ट का नाम बन गई है। यही वजह है कि आज दोस्ती फिजिकल से ज्यादा वर्चुअल हो गई है। हम बचपन में अपने गली-मुहल्ले के दोस्तों के साथ देर तक खेलते थे, उनके साथ मस्ती करते थे और घंटों-घंटों साथ में वक्त बिताते थे। लेकिन आज वर्चुअल लाइफस्टाइल के दौर में दोस्ती का वह मतलब नहीं रह गया। क्योंकि हर कोई अपने आप में बिजी है, हर कोई एक-दूसरे से भौतिक रूप से काफी दूर है। इसलिए आज की लाइफस्टाइल में दोस्ती एक मेंटल सपोर्ट ग्रुप का भी नाम हो गई है। आज हम वर्चुअल दुनिया में दोस्त बनाते हैं और भले उनसे कभी ना मिलें, लेकिन जब भी हमें उनकी या उन्हें हमारी जरूरत होती है, हम एक-दूसरे का मेंटल सपोर्ट बनते हैं। हम एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं और विचार साझा करते हैं और एक-दूसरे से दूर रहकर भी आपस में जुड़े रहते हैं। इसलिए आजकल ऐसी दोस्तियां भी खूब फल-फूल रही हैं।

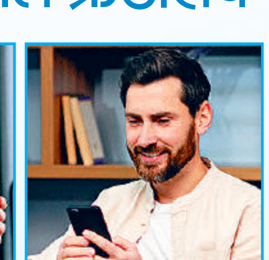

ग्लोबल हो गई दोस्ती: आज ग्लोबलाइजेशन का दौर है। इंटरनेट की बदौलत पूरी दुनिया एक क्लिक की दूरी पर आ गई है, इसलिए अब दोस्ती का भी ग्लोबलाइजेशन हो गया है। आज हमारे एक्चुअल से ज्यादा वर्चुअल फ्रेंड्स हो चुके हैं। इस दौर में वर्चुअल फ्रेंडशिप खूब चल रही है, क्योंकि अभिव्यक्ति के पारंपरिक माध्यमों की जगह आजकल लोग वीडियो बनाकर, ऑनलाइन चैट करके और कई दूसरे आडियो-विजुअल माध्यमों के जरिए आपस में संपर्क में रहते हैं। क्योंकि जीवन जीने का माध्यम अब अकेला एक्चुअल ही नहीं रह गया बल्कि हम अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा वर्चुअल दुनिया में भी गुजारते हैं। यही कारण है कि आजकल हमारे कई ऐसे दोस्त हैं, जिनसे हम सिर्फ वीडियो चैट प्लेटफॉर्म में ही मिलते हैं और उनसे उसी तरह गहरी दोस्ती का भाव रखते हैं, जैसे बचपन के दोस्तों से रखते हैं।

इंटरनेट से खुले नई दोस्ती के रास्ते: पहले भी समान सोच-विचार वाले लोग इकट्ठा होते रहे हैं और इकट्ठा होकर अपना महत्व दर्शाते रहे हैं। आज इंटरनेट के जरिए एक तरह की हॉबी रखने वाले, एक तरह की सोच रखने वाले लोगों की खूब दोस्ती है और ये ग्रुप सिर्फ संयोग से वर्चुअल दुनिया में मिले लोगों से ही नहीं बनते बल्कि आजकल एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप में रह रहे लोग नौकरीपेशे के कारण भी एक- दूसरे से जुड़े हुए हैं। ग्लोबल वर्ककल्चर विकसित होने से वर्कप्लेस की दोस्ती भी ग्लोबल हो गई है। आज ग्लोबल वर्कप्लेस फ्रेंडशिप भी दोस्ती का एक नया ट्रेंड बनकर उभरी है। क्योंकि आज की लाइफस्टाइल में ऐसी ही दोस्ती की जरूरत है।

दोस्ती का महत्व है बरकरार: हर दौर के दोस्ती के ट्रेंड्स उस दौर के हिसाब से बनते बिगड़ते रहे हैं, लेकिन अगर गहराई से जाकर सोचें तो दोस्ती का जो महत्व पहले था, आज भी वही है। साथ ही दोस्ती जिन वजहों से पहले महत्वपूर्ण थी, उन्हीं वजहों से आज भी महत्वपूर्ण हैं। दोस्ती हर दौर में महत्वपूर्ण रही है। *

दोस्ती के दोहे / आशा शर्मा

ना ही लाग-लपेट थी, ना ही कोई स्वार्थ।
सखा नाम पर्याय है, मधुसूदन व पार्थ।।
सखा मार्ग दुश्वार है, दूभर है यह राह।
करो इसे स्वीकार तुम, बिना शर्त बिन चाह।।
सुख-दुख में सहभागिता, कष्टों में दे साथ।
दुर्लभ ऐसा मीत है, जो ना छोड़े हाथ।।
सखा, यार या दोस्त कह, चाहे कह ले मीत।
ईश्वर का वरदान है, यह निश्छल सी रीत।।
मूक मौन जो जान ले, दिल की तेरे बात।
उसके निर्मल नेह से, कभी न करना घात।।
मीत बिना सूना समझ, ये सारा संसार।
मीत अगर जो संग है, हर दिन है त्योहार।।
घोर अंधेरी रात में, चंदा जैसा यार।
हाथ पकड़ कर ले चले, हर बाधा से पार।।

छोटी कहानी
विनय मोघे

यह दौर सोशल मीडिया का है। पुराने दोस्त बस फेसबुक और व्हाट्सएप तक सीमित हो जाएं, तो दोस्ती भी डिजिटल हो जाएगी, अहसास बनावटी हो जाएंगे। ऐसे ही खोखले अहसासों पर एक छोटी-सी कहानी।

व्यस्त मित्र

पंकज इंदौर का रहने वाला है, लेकिन पुणे में नौकरी करता है। पुणे आए उसे करीब दस साल हो गए हैं। शुरू-शुरू में वह हर साल एक या दो बार इंदौर जाता था, लेकिन पिछले तीन-चार साल से उसका इंदौर जाना नहीं हुआ था। जब उसे पता चला कि उसके चचेरे भाई के बेटे की शादी तय हो गई है, तीन महीने बाद की शादी की तारीख निकली है तो वह बड़ा खुश हुआ। बहुत सालों बाद वह अपने शहर जाने वाला था। उसने परिवार के साथ अपनी ट्रेन का रिजर्वेशन भी करा लिया।

पंकज के पुराने दोस्त फेसबुक पर उससे जुड़े थे। इन मित्रों का एक व्हाट्सएप ग्रुप भी था, सभी मित्र आपस में बहुत सी बातें, फोटो शेयर करते रहते थे। इनमें से कई मित्र इंदौर में ही रहते हैं। कई बार ग्रुप में उन मित्रों ने पंकज से इंदौर आकर मिलने के लिए जोर दिया था। पुणे से निकलने के चार-पांच दिन पहले उसने ग्रुप पर अपने इंदौर आने की सूचना डाल दी। मित्रों ने उसके मैसेज को अच्छा रिस्पांस दिया। सबने कहा कि तुम यहां आओ, हम जरूर मिलेंगे, साथ मिलकर एंज्वॉय करेंगे। पंकज ने भी सोचा कि शादी के बाद एक-दो दिन एक्स्ट्रा टाइम है तो सबसे जरूर मिल लेंगे। इतने दिनों बाद मित्रों से मिलकर बहुत अच्छा लगेगा, पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी।

अपने शहर इंदौर पहुंच कर पंकज बहुत खुश था। शादी के दौरान कई नाते-रिश्तेदारों से बहुत सालों बाद मुलाकात हुई। लेकिन उसे तो अपने व्हाट्सएप ग्रुप के पुराने मित्रों से मिलने की उत्सुकता थी। शादी के कार्यक्रम खत्म होते ही अगले दिन सुबह से उसने एक-एक करके इंदौर के अपने मित्रों को फोन से संपर्क करना शुरू कर दिया ताकि आज सबसे मिलने का प्रोग्राम तय हो जाए। एक मित्र ने उसका फोन नहीं उठाया पर मैसेज किया, 'आय एम ड्राइविंग, कॉल यू बैक।' दूसरे मित्र ने फोन उठाया और बोला, 'यार आज मेरी इंपॉर्टेंट मीटिंग है। ऑफिस जाना जरूरी है, शाम को भी जल्दी नहीं आ पाऊंगा, तुम अगली बार जब आओगे तो पक्का मिलेंगे।' तीसरे मित्र ने कहा, 'यार इस साल इंदौर में इतनी शादियां हैं कि पूछो मत। आज मुझे तीन शादियों में जाना है। मैंने अपनी वाइफ को बताया कि तुम आए हो तो उसने कहा कि अगले महीने हम पुणे आ ही रहे हैं, वहीं मिल लेंगे, सॉरी बॉस।' एक मित्र बोला, 'तुम मुझे अपनी लोकेशन भेजो, मैं आकर मिलता हूं।' जब उसने लोकेशन भेजा, तब उसने बताया, 'यह तो बहुत दूर है। दो-तीन घंटे आने-जाने में ही लग जाएंगे। आज मुझे कुछ जरूरी काम है तो मिलना मुश्किल है।' इसी तरह कुछ और मित्रों ने भी किसी ना किसी कारण मिलने में असमर्थता बता दी।

अपने मित्रों के इस व्यवहार से पंकज का मूड ऑफ हो गया। उसने सोचा, सभी मित्र अपनी-अपनी लाइफ में व्यस्त हैं, एक मैं ही फ्री हूं। ये मित्र व्हाट्सएप ग्रुप पर तो इंदौर बुलाते रहते थे, लेकिन यहां आने पर उनके पास उससे मिलने का समय ही नहीं है। उधर शादी वाले घर में सब मेहमान वापस जा चुके थे। पंकज को अब अपना एक्स्ट्रा समय चुभ रहा था। उसे लगा शादी के बाद तुरंत ही पुणे वापस चले जाना चाहिए था। दूसरे दिन इंदौर से पुणे आते समय पंकज ने ट्रेन में बैठे-बैठे मित्रों वाले व्हाट्सएप ग्रुप से अपने आपको एग्जिट कर लिया था। वह मन ही मन अपने व्यस्त मित्रों से बहुत दुखी था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

धरोहर कविताएं

कविता लिखने और कविता में जीवन के स्पंदन को व्यक्त करने में बहुत फर्क होता है। मंगलेश डबराल ऐसे ही विलक्षण कवि थे, जिनकी कविताओं में जीवन के स्पंदन को साफतौर पर महसूस किया जा सकता है। वर्ष 2020 में इस दुनिया से विदा होने के बाद उनकी कुछ अपूर्ण, कुछ असंकलित, कुछ शुरुआती दौर में लिखी गई और कुछ उनके संपादन की प्रक्रिया से गुजर रही कविताओं का संग्रह 'पानी का पत्थर' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह की कविताओं के जरिए हम मंगलेश की पांच दशक की कविता यात्रा के साक्षी हो सकते हैं। इस लिहाज से यह एक धरोहर कविता संग्रह है। यहां वे कहीं अपने पहाड़ी जीवन को याद करते दिखते हैं, तो कहीं सामाजिक विसंगतियों और बाजारवादी प्रवृत्ति पर करारा कटाक्ष करते हैं, कहीं प्रेम की आत्मिक अनुभूति को शब्दों में पिरोते हैं तो कहीं स्त्रियों की अतिसहनशीलता के प्रति अपना प्रतिरोध प्रकट करते हैं। *

पुस्तक: पानी का पत्थर (कविता संग्रह), **रचनाकार:** मंगलेश डबराल, **मूल्य:** 199 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक

सिनियाकोवा-मचाक ने जीता स्वर्ण पदक

पेरिस। चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा और टॉमस मचाक ने शुक्रवार रात को यहां टाईब्रेकर तक खिंचे मैच में जीत दर्ज करके पेरिस ओलंपिक की टेनिस प्रतियोगिता का मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीता। सिनियाकोवा और मचाक ने फाइनल में चीन के वांग जिन्यू और झांग झिझेन को 6-2, 5-7, 10-8 से हराया। ओलंपिक युगल में मानक तीसरे सेट के बजाय टाईब्रेकर का उपयोग किया जाता है। इनमें से कम से कम दो अंक का अंतर रखकर पहले 10 अंक बनने वाली टीम विजेता बनती है। सिनियाकोवा का ओलंपिक में यह दूसरा स्वर्ण पदक है। उन्होंने तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक खेलों में बारबोरा क्रेजिसिकोवा के साथ मिलकर महिला युगल का स्वर्ण पदक जीता था। कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की और फेलिक्स ऑगर अलियासिमे ने मिश्रित युगल का कांस्य पदक जीता। उन्होंने नीदरलैंड की डेमी शूअर्स और वेस्ले कूलहोफ को 6-3, 7-6 (2) से हराया।

मैथ्यू एबडेन और जॉन पीयर्स बने पुरुष युगल चैंपियन

मैथ्यू एबडेन और जॉन पीयर्स ने पुरुष युगल फाइनल में शनिवार को ऑस्टिन क्रेजिसेक और राजीव राम की अमेरिका की जोड़ी को हराकर ऑस्ट्रेलिया को ओलंपिक खेलों के इतिहास में टेनिस का दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। एबडेन और पीयर्स ने फाइनल में क्रेजिसेक और राजीव की जोड़ी को 6-7, 7-6, 10-8 से शिकस्त दी। ओलंपिक के युगल मुकाबलों में दो सेट के बाद मुकाबला बराबर रहने पर तीसरे सेट की जगह 10 अंक का टाईब्रेकर होता है। ऑस्ट्रेलिया को इससे पहले 1996 में अटलांटा ओलंपिक में टोड वुडब्रिज और मार्क वुडफोर्ड की जोड़ी ने पुरुष युगल में ही स्वर्ण पदक दिलाया था।

पेरिस की खबरें

सेमीफाइनल में एक्सेलसन से लक्ष्य का सामना आज

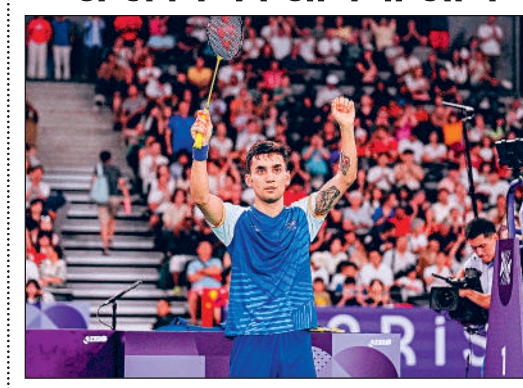

पेरिस। भारतीय बैडमिंटन की सनसनी लक्ष्य सेन रविवार को जब यहां पेरिस ओलंपिक खेलों के पुरुष एकल सेमीफाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन से भिड़ेंगे तो उन्हें अपने पहले स्वर्ण पदक की उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पहली बार ओलंपिक में खेल रहे सेन ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल मैच में चीनी ताइपे के चाउ टीएन चेन को 19-21, 21-15, 21-12 से हराकर भारतीय बैडमिंटन में नया इतिहास रचा। सेन ओलंपिक खेलों के व्यक्तिगत पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं। लेकिन अब उनका सामना उस एक्सेलसन से है जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रतिद्वंदियों को कोई मौका नहीं दिया है। डेनमार्क के ओडेंस के रहने वाले इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक और रियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। वह 2017 और 2022 में विश्व चैंपियन रहे। उनके नाम पर 2016 में थॉमस कप की जीत शामिल है।

चिराग-सात्विक के हार के बाद बो ने छोड़ी कोचिंग

पेरिस। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के कोच मथियास बो ने भारत की शीर्ष बैडमिंटन जोड़ी के पेरिस ओलंपिक से बाहर होने के बाद कोचिंग से संन्यास लेने की घोषणा की। सात्विक और चिराग गुरुवार को यहां पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से 21-13, 14-21, 16-21 से हार गए। लंदन ओलंपिक के रजत पदक विजेता बो टोक्यो ओलंपिक से पहले चिराग और सात्विक के कोच के रूप में उनसे जुड़े थे। डेनमार्क के 44 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी बो ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, 'मेरे लिए, कोचिंग के दिन यहीं खत्म हो जाते हैं, मैं कम से कम अभी भारत या कहीं और नहीं जारी नहीं रखूंगा। मैंने बैडमिंटन हॉल में बहुत अधिक समय बिताया है और कोच बनना भी काफी तनावपूर्ण है, मैं एक थका हुआ बूढ़ा आदमी हूं।'

ओलंपिक : पदक तालिका

क्र.	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	चीन	14	10	9	33
2	ऑस्ट्रेलिया	12	7	5	24
3	फ्रांस	11	13	14	38
4	अमेरिका	10	20	18	48
5	ब्रिटेन	10	10	12	32
49	भारत	0	0	3	03

आज के कार्यक्रम

निशानेबाजी : 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष क्वालीफिकेशन पहला चरण : विजयवीर सिद्धू और अनीश : 12 . 30 से

हॉकी : भारत बनाम ब्रिटेन पुरुष हॉकी क्वार्टर फाइनल : दोपहर 1.30 से

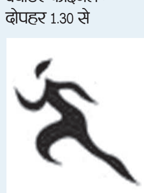

एथलेटिक्स : महिला 3000 मीटर स्टीपलचेस पहला दौर :पारुल चौधरी : 1.35 से , पुरुष लंबी कूद क्वालीफिकेशन : जेस्विन एल्ड्रिन : 2.30 से

मुक्केबाजी : महिला 75 किलो क्वार्टर फाइनल : लवलीना बोरगोहेन बनाम चीन की लि कियान : दोपहर 3.02 से

बैडमिंटन : पुरुष एकल सेमीफाइनल : लक्ष्य सेन बनाम विक्टर एक्सेलसन (डेनमार्क) दोपहर 3.30 से

पाल नौकायन : पुरुष डिंगी रेस सात और आठ : विष्णु सरवनन, दोपहर 3.35 से, महिला डिंगी रेस सात और आठ : नेत्रा कुमानन, शाम 6.05 से।

मनु भाकर पदकों की हैट्रिक से चूकी दीपिका हारकर बाहर, दौड़ में महेश्वरी

एजेंसी ▶▶| शेटराउ

ओलंपिक में पदकों की हैट्रिक लगाने का मनु भाकर का सपना शनिवार को यहां 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में कांस्य पदक के लिए हंगरी की खिलाड़ी से शूट ऑफ में पिछड़ने के बाद पूरा नहीं हो सका। आठ निशानेबाजों के करीबी फाइनल में मनु ने अपना सब कुछ झोंक दिया और कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान पर भी रही लेकिन अपनी निरंतरता बरकरार नहीं रख सकीं। इस 22 साल की खिलाड़ी ने हालांकि महिला 10 मीटर एयर पिस्टल और मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर दो कांस्य पदक जीत कर पहले ही इतिहास रच दिया है। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय है।

शूट ऑफ में मिली हार

मनु पांच-पांच निशाने के 10 सीरीज के फाइनल में शुरुआती आठ सीरीज के बाद 28 अंक के साथ हंगरी की वेरोनिका मेजर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर थी। इसके बाद शूट ऑफ में मनु पांच में से तीन निशाना ही लगा सकी जबकि मेजर ने चार सटीक निशाने के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। मनु की शानदार लय को देखते हुए, उनके पदकों की हैट्रिक लगाने की उम्मीदें बहुत अधिक थीं। फाइनल की शुरुआत में छठे स्थान पर खिसकने के बाद भी वह वापसी करने में सफल रही। इस स्पर्धा का स्वर्ण यांग और रजत फ्रांस की जेद्रजेजेव्स्की केमिली ने जीता। दोनों निशानेबाज 10 सीरीज के बाद 37-37 अंक की बराबरी पर थे लेकिन शूटऑफ में यांग ने स्थानीय निशानेबाज को पछाड़ दिया।

दीपिका क्वार्टर फाइनल में हारी तीरंदाजी में 36 साल का सूखा

भारत की अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी को शनिवार को यहां दो बार बढ़त बनाने के बावजूद पेरिस खेलों की तीरंदाजी की महिला एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की नैम सुहियोन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। युवा भजन कौर भी प्री क्वार्टर फाइनल में हार गईं जिससे ओलंपिक में तीरंदाजी पदक का भारत का 36 साल का इंतजार जारी रहा। भारत की 23वीं वरीय दीपिका ने अंतिम आठ के मुकाबले में मौजूदा खेलों की महिला टीम स्पर्धा की स्वर्ण पदक विजेता और दूसरी वरीय सुहियोन के खिलाफ 4-2 की बढ़त बना रखी थी लेकिन अंततः 4-6 (28-26, 25-28, 29-28, 27-29, 27-29) से हार गई। भजन को प्री क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की डायनंदा चोइरुनिसा के खिलाफ शूट ऑफ में 8-9 से हार का सामना करना पड़ा।

महेश्वरी फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में शामिल

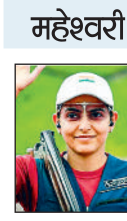

भारतीय निशानेबाज महेश्वरी चौहान महिला स्कीट स्पर्धा के क्वालीफिकेशन के पहले दिन आठवें स्थान के साथ फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बनी हुई हैं जबकि अनंतजीत सिंह नरुका लगातार दूसरे दिन खराब प्रदर्शन के बाद पुरुष स्कीट स्पर्धा से बाहर हो गए। महेश्वरी 25-25 शॉट की तीन सीरीज में 23, 24 और 24 अंक से कुल 71 अंक बनाकर पहले दिन के क्वालीफिकेशन दौर के बाद आठवें पायदान पर हैं और शीर्ष छह निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बनी हुई हैं।

खबर संक्षेप

नंबर एक स्वियाटेक टोरंटो टूर्नामेंट से हटी

टोरंटो। विश्व में नंबर एक महिला खिलाड़ी इगा स्वियाटेक पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में टोरंटो में खेले जाने वाले टेनिस टूर्नामेंट से हट गई। स्वियाटेक पहली खिलाड़ी नहीं है जिन्होंने नेशनल बैंक ओपन टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। उनसे पहले ग्रैंड स्लैम चैंपियन बारबोरा क्रेजिसिकोवा, एलेना रयबाकिना और मार्केटा वोंद्रोसोवा तथा जैस्मिन पाओलिनी, मारिया सकारी, डेनिएल कोलिन्स और कैरोलिन गार्सिया ने भी इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। स्वियाटेक अभी तक पांच ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुकी हैं।

अफगानिस्तान के फैजाद डोपिंग जांच में पॉजिटिव

पेरिस। अफगानिस्तान के जूडोका मोहम्मद शमीम फैजाद को पेरिस ओलंपिक में डोपिंग जांच में 'एनाबॉलिक स्टेरॉयड' के इस्तेमाल का दोषी पाया गया है। यह इन खेलों में डोपिंग का तीसरा मामला है। अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईटीए) ने शनिवार को बताया कि फैजाद ने अपने शुरुआती मुकाबले के बाद नमूना दिया था, जिसकी जांच में 'स्टैनोजोलोल' की पुष्टि हुई। फैजाद को हालांकि 81 किग्रा के मुकाबले में मंगलवार को ऑस्ट्रिया के वाचिद बोरचशविली से हार का सामना करना पड़ा था। हाल ही में अपना 22वां जन्मदिन मनाने वाले फैजाद अपने देश के तीन पुरुष और तीन महिला खिलाड़ियों के दल में अकेले खिलाड़ी है जो अफगानिस्तान में रहते है।

हॉकी : भारत के सामने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ब्रिटेन की चुनौती

एजेंसी ▶▶| पेरिस

अपने अंतिम पूल मैच में टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत के बाद आत्मविश्वास से भरपूर भारत रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ खेलेगा। भारत ने पूल बी के अपने आखिरी मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर ओलंपिक में इस टीम के खिलाफ आधी सदी से अधिक समय से चले आ रहे जीत के इंतजार को खत्म किया। भारत ने आस्ट्रेलिया को इससे पहले 1972 के म्यूनिख ओलंपिक में हराया था ।

ऑस्ट्रेलिया पर जीत के साथ ही भारत भारत पूल बी में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम के बाद दूसरे स्थान पर रहा, जबकि ग्रेट ब्रिटेन पूल ए में तीसरे स्थान पर था। टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ एक बार फिर से हर विभाग में बढ़त बनाने की कोशिश करेगी। क प्ता न हरमनप्रीत कौर का कमाल का प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी जारी रहा और उन्होंने इस मैच में दो गोल दागे। भारतीय कप्तान के नाम पेरिस ओलंपिक में अब छह गोल हो गए हैं।

गोल्ड के साथ प्यार में बोल्ड

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में जारी ओलंपिक खेलों में एक दिलकश नजारा देखने को मिला, जिसकी दुनियाभर में चर्चा हो रही है। चीन की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी हुयांग या कियोंग गोल्ड मेडल जीतने के बाद प्यार में बोल्ड हो गईं। उन्हें गोल्ड जीतते ही साथी खिलाड़ी और बॉयफ्रेंड लि युचेन ने सरेआम शादी का प्रोपोजल दिया। 30 वर्षीय कियोंग ने प्रोपोजल कबूल कर लिया। उनकी खुशी देखने लायक थी। हुआंग ने शुक्रवार को झेंग सिवेई के साथ मिलकर मिश्रित युगल स्पर्धा में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने दक्षिण कोरिया की किम वोन हो और जियोंग ना युन को 21-8 21-11 से शिकस्त दी।

बुमराह के पास अपने इशारे पर गेंद को नचाने की क्षमता

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारत के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और कोच रवि शास्त्री ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की मन के मुताबिक गेंद को नियंत्रित करने की क्षमता ने भारत को पिछले महीने टी20 विश्व कप चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। बुमराह ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में आयोजित इस विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच और फिर फाइनल में आखिरी ओवरों में अहम विकेट चटकाकर मैच के रुख को भारत की ओर मोड़ने में अहम भूमिका निभाई थी।

शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा, 'मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान मैच से भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया था। टीम को इस मैच में कड़ी टक्कर मिली और उसे उसे एहसास हुआ कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए सही संयोजन क्या होना चाहिए। इसके बाद फाइनल मैच के आखिरी पांच ओवर शानदार रहे। बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ रिजवान को सही समय पर आउट किया। इस विकेट से मैच का रुख भारत की ओर मुड़ने लगा था।

पहला मैच टाई, दूसरा वनडे आज दोपहर 2.30 बजे

भारत को स्पिनरों और धीमी पिच से पार पाने की चुनौती

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारत को अगर श्रीलंका के खिलाफ दबदबा बनाए रखना है तो उसे रविवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में स्पिनरों और धीमी पिच से निपटने का तरीका ढूंढना होगा।

भारत शुक्रवार को खेले गए पहले वनडे मैच में 231 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय तीन विकेट पर 130 रन बनाकर अच्छी स्थिति दिख रहा था लेकिन इसके बाद श्रीलंका के स्पिनर हावी हो गए और भारतीय टीम 230 रन पर आउट हो गई जिससे यह मैच टाई रहा। रोहित शर्मा ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की लेकिन इसके बाद श्रीलंका के स्पिनरों ने अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। भारत ने उनका सामना करने के लिए विराट कोहली, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को उतारा जिन्हें स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ काफी सफलता मिली है। इन तीनों को किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन वे स्वच्छंद होकर बल्लेबाजी नहीं कर पाए। कोहली पर बाएं हाथ के स्पिनर डुनिथ वेलालेज और लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने लगाम कसे रखी। पिच काफी धीमा खेल रही थी और ऐसे में स्पिनर का सामना करना आसान नहीं था। यहां तक के बाद में मुख्य रूप से बल्लेबाज श्रीलंकाई कप्तान चरित असलांका ने भी गेंदबाजी की और तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर मैच को टाई कराया। भारतीय बल्लेबाजों को साझेदारी निभाने की जरूरत थी लेकिन वह इसमें नाकाम रहे।

पंत या पराग को मिलेगा मौका

भारतीय स्पिनरों को रन रोकने के साथ ही विकेट हासिल करने पर भी ध्यान देना होगा। भारत बल्लेबाजी में एक बदलाव करके ऋषभ पंत या रियान पराग को मौका दे सकता है जिनका स्पिनर के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड रहा है। यह दोनों बल्लेबाज अपरंपरागत शॉट खेल कर उनकी लय बिगाड़ सकते हैं। वेलालेज ने वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल के खिलाफ स्कूप और रिवर्स स्वीप का अच्छा इस्तेमाल किया। पराग स्पिनर की भूमिका भी निभा सकते हैं लेकिन यह देखना होगा कि भारतीय टीम प्रबंधन केवल एक मैच के बाद टीम में बदलाव करता है या नहीं क्योंकि हाल के दिनों में उसकी ऐसी रणनीति नहीं रही है।

सिमोन बाइल्स ने जीता सातवां ओलंपिक स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| पेरिस

अमेरिका की स्टार जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स ने शनिवार को पेरिस खेलों में महिलाओं के वॉल्ट फाइनल में जीत हासिल करके अपना सातवां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। सत्ताइस वर्षीय बाइल्स ने अपने चिर परिचित युर्चेंको डबल पाइक और चेंग वॉल्ट से 15.300 औसत अंक हासिल किए और रियो डि जिनेरियो में जीत के आठ साल बाद इस स्पर्धा में दूसरा स्वर्ण पदक जीता।

गुरुवार को ऑलराउंड फाइनल में बाइल्स के बाद उपविजेता रहीं ब्राजील की रेबेका एंड्रेड ने रजत पदक जीता। अमेरिका की जेड कैरी ने कांस्य पदक हासिल किया। बाइल्स दो बार वॉल्ट जीतने वाली दूसरी महिला हैं। इससे पहले चेकोस्लोवाकिया की वेरा कासालावस्का ने भी वॉल्ट स्पर्धा में दो ओलंपिक स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने 1964 और 1968 में लगातार दो बार यह खिताब जीता था। बाइल्स के अब तक अपने करियर में 10 ओलंपिक पदक जीते हैं।

Shri Shankaracharya Professional University Bhilai

Established under Chhattisgarh Private Universities (Established and Operation) Act,2005 & Under Section 2(f) of UGC Act 1956

Admissions Open 2024-25

Toll free no. **1800-547-1065**

State of Art Infrastructure

- Canteen
- Well Furnished & Safe Hostel Facility(separate For Boys & Girls)
- Recording Room
- In-campus medical Facility
- Swimming Pool
- Gym
- Badminton Court
- Music Room
- Free Wifi
- Basketball Court
- Auditorium
- Library

courses offered @ **SSPU**

Computer & IT Engineering
B.Tech(Hons.)
AIML & IoT
Cyber Security & IoT
M.Tech

Computer Application
BCA
MCA
DCA
PGDCA

Management & Commerce
BBA / MBA
MBA (Part Time)
B.Com
B.Com (Hons.)
M.Com

Science & Life Science
B.Sc. (PCB, PCM, CS)
B.Sc. (Hons.) (PCB, PCM, CS)
M.Sc. (PCM) (Biology, Zoology, Micro-Biology Bio-Technology)(Computer Science)

Health & Allied Science
Master in Hospital Administration

Education
Diploma (Nursery Teacher Training)
M.A. (Education)
B.A. / M.A.
P.G. Dip (Yoga)

Pharmacy
D. Pharma
B. Pharma, M. Pharma

Arts & Social Science
B.A.J.M.C.
M.A.J.M.C.
B.J. / M.J.
B.A. / M.A.
B.Lib.I.Sc. / BSW
M.Lib.I.Sc. / MSW

Physical Education
Bachelor / Master (Physical Education & Sports)
Certificate
PG Diploma (Sports coaching)

*Law LLB, B.A. LLB, B.Com. LLB *(Proposed)

www.shrishankaracharyauniversity.com
0788-4088810, 0788-4088811, 8319454783, 6232010132

SHRI SHANKARACHARYA TECHNICAL CAMPUS, BHILAI

ज्ञानादेव तु कैवल्यम्

An Autonomous Institute | APPROVED BY AICTE

25 YEARS OF EXCELLENCE

NAAC "A" GRADE
nirf 2020, 2021 & 2023 RANK BAND 251-300
ISO 9001:2015 CERTIFIED INSTITUTION

Courses Offered @ **SSTC**

B.Tech (CSE) — Code: EN111
- Computer Science and Engineering
- CSE (Artificial Intelligence & Machine Learning)
- CSE (Data Science)
- CSE (Artificial Intelligence)
- CSE (IOT & Cyber Security with Block Chain Technology)
- Computer Science & Technology

B.Tech (Engineering) — Code: EN111
- Electrical Engineering
- Mechanical Engineering
- Electronics & Telecommunications Engineering
- Electronics & Computer Engineering
- Information Technology
- Civil Engineering

M.Tech — Code: ME111
- Machine Design
- Thermal Engineering
- Power Systems Engineering
- Electronics & Telecommunications Engineering
- VLSI Design
- CS & Engineering
- Structural Engineering
- Mech. Engineering(Prod)
- Transportation Engineering
- Geotechnical Engineering
- AI & Machine Learning

MBA Code: MB120
MCA Code: MC109

PLACEMENTS

- 2500+ Placements in the last 3 years
- 25+ MoUs
- 220+ Recruiting Companies
- 1250+ Internships In the last 3 years

SSTC Placements 2024 Continue: Diverse Opportunities

Our Prominent Recruiters/Top Companies

IBM, HEXAWARE, Tech Mahindra, Nucleus Software, GRAMONT, accenture, amicus, MACLEODS, JBM Group, awakeo, jaro education

for CSE, IT, ETC & MCA: Deloitte, OneBanc, Capgemini, Cognizant, TCS
for Mechanical and Electrical: JSW, UltraTech, SISCOL, C India
for MBA: ESAF

NSS President Award

Find us on

www.sstc.ac.in Toll free no. **1800-547-1064** 0788-4088888, 9039551113

Beside D-Mart & Opp. Shri Shankaracharya Institute of Medical Sciences, Junwani,Bhilai, Chhattisgarh, 490020

30 सालों से सोई नहीं ये महिला, बताई 24 घंटे जागने के पीछे की दिलचस्प वजह

लंदन। आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में एक महिला ऐसी भी हो जो बीते 30 सालों नहीं सोई है। इस महिला की पूरी कहानी सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। आपको बता दें कि वियतनाम की रहने वाली 49 साल की गुएन नगॉक माइ किम दरअसल, जब वह छोटी बच्ची थीं, तो देर रात तक जागकर पढ़ा

करती थीं। वहीं, जब वह टेलर बनीं, तो काम के चक्कर में वह कभी-कभी पूरी रात नहीं सोती थीं। पहले उन्हें थकान भी महसूस होती थी। कई बार उनके साथ एक्सीडेंट भी हो जाते थे। लेकिन, महीनों तक इसी तरह जागने से उनका शरीर और आंखें इसी आदत में ढल गए। अब वह चाहकर भी सो नहीं पाती हैं।

अनोखा पेड़! सूर्य की रोशनी के साथ बदलता है पत्तों का रंग

नई दिल्ली। शिमला ऐतिहासिक इमारतों का शहर है। ऐतिहासिक इमारतों में कई ऐसी ऐतिहासिक चीजें भी है, जो अपने आप में अनोखी है। अंग्रेजों ने अपने राज के समय शिमला में कई प्रकार के प्रयोग किए। जिनमें कई असफल हुए तो कई सफल हुए। इन्हीं सफल प्रयोग का नतीजा शिमला के छराबड़ा में मौजूद राष्ट्रपति निवास में देखा जा सकता है। यहां कुछ ऐसे पेड़ है, जिनके पत्ते सूर्य की रोशनी के साथ अपना रंग बदलते हैं।

ब्रिटिश आर्मी के जनरल लेकर आए थे पौधे

अंग्रेजी सरकार के एक आर्मी अफसर लॉर्ड किचनर, जो आर्मी में जनरल थे, वहां इन पौधों को यहां लेकर आए थे। लॉर्ड किचनर को गार्डनिंग का बेहद शौक था। इसलिए वह ब्रिटेन से इन पौधों को यहां लेकर आए थे। इसे एक प्रयोग की तरह भी देखा जा सकता है, जो सफल रहा। हालांकि, भारत में इस तरह के केवल पांच ही पेड़ है, जो हिमाचल प्रदेश में मौजूद है। लेकिन, ब्रिटेन में इन पेड़ों को आसानी से देखा जा सकता है, बहुत से स्थानों पर यह पेड़ सड़क किनारे भी देखे जा सकते हैं।

देश में केवल 5 ही पेड़

राष्ट्रपति निवास छराबड़ा के गाइड आकाश ने बताया कि इन पेड़ों का नाम 'कॉपर बीच' है। यह पेड़ अपने आप में अनोखे है, जिनका रंग पेड़ के नीचे से हरा तो सामने से डार्क दिखाई देता है। 20 से 25 दिन में पेड़ के पत्तों का रंग डार्क होता है। पेड़ पर जितनी अधिक सूर्य की रोशनी पड़ती है, उतना ही अधिक पत्तों का रंग भी डार्क हो जाता है। पूरे देश में केवल पांच ही पेड़ है, जो हिमाचल में मौजूद है।

40 सालों से दुनिया की सबसे लंबी लटों की देखभाल कर रही है महिला

न्यूयार्क। 62 वर्षीय आशा मंडेला 40 से अधिक सालों से अपने बाल बढ़ा रही हैं और जोर देकर कहती हैं कि वह 'कभी भी' उन्हें नहीं काटेंगी। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक के बाल 19 फीट और 6.5 इंच की शानदार लंबाई तक फैले हुए हैं।

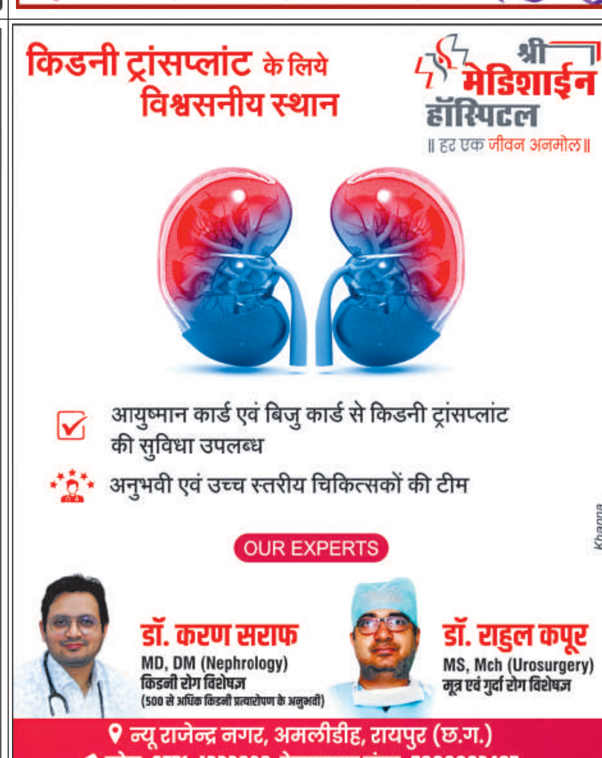

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com